THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 343 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र कृ.7, 2082 मंगलवार, 10 मार्च-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ❊ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

ममता का भाजपा पर पर्चे बांटने का आरोप

कोलकाता, 9 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी और 'उसकी एजेंसियां' कोलकाता में उनके धरनास्थल पर पर्चे बांट रही थी। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि ऐसे लोगों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दें। बनर्जी पिछले तीन दिनों से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में शहर के बीचों-बीच धर्मतला में धरना दे रही हैं। उन्होंने राज्य की मंत्री शशि पांजा को भी इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराने का निर्देश दिया। इन पर्चों में कथित तौर पर 14 मार्च को कोलकाता में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की होने वाली रैली का प्रचार किया गया था।

'बेटियों को मौकों से पीछे नहीं रहने देंगे'

भारत इनोवेशन वाली इकोनॉमी की ओर बढ़ रहा : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 9 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9 मार्च (सोमवार) को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पोस्ट-बजट वेबिनार को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत अब तेजी से एक इनोवेशन-ड्रिवन इकोनॉमी की ओर बढ़ रहा है। हमारे एजुकेशन सिस्टम को रियल-वर्ल्ड इकोनॉमी की जरूरतों के साथ और मजबूती से जोड़ने की जरूरत है। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल इकोनॉमी को भविष्य के लिए जरूरी बताया।

पीएम मोदी ने कहा कि लंबे समय की ग्रोथ बनाए रखने के लिए भारत को एआई, ऑटोमेशन, डिजिटल इकोनॉमी और डिजाइन-बेस्ड मैन्युफैक्चरिंग जैसे उभरते सेक्टरों पर ध्यान देना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि ग्लोबल लेवल पर प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए इन विषयों को प्राथमिकता देना जरूरी है। प्रधानमंत्री ने शिक्षा और रोजगार के बीच सीधा संबंध बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'हमें अपने एजुकेशन सिस्टम को रियल इकोनॉमी से जोड़ने की प्रोसेस को और तेज करना होगा।' पीएम के मुताबिक, आने वाले समय में वर्कफोर्स के लिए 'फ्यूचर रेडी स्किल्स' यानी भविष्य की जरूरतों के हिसाब से कौशल होना सबसे जरूरी होगा। समावेशी विकास का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि नई टेक्नोलॉजी के इस दौर में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, जैसे-जैसे हम भविष्य की तकनीकों के लिए तैयार हो रहे हैं, यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि अवसरों की कमी के कारण कोई भी बेटी पीछे न छूटे। वेबिनार में कई ब्रेकआउट सेशन रहे। इनमें शिक्षा और कौशल विकास, स्वास्थ्य और आयुष, पर्यटन और आतिथ्य जैसे क्षेत्रों पर विस्तार से चर्चा हुई। सरकार चाहती है कि बजट के प्रावधानों का लाभ आम जनता तक जल्द से जल्द पहुंचे।

हेल्थकेयर-स्पोर्ट्स को भी प्राथमिकता देंगे

पीएम ने हेल्थ सेक्टर पर बात करते हुए कहा कि सरकार एक प्रिवेंटिव और होलिस्टिक हेल्थकेयर सिस्टम पर काम कर रही है। पिछले कुछ वर्षों में हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर का काफी विस्तार हुआ है। इसके साथ ही स्पोर्ट्स को अब राष्ट्रीय विकास का एक प्रमुख स्तंभ माना जा रहा है, जिसके लिए देशभर में खेल सुविधाओं को मजबूत किया गया है। इस वेबिनार की थीम 'सबका साथ सबका विकास- लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करना' रखी गई। इस कार्यक्रम का मकसद बजट में की गई घोषणाओं को जमीन पर उतारने के लिए सरकारी विभागों, इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स और स्टेकहोल्डर्स यानी हितधारकों के साथ मिलकर एक ठोस रणनीति तैयार करना है।

'आधी रात में याचिका लिखी थी क्या?'

नई दिल्ली, 9 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक वकील की तरफ से दायर किए गए पांच याचिकाओं को 'असंगत और बेवजह' बताते हुए पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन (पीआईएल) खारिज कर दिए। इनमें से एक याचिका में मांग की गई थी कि यह जांच की जाए कि प्याज और लहसुन में 'तामसिक' यानी नकारात्मक ऊर्जा होती है या नहीं। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने वकील सचिन गुप्ता को फटकार लगाते हुए कहा कि क्या आप आधी रात को ये सारी याचिकाएं तैयार करते हो? सीजेआई ने इन याचिकाओं को अस्पष्ट, असंगत और बिना आधार वाली बताया।

इस पीठ में जस्टिस जॉयमाल्या बागची भी शामिल थे। उन्होंने वकील को कई पीआईएल दायर करने पर फटकार लगाई। बता दें कि प्याज और लहसुन वाली याचिका में यह भी कहा गया था कि जैन धर्म के लोग इसे 'तामसिक' भोजन मानते हैं और इन्हें नहीं खाते। इसपर सीजेआई ने पूछा कि आप जैन समुदाय की भावनाओं को क्यों आहत करना चाहते हैं?

सीजेआई के फटकार के बाद वकील ने जवाब दिया कि यह आम समस्या है और गुजरात में किसी ने खाने में प्याज इस्तेमाल करने पर तलाक भी लिया। इस पर सीजेआई ने सख्त नाराजगी जताते हुए कहा कि अगर अगली बार आप ऐसी बेवजह याचिका लाएंगे, तो आप देखेंगे कि हम क्या करेंगे।

अन्य याचिका भी की खारिज

इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने गुप्ता की तरफ से दायर चार अन्य पीआईएल भी खारिज कर दीं। इनमें से एक में शराब और तंबाकू उत्पादों में हानिकारक सामग्री को नियंत्रित करने की मांग थी, दूसरी में संपत्तियों के पंजीकरण को अनिवार्य करने की बात थी, और तीसरी में शास्त्रीय भाषाओं के घोषणा के लिए दिशा-निर्देश मांगने की याचिका थी।

पीठ ने कहा कि इन याचिकाओं में मांगे अस्पष्ट थीं और इनके लिए कोई कानूनी आधार नहीं था। सीजेआई ने कहा कि अगर गुप्ता वकील नहीं होते, तो उन्होंने उन पर उदाहरणात्मक जुर्माना लगाया होता।

दिल्ली दंगों के आरोपी शरजील इमाम को राहत

> कोर्ट ने दी 10 दिन की अंतरिम जमानत

नई दिल्ली, 9 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली दंगों के आरोपी शरजील इमाम को कड़कड़डूमा कोर्ट ने सोमवार को बड़ी राहत मिली है। अदालत ने शरजील इमाम को अपने भाई की शादी में शामिल होने और बीमार मां की देखभाल करने के लिए 10 दिन की अंतरिम जमानत दी है।

एडिशनल सेशन जज समीर बाजपेई की अदालत ने शरजील को 20 मार्च से 30 मार्च तक अंतरिम जमानत दी है। शरजील इमाम ने अदालत में अर्जी देकर 10 दिनों की अंतरिम रिहाई की मांग की थी। उनकी ओर से वकीलों ने दलील दी कि उनके सगे भाई की जल्द ही शादी होने वाली है, ऐसे में परिवार में उनकी मौजूदगी जरूरी है। साथ ही यह भी बताया गया कि उनकी मां की तबीयत काफी खराब है और उनकी देखभाल करने वाला कोई दूसरा नहीं है। इन परिस्थितियों और पारिवारिक जिम्मेदारियों को ध्यान में रखते हुए अदालत ने मानवीय आधार पर राहत देते हुए शरजील इमाम को 10 दिनों के लिए जेल से बाहर आने की अनुमति दे दी।

दिल्ली में कब हुई हिंसा :

दिल्ली के पूर्वोत्तर इलाकों में हिंसा उस समय हुई थी जब साल 2020 में नागरिकता संशोधन कानून और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर को लेकर विरोध प्रदर्शन चल रहे थे। हिंसा और आगजनी के दौरान 53 लोगों की मौत हुई थी। आक्रोशित लोगों ने केंद्र सरकार के फैसलों- राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) और नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के खिलाफ प्रदर्शन किए थे। हालांकि, दिल्ली पुलिस के आरोपों में प्रदर्शनकारियों पर कई गंभीर आरोप लगाए गए।

बंगाल पहुंचे चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, कालीघाट में पूजा की

> लोगों ने गो-बैक के पोस्टर, काले झंडे दिखाए > बीजेपी की मांग-3 फेज में ही कराएं चुनाव

कोलकाता, 9 मार्च (एजेंसियां)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार रविवार शाम को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की तैयारियों का रिव्यू करने कोलकाता पहुंचे। 3 दिन चलने वाली चुनाव आयोग की फुल बेंच मीटिंग के बीच सोमवार को ज्ञानेश कुमार कालीघाट में पूजा करने पहुंचे।

मंदिर के बाहर मौजूद प्रदर्शनकारियों ने गो बैक के पोस्टर और काले झंडे दिखाए। इसके पहले रविवार को भी कोलकाता पहुंचने पर कुछ लोग उनके काफिले के सामने झंडे लेकर पहुंचे और नारेबाजी करते दिखे। इधर, बीजेपी के एक डेलीगेशन ने सोमवार को इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया की फुल बेंच से मुलाकात की और मांग की कि 2026 का पश्चिम बंगाल असेंबली चुनाव तीन फेज में ही कराया जाए। पश्चिम बंगाल विधानसभा का कार्यकाल 7 मई को खत्म होने वाला है। 294 सीटों पर अप्रैल में चुनाव होने की उम्मीद है। 2021 में टीएमसी

ने 215 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी। ममता बनर्जी मुख्यमंत्री चुनी गई थीं। रविवार को पश्चिम बंगाल के स्थानीय लोग न्यू टाउन में एक प्राइवेट होटल के सामने इकट्ठा हुए, उन्होंने 'गो बैक, ज्ञानेश कुमार, डेमोक्रेसी के हत्यारे' लिखी टीशर्ट पहनी थी। जब चीफ इलेक्शन कमिश्नर (सीईसी) ज्ञानेश कुमार, इलेक्शन कमिश्नर एसएस संधू, विवेक जोशी और सीनियर डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर मनीष गार्ड और पवन कुमार के साथ सीईसी ज्ञानेश कुमार कोलकाता एयरपोर्ट पहुंचे, तो प्रदर्शनकारी वहां भी पहुंच गए। चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार, इलेक्शन कमिश्नर एसएस संधू और विवेक जोशी सोमवार को मान्यता प्राप्त नेशनल और स्टेट पार्टियों के डेलीगेशन से मिल रहे हैं ताकि चुनाव कराने के बारे में उनकी चिंताओं और सुझावों को सुना जा सके। बीजेपी डेलीगेशन ने असेंबली चुनाव से पहले राज्य में सुरक्षा माहौल पर चिंताओं को बताते हुए 16-पॉइंट का मांग पत्र सौंपा। इलेक्शन कमीशन को पश्चिम बंगाल असेंबली चुनाव में हिंसा न हो, इसके लिए कदम उठाने चाहिए।

दिल्ली हाईकोर्ट में सीबीआई की अपील पर सुनवाई

केजरीवाल-सिसोदिया समेत 23 को नोटिस जारी

नई दिल्ली, 9 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में दिल्ली हाईकोर्ट में आज अहम सुनवाई हुई। दिल्ली की आबकारी नीति से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने राउज एवेन्यू कोर्ट के उस फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया तथा कुल 23 आरोपियों को आरोपमुक्त किया था। सीबीआई की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पक्ष रखा।

केजरीवाल-सिसोदिया समेत 23 को नोटिस, ईडी केस में सुनवाई पर रोक :

दिल्ली हाई कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट को मनी लॉन्ड्रिंग मामले से जुड़े केस की सुनवाई से रोक दिया है। हाई कोर्ट ने निर्देश दिया है कि ट्रायल कोर्ट में चल रही ईडी मामले की कार्यवाही को तब तक के लिए टाल दिया जाए, जब तक कि सीबीआई की इस याचिका पर फैसला नहीं हो जाता। वहीं, अदालत ने ट्रायल कोर्ट के फैसले में जांच अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई के स्टेटमेंट पर भी रोक लगाई। मामले में सभी पक्षकारों को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। आज सुनवाई के दौरान केजरीवाल मनीष सिसोदिया या अन्य किसी भी आरोपी के तरफ से कोई भी पेश नहीं हुआ था। अगली सुनवाई 16 मार्च को होगी। एसजी तुषार मेहता ने हाई कोर्ट में कहा कि यह मामला पूरी तरह से भ्रष्टाचार का है, इस मामले में आरोपियों द्वारा कुल 170 फोन नष्ट किए गए हैं। कोरोना महामारी के दौरान जिस समय पूरा देश लॉकडाउन में था और आवागमन पूरी तरह से प्रतिबंध था उस समय रिश्वत लेने देने के लिए प्राइवेट जेट तक का इस्तेमाल किया गया। ट्रायल कोर्ट के आदेश में अप्रूवर दिनेश अरोड़ा के बयानों को पूरी तरह से खारिज कर दिया गया। दिनेश अरोड़ा इस मामले में महत्वपूर्ण गवाह है। उन्होंने बताया है कि मीटिंग्स में क्या हुआ। दिनेश अरोड़ा के बयानों को आरोप तय करने के स्टेज पर स्वीकार किए जाने चाहिए।

सीबीआई ने अपनी 974 पेज की लंबी याचिका में निचली अदालत के फैसले को चौंकाने वाला और गैरकानूनी करार दिया है। एजेंसी का कहना है कि ट्रायल कोर्ट ने महत्वपूर्ण सबूतों को नजरअंदाज किया और जांच में सामने आए तथ्यों पर सही से विचार नहीं किया। याचिका में दावा किया गया है कि आबकारी नीति में साजिश रचकर कुछ निजी कंपनियों को फायदा पहुंचाने का मामला स्पष्ट था, लेकिन निचली अदालत ने इसे नजरअंदाज कर दिया। मामला 2021-22 की दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति से जुड़ा है, जिसे आप सरकार ने लागू किया था, लेकिन भ्रष्टाचार, रिश्वत और कार्टेलाइजेशन के आरोपों के बीच जुलाई 2022 में ही रद्द कर दिया गया था।

पश्चिम एशिया में कुछ भारतीय मारे गए हैं : खड़गे

नई दिल्ली, 9 मार्च (एजेंसियां)। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण आज से शुरू हो गया है। यह बजट सत्र भी हंगामेदार है। दरअसल पहले दिन ही पश्चिम एशिया संकट को लेकर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल केंद्र सरकार पर हमला बोल रहे हैं।

राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दावा कर दिया कि पश्चिम एशिया में कुछ भारतीय मारे गए हैं और कुछ लापता हैं। खड़गे के इस बयान के बाद राज्यसभा में जोरदार हंगामे देखने को मिला। राज्यसभा में विदेश मंत्री एस जयशंकर ईरान-अमेरिका जंग को लेकर भारत के स्टैंड पर बयान दे रहे थे। विदेश मंत्री ने जैसे ही बोलना शुरू किया तभी विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, नियम 176 के तहत, मैं पश्चिम एशिया में बदलते जियोपॉलिटिकल हालात को देखते हुए भारत की एनर्जी सिक्योरिटी के लिए उभरती चुनौतियों के मुद्दे पर चर्चा की इजाजत मांगता हूं।

पश्चिम एशिया संकट पर जयशंकर बोले

'संवाद और कूटनीति जरूरी'

नई दिल्ली, 9 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में फंसे भारतीयों और ऊर्जा संकट पर राज्यसभा में विपक्ष के हंगामे और नारेबाजी के बीच विदेश मंत्री डॉ.एस जयशंकर ने राज्यसभा में पश्चिम एशिया के हालात पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि सरकार इस क्षेत्र में बढ़ते तनाव को लेकर काफी गंभीर है। भारत ने 20 फरवरी को ही एक बयान जारी कर अपनी चिंता जाहिर कर सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील की थी।

प्रधानमंत्री मोदी घटनाक्रम पर रख रहे नजर :

विदेश मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार नए घटनाक्रमों पर करीब से नजर रख रहे हैं। संबंधित मंत्रालय आपस में तालमेल बिठाकर काम कर रहे हैं ताकि सही कदम उठाए जा सकें। उन्होंने बताया कि यह विवाद भारत के लिए बड़ी चिंता की बात है। खाड़ी देशों में करीब एक करोड़ भारतीय रहते हैं। ईरान में भी हजारों भारतीय छात्र और कर्मचारी मौजूद हैं। यह इलाका भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है क्योंकि यहां तेल और गैस के मुख्य सप्लायर हैं। सप्लाई चेन में रुकावट आना एक गंभीर मुद्दा है।

जयशंकर ने कहा यह विवाद लगातार बढ़ रहा है जिससे इलाके की सुरक्षा की स्थिति खराब हो गई है। इसका असर आम जिंदगी और कामकाज पर पड़ रहा है। इस संकट में भारत ने अपने दो नाविकों को खो दिया है और एक नाविक अभी भी लापता है।

भारतीयों की सुरक्षा पर उन्होंने कहा कि तेहरान में भारतीय दूतावास छात्रों को सुरक्षित जगहों पर भेजने में मदद कर रहा है। ईरान में मौजूद व्यापारियों को आर्मेनिया के रास्ते भारत लौटने में सहायता दी गई है। तेहरान में भारतीय दूतावास पूरी तरह सक्रिय और हाई अलर्ट पर है।

भाजपा सांसद ने राहुल गांधी को 'लीडर ऑफ प्रोपेगैंडा' बताया

चीन के मुद्दे पर विपक्ष को घेरा

रांची, 9 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने चीन के मुद्दे पर विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि संसद नहीं चल रही है, जबकि वह इस विषय पर सदन में बोलना चाहते थे। दुबे ने विपक्ष और उसके नेता राहुल गांधी पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि इतना कमजोर विपक्ष और लीडर ऑफ प्रोपेगेंडा जैसा नेता उन्होंने लोकतंत्र में पहले कभी नहीं देखा। उन्होंने आरोप लगाया कि नासमझी को घमंड में बदलकर विपक्ष लगातार बयानबाजी कर रहा है।

1962 के युद्ध का जिक्र :

उन्होंने कहा कि सवाल चीन का है और पूरी दुनिया जानती है कि चीन पहले भारत का पड़ोसी नहीं था। उस समय नेपाल, भूटान और तिब्बत तीन बफर स्टेट थे। 1950 में तिब्बत पर चीन का नियंत्रण स्थापित होने के बाद चीन भारत का पड़ोसी बना। दुबे ने कहा कि 1962 के भारत-चीन युद्ध में चीन ने लगभग 38 हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र, जिसमें अक्साई चिन शामिल है, पर कब्जा कर लिया। उन्होंने आगे कहा कि इसके बाद भी कई सवाल अनुत्तरित रहे।

इंदिरा गांधी पर भी तीखी टिप्पणी :

उन्होंने आरोप लगाया कि 1969 में तत्कालीन सरकार के गृहमंत्री विद्याचरण शुक्ला ने संसद में कहा था कि चीन ने 1962 के बाद किस तरह अपने जासूसों को दूतावास के जरिए सक्रिय किया और भारत में आर्थिक तथा वैचारिक प्रभाव बढ़ाने की कोशिश की।

इजराइल ने ईरान पर फिर हमले शुरू किए

ईरान के नए सुप्रीम लीडर के घायल होने का दावा, तेहरान, इस्फहान समेत कई शहरों को निशाना बनाया

तेल अवीव/तेहरान. 9 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी जंग का आज दसवां दिन है। इजराइल ने एक बार फिर ईरान पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले शुरू किए हैं। इजराइली सेना के मुताबिक राजधानी तेहरान, इस्फहान और दक्षिणी इलाकों में ईरानी शासन से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाकर एयरस्ट्राइक किए जा रहे हैं।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि जब तक हमले जारी हैं, तब तक बातचीत की कोई गुंजाइश नहीं है और ईरान निर्णायक जवाब देने पर ध्यान दे रहा है। लेबनान की राजधानी बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में भी कई एयरस्ट्राइक की खबरें सामने आई हैं। इस बीच सूत्रों ने बताया कि ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के बेटे मुजतबा खामेनेई घायल हो गए हैं।

बिना चर्चा के सिर्फ बयान पढ़ना सांसदों के लिए ठीक नहीं : शशि थरूर

नई दिल्ली, 9 मार्च (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने आज मिडिल ईस्ट के हालात पर संसद में वक्तव्य जारी किया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम एशिया में बदलते हालात पर करीब से नजर रख रहे हैं। गल्फ देशों में बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक रहते हैं।

ताजा हालात को देखते हुए उको सुरक्षित भारत लाने का ऑपरेशन तेजी से जारी है। विदेश मंत्री ने संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा में पश्चिम एशिया की स्थिति पर बयान दिया। हालांकि, मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस जयशंकर के बयान से संतुष्ट नहीं है। पार्टी ने दो टूक कहा कि पश्चिम एशिया के मुद्दे पर वो चर्चा चाहते हैं। वहीं इस मामले पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी रिएक्ट किया। तिरुवनंतपुरम सांसद शशि थरूर ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर विदेश मंत्री

जयशंकर के बयान को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हमने उनका बयान सुना है, लेकिन हम इस मुद्दे पर चर्चा चाहते हैं। यह एक बेहद महत्वपूर्ण मुद्दा है। देश इससे बुरी तरह प्रभावित है। हमारी ऊर्जा सिक्योरिटी खतरे में है।

भारत में गैस नहीं मिल रही :

शशि थरूर ने कहा कि आज सुबह तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चली गई। कतर से गैस की आपूर्ति पूरी तरह से बंद कर दी गई है। फिलहाल कतर से हमारे कारखानों को भारत में गैस नहीं मिल रही है। हम पूर्वी देशों से गैस प्राप्त कर सकते हैं। इसलिए हम कुछ आपूर्ति प्राप्त करने का प्रयास करेंगे, लेकिन हम निश्चित रूप से इससे प्रभावित हो रहे हैं। कीमतें बढ़ रही हैं।

एलपीजी के रेट बढ़ने का भी उठाया मुद्दा :

थरूर ने आगे कहा कि परसों ही एलपीजी की कीमत में 60 रुपये की बढ़ोतरी हुई, और निश्चित रूप से, पेट्रोल भी महंगा होने वाला है। इसलिए यह सब हमारे देश के लिए एक गंभीर समस्या बनने वाला है। ऐसे में हमें सरकार से एक बहुत ही जिम्मेदार और सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता की उम्मीद है। शशि थरूर ने कहा कि सदन में बिना चर्चा के बस बयान पढ़ देना गलत है।

यही वजह है कि जयशंकर के बयान पर कांग्रेस पार्टी ने नाराजगी जताई। थरूर ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय नियमों को लेकर कई अहम सवाल हैं। संसद ऐसी जगह है जहां इन मुद्दों पर चर्चा हो सकती है।

पश्चिम बंगाल एसआईआर विवाद

अंतिम मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के खिलाफ याचिका

सुप्रीम कोर्ट में होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 9 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची से हटाए गए नामों के खिलाफ एक नई याचिका पर मंगलवार को विचार करने को सहमत हुआ। यह याचिका उन लोगों ने दायर की है जिनके नाम चुनाव आयोग ने हटा दिए हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी ने बताया कि यह याचिका पहले के मतदाताओं के नाम हटाने से संबंधित है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने अधिवक्ता की दलीलें सुनीं। अधिवक्ता ने कहा कि ये वे मतदाता हैं जिन्होंने पहले मतदान किया था, लेकिन अब उनके दस्तावेज नहीं लिए गए हैं। मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी की कि वे न्यायिक अधिकारियों के निर्णयों पर अपील में नहीं बैठ सकते। हालांकि, वरिष्ठ अधिवक्ता ने अपील को सुनवाई योग्य बताया, जिसके बाद पीठ ने मंगलवार को सुनवाई करने का फैसला किया। 24 फरवरी को शीर्ष अदालत ने एसआईआर अभ्यास के लिए पश्चिम बंगाल के सिविल जजों की तैनाती की अनुमति दी थी। इसके अतिरिक्त 250 जिला जज और झारखंड व ओडिशा के न्यायिक अधिकारी भी तैनात किए गए थे। इनका काम मतदाता सूची से नाम हटाए जाने का सामना कर रहे 80 लाख दावों और आपत्तियों को निपटाना था। कोलकाता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल ने 22 फरवरी को एक पत्र में बताया था कि 250 जिला जजों को भी इन दावों को निपटाने में करीब 80 दिन लगेंगे। 2002 की मतदाता सूची से वंशानुक्रम को जोड़ने में तार्किक विसंगतियां पाई गई हैं। इनमें माता-पिता के नाम का बेमेल होना शामिल है। साथ ही, मतदाता और उसके माता-पिता की उम्र का अंतर 15 साल से कम या 50 साल से अधिक होना भी एक विसंगति है।

'वहीं बैठे रहोगे और घटते जाओगे'

> नड्डा बोले-विपक्ष फैला रहा अराजकता

नई दिल्ली, 9 मार्च (एजेंसियां)। राज्यसभा में सोमवार को उस समय हंगामे की स्थिति बन गई जब पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर विदेश मंत्री एस जयशंकर बयान देने के लिए खड़े हुए। कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों ने शोर-शराबा करते हुए सदन से वॉकआउट कर दिया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए सदन के नेता और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने विपक्ष की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि विपक्ष का उद्देश्य केवल संसद में अराजकता और हंगामा पैदा करना है।

खरगे ने मांगी थी चर्चा की अनुमति

राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने शोक-संदर्भ और सूचीबद्ध दस्तावेज पेश होने के बाद विदेश मंत्री जयशंकर को बयान देने के लिए आमंत्रित किया। इसी दौरान कांग्रेस अध्यक्ष और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने बोलने की अनुमति मांगी। अनुमति मिलने पर खरगे ने कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ता संघर्ष भारत की आर्थिक स्थिरता और वहां काम कर रहे भारतीयों की सुरक्षा व आजीविका को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने ऊर्जा सुरक्षा और बदलते भू-राजनीतिक हालात पर लघु अवधि की चर्चा कराने की मांग भी की।

बयान शुरू होते ही बढ़ा हंगामा

सभापति ने खरगे से कहा कि वे बाद में उन्हें बोलने का मौका देंगे और विदेश मंत्री को अपना बयान देने के लिए कहा। जैसे ही जयशंकर ने बोलना शुरू किया, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के सांसद अपनी सीटों से खड़े हो गए और खरगे को पूरा बोलने देने की मांग करने लगे। इसी मुद्दे पर विपक्ष ने सदन से वॉकआउट कर दिया।

नड्डा ने विपक्ष पर साधा निशाना

विदेश मंत्री का बयान समाप्त होने के बाद सदन के नेता जेपी नड्डा ने विपक्ष के व्यवहार को गैर-जिम्मेदाराना बताया। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों को देश के विकास में कोई दिलचस्पी नहीं है और वे लगातार मंत्रियों के जवाब के दौरान सदन से वॉकआउट कर रहे हैं। नड्डा के मुताबिक विपक्ष का मकसद केवल हंगामा और अव्यवस्था फैलाना है। जेपी नड्डा ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा मोदी सरकार के नेतृत्व में वहीं बैठे रहोगे और घटते चले जाओगे।

डीटीसी बस ने लोगों को कुचला, दो की मौके पर मौत

गुस्साई भीड़ ने किया पथराव और आगजनी

नई दिल्ली, 9 मार्च (एजेंसियां)। नांगलोई इलाके में बेकाबू डीटीसी बस ने कुछ लोगों को कुचल दिया। आक्रोशित लोगों ने बस को रोक कर उसपर पथराव कर दिया। तोड़फोड़ करने के बाद भीड़ ने एक बस को आग के हवाले कर दिया। पथराव में छह बसों के शीशे टूट गए हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया है। तीन लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की जानकारी है। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया है।

पुलिस मौके पर मौजूद भीड़ को तितर-बितर कर मामले की जांच कर रही है। वहीं, बाहरी जिला के पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने कई लोगों के कुचलने और एक की मौके पर मौत होने की पुष्टि की है, फिलहाल सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कर पुलिस मौके पर हालात को नियंत्रित करने का प्रयास कर रही है।

राज्यसभा चुनाव : बीजेपी ने कई राज्यों के लिए नियुक्त किए केंद्रीय पर्यवेक्षक

नई दिल्ली, 9 मार्च (एजेंसियां)। राज्यसभा के आगामी चुनाव को लेकर देशभर की सियासत में गर्माहट बढ़ गई है।

साथ ही राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारी भी तेज कर दी है। इसी बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए बिहार, ओडिशा और हरियाणा में केंद्रीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है। पार्टी की ओर से दी गई जानकारी के तौर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बिहार के लिए छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, ओडिशा के लिए महाराष्ट्र सरकार में मंत्री चन्द्रशेखर बावनकुले और हरियाणा के लिए गुजरात के उप मुख्यमंत्री हर्ष सांघवी को केंद्रीय पर्यवेक्षक के तौर पर नियुक्त किया है।

राज्यसभा चुनाव और सियासत, क्या है माहौल?

गौरतलब है कि देश में 16 मार्च 2026 को होने वाले राज्यसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं।

कई पार्टियां अपने उम्मीदवार तय करने में जुटी हैं। वहीं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत कुछ बड़े नेताओं का राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुना जाना लगभग तय माना जा रहा है।

चुनाव आयोग ने 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव का कार्यक्रम जारी किया है। इन सीटों पर अभी जो सदस्य हैं, उनका कार्यकाल अप्रैल 2026 में खत्म हो रहा है।

जिन राज्यों में चुनाव होना है उनमें महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, बिहार, असम, ओडिशा, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश शामिल हैं।

इन सीटों के लिए मतदान 16 मार्च को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक होगा। वोटों की गिनती उसी दिन शाम 5 बजे शुरू होगी और नतीजे भी उसी दिन घोषित किए जाएंगे।

कांग्रेस महासचिव का दावा : 'विधानसभा चुनाव में टिकट के बदले हमने करोड़ों रुपये दिए'; पार्टी पर धोखेबाजी का आरोप

नई दिल्ली, 9 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा महिला कांग्रेस की महासचिव के पति गौरव कुमार ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने अपनी पत्नी के लिए विधानसभा चुनाव का टिकट मांगा था। इसके बदले उन्होंने कांग्रेस नेताओं को पैसे दिए थे।

गौरव कुमार की पत्नी ने भी इस मामले पर अपनी बात रखी है। उन्होंने बताया कि उन्होंने पच्चीस फरवरी दो हजार छब्बीस को अपना इस्तीफा दे दिया था। उनका इस्तीफा अभी तक स्वीकार नहीं किया गया है। पत्नी ने खुद को दलित समुदाय से बताया। वह एक शहीद की बेटी हैं। उनका परिवार पिछले छप्पन साल से कांग्रेस पार्टी से जुड़ा है। उन्होंने पार्टी को करोड़ों रुपये दिए हैं। उन्हें झूठी उम्मीदें दी गईं। पत्नी ने आरोप लगाया कि उच्च कमान उन्हें धोखा दे रहा है। वे उनसे पैसे ले रहे हैं लेकिन उन्हें कोई फायदा नहीं मिल रहा है। गौरव कुमार का आरोप है कि उन्होंने अपनी पत्नी को विधानसभा चुनाव का टिकट दिलाने के लिए पैसे दिए थे। यह दावा कांग्रेस पार्टी के भीतर गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने स्पष्ट रूप से नेताओं को पैसे देने की बात कही है। यह घटना राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गई है। महासचिव की पत्नी ने पार्टी पर धोखेबाजी का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि उनका परिवार छप्पन साल से पार्टी से जुड़ा है।

करूर भगदड़ मामला : अभिनेता विजय से सीबीआई फिर करेगी पूछताछ

समन देकर कहा-मंगलवार को पेश हों

नई दिल्ली, 9 मार्च (एजेंसियां)। करूर भगदड़ मामले की जांच कर रही केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अभिनेता और टीवीके प्रमुख विजय को पूछताछ के लिए मंगलवार को फिर से तलब किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इससे पहले अभिनेता से 12 और 19 जनवरी को एजेंसी के मुख्यालय में पूछताछ की जा चुकी है। जांच के दौरान सीबीआई को कुछ नए तथ्यों और दस्तावेजों से जुड़ी जानकारी मिली है, जिन पर स्पष्टीकरण लेने के लिए विजय को दोबारा बुलाया गया है।

इसी के मद्देनजर उन्हें एक नया नोटिस जारी किया गया है। यह घटनाक्रम तमिलनाडु के करूर में 27 सितंबर 2025 को हुई उस दुखद भगदड़ से जुड़ा है, जिसमें अभिनेता विजय की एक रैली के दौरान 41 लोगों की जान चली गई थी और 60 से अधिक लोग घायल हुए थे।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सीबीआई ने संभाली जांच

यह मामला मूल रूप से एक विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा संभाला जा रहा था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई ने इसकी कमान अपने हाथों में ले ली। सीबीआई इस मामले से संबंधित सबूतों को एकत्र करने में जुटी हुई है, ताकि घटना के कारणों और जिम्मेदारियों का पता लगाया जा सके।

न्यायिक निगरानी और निष्पक्ष जांच पर जोर

पिछले साल अक्तूबर में, शीर्ष अदालत ने सीबीआई निदेशक को इस मामले की जांच के लिए एक वरिष्ठ अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश दिया था। इसके साथ ही, पूर्व सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश अजय रस्तोगी की अध्यक्षता में एक पर्यवेक्षी समिति का गठन भी किया गया था, जिसका उद्देश्य सीबीआई की जांच की निगरानी करना है।

जनता के विश्वास को बहाल करने का प्रयास

सुप्रीम कोर्ट की पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति जे के महेश्वरी और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया शामिल थे, ने इस बात पर जोर दिया था कि करूर भगदड़ ने पूरे देश के नागरिकों के मन पर एक गहरी छाप छोड़ी है। अदालत ने कहा था कि इस घटना का नागरिकों के जीवन पर व्यापक प्रभाव पड़ा है और उन परिवारों के मौलिक अधिकारों को लागू करना अत्यंत महत्वपूर्ण है जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। पीठ ने यह भी कहा था कि आपराधिक न्याय प्रणाली में जांच प्रक्रिया में आम जनता के विश्वास और भरोसे को बहाल किया जाना चाहिए।

विमान के शौचालय में बीड़ी पीने लगा यात्री

मच गया हड़कंप; सुरक्षा खतरा के आरोप पर पुलिस ने दर्ज किया मामला

पणजी, 9 मार्च (एजेंसियां)। अकासा एयर की दिल्ली से गोवा जा रही एक फ्लाइट में एक यात्री ने कथित तौर पर शौचालय में बीड़ी पीकर विमान की सुरक्षा को खतरे में डाला। इस मामले में पुलिस ने यात्री के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। बता दें कि यह घटना शनिवार को फ्लाइट QP1625 में हुई, जब दिल्ली निवासी आशीष नाम का यात्री राष्ट्रीय राजधानी से गोवा जा रहा था। विमानन कंपनी की शिकायत के अनुसार, यात्री ने उड़ान के दौरान विमान के शौचालय में 'बीड़ी' पी।

तलाशी के दौरान उसके पास से एक लाइटर भी बरामद हुआ, जो विमान और उसमें सवार यात्रियों की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकता था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस कृत्य ने उड़ान के दौरान सह-यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की सुरक्षा को खतरे में डाला।

शख्स के खिलाफ दर्ज हुआ केस

मामले में गोवा के मोपा हवाई अड्डा पुलिस स्टेशन में यात्री के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और नागरिक उड्डयन सुरक्षा के दमनकारी कृत्यों के अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि आगे की जांच जारी है।

क्या बोली अकासा एयर?

अकासा एयर ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि उसके चालक दल ने जरूरी प्रोटोकॉल का पालन किया। एयरलाइन ने एक बयान में कहा, 7 मार्च को दिल्ली से गोवा जाने वाली अकासा एयर फ्लाइट QP1625 के एक यात्री को विमान के शौचालय में धूम्रपान करते हुए पाया गया। कंपनी ने बताया कि स्थापित सुरक्षा और नियामक प्रक्रियाओं और लागू कानून के अनुसार, चालक दल ने आवश्यक प्रोटोकॉल का पालन किया और यात्री को गोवा पहुंचने पर संबंधित अधिकारियों को सौंप दिया।

पिज्जा लेने गई युवती को बंधक बनाकर किया दुष्कर्म

जान से मारने का किया प्रयास; केस दर्ज

जींद, 9 मार्च (एजेंसियां)। पिज्जा लेने गई युवती के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। दुकान संचालक ने दोस्त के साथ मिलकर युवती को दुकान के अंदर बने केबिन में बंधक बनाकर वारदात को अंजाम दिया। शहर थाना पुलिस ने आरोपी संचालक सुमित और उसके दोस्त के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

परिजनों ने लगाए आरोप

शहर थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी निवासी महिला ने एफआईआर में बताया कि शहर में एक स्कूल के सामने उनका शिक्षण संस्थान है, जहां वह अपनी बेटी के साथ रोजाना आती-जाती है। आरोप लगाया कि रास्ते में सुंदरपुरा निवासी सुमित तथा उसका एक दोस्त अक्सर उनकी बेटी का रास्ता रोककर उससे जबरन बात करने की कोशिश करते थे और धमकाते भी थे।

बीते 23 फरवरी की घटना

23 फरवरी को उनकी बेटी संस्थान से पिज्जा लेने के लिए सुमित की दुकान पर गई थी। आरोप है कि वहां सुमित और उसके दोस्त ने युवती को पकड़ लिया। फिर सुमित उसे जबरदस्ती दुकान के अंदर बने केबिन में ले गया जबकि उसका साथी मुख्य गेट बंद कर बाहर खड़ा हो गया। आरोप है कि इस दौरान युवती के साथ दुष्कर्म किया गया और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी गई।

आरोपी ने हत्या का किया प्रयास

परिजनों का आरोप है कि आरोपी ने युवती का गला दबाकर जान से मारने की भी कोशिश की। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी आरोपी को कई बार समझाने का प्रयास किया गया था लेकिन वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। पुलिस ने ओम पिज्जा के संचालक सुमित और उसके साथी के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कांग्रेस का वॉकआउट अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलने नहीं देने का आरोप

चंडीगढ़, 9 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब विधानसभा के बजट सत्र के तीसरे दिन की कार्यवाही शुरू हो गई है। नेता प्रतिपक्ष प्रताप बाजवा ने पंजाब विधानसभा सत्र के दौरान उनका प्रश्न शामिल न करने पर सवाल उठाए हैं। बाजवा ने कहा कि मेरा सवाल कृषि नीति को लेकर था। पहले सवाल का नंबर कुछ और था लेकिन बाद में इसमें बदलाव कर दिया गया और प्रश्नकाल को खत्म कर दिया है। मंत्री कृषि नीति पर जवाब नहीं देना चाहते थे जिस कारण ही ऐसा किया गया हैं। बाजवा ने कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए। यह गलत प्रथा अपनाई जा रही है। कांग्रेस के नेताओं ने नारेबाजी करते हुए सदन से वॉकआउट कर दिया। कांग्रेस विधायकों ने नारेबाजी की और आरोप लगाया कि उन्हें राज्यपाल के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलने का समय नहीं दिया जा रहा है।

बार काउंसिल चुनाव की निगरानी करने वाली समिति पर एफआईआर

> सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को करेगा सुनवाई

नई दिल्ली, 9 मार्च (एजेंसियां)। बार काउंसिल चुनावों की निगरानी के लिए बनाई गई हाई-पावर कमेटी के खिलाफ दर्ज एफआईआर के मामले में सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को सुनवाई करेगा। सोमवार को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने इस बात की जानकारी दी। इस मामले में बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष और वरिष्ठ वकिल मनन कुमार मिश्रा ने बताया कि एक वकील ने समिति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

मिश्रा ने कहा कि यह मामला बहुत गंभीर है। उनके अनुसार, एक वकील की अपील पर विचार नहीं किया गया, इसलिए उसने समिति के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी। यह मामला महाराष्ट्र और गोवा राज्य बार काउंसिल चुनाव से जुड़ा है। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि मामले की सुनवाई मंगलवार को की जाएगी।

राज्य बार काउंसिल के लिए विशेष समिति का गठन

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने राज्य बार काउंसिल चुनावों की निगरानी के लिए एक विशेष समिति बनाई थी। इस समिति के अध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया हैं। इसके अन्य सदस्य न्यायमूर्ति रवि शंकर झा जो पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रह चुके हैं, और वरिष्ठ वकील वी गिरी हैं। इसके अलावा 18 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया था कि राज्य बार काउंसिल चुनाव से जुड़े किसी भी मामले की याचिका सीधे अदालत में सूचीबद्ध न की जाए। यदि किसी को शिकायत है, तो वह पहले अदालत द्वारा बनाई गई इस समिति के पास जाए।

चुनाव पारदर्शी कराने पर जोर

मामले में सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि पूरे देश में बार काउंसिल चुनाव समय पर, पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से कराए जाएं। इसी वजह से अदालत ने पहले निर्देश दिया था कि सभी राज्यों में बार काउंसिल चुनाव सेवानिवृत्त हाईकोर्ट जजों की निगरानी में कराए जाएं और इसके लिए अंतिम तारीख 31 जनवरी 2026 तय की गई थी।

खबरें जरा हटके

'पाताल लोक' में 3 साल तक फंसा रहा कुत्ता, खाना खिलाकर लोगों ने रखा जिंदा

फिर इस हालत में निकला बाहर!

कुदरत के करिश्मे और इंसानी जज्बे की खबरें अक्सर हमें हैरान करती हैं, लेकिन चीन के यानताई शहर से जो मामला सामने आया है, उस पर यकीन करना नामुमकिन सा लगता है. यहां एक कुत्ते ने अपनी जिंदगी के पूरे तीन साल पाताल लोक जैसे एक गहरे और अंधेरे गड्ढे के नीचे गुजार दिए. जमीन के अंदर दफन होने के बावजूद यह बेजुबान न केवल जिंदा रहा, बल्कि हाल ही में इसे एक बेहद जटिल रेस्क्यू ऑपरेशन के जरिए सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है. इंटरनेट की दुनिया में यानताई हुआबी एनिमल रेस्क्यू टीम के माध्यम से पहचानी जाने वाली संस्था ने इस पूरे बचाव कार्य को अंजाम दिया. रेस्क्यू टीम के सदस्य झाओ ने बताया कि यह कुत्ता पिछले तीन सालों से उस गहरे गड्ढे में फंसा हुआ था.

सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इन तीन वर्षों के दौरान इलाके के रहमदिल लोग गड्ढे के अंदर खाना और पानी नीचे गिराते रहे, जिससे कुत्ते को जिंदा रहने में मदद मिली. स्थानीय लोगों की इसी निस्वार्थ मदद की बदौलत वह बेजुबान मौत के मुंह से सुरक्षित बाहर आ सका. इस रेस्क्यू ऑपरेशन का वीडियो रोंगटे खड़े कर देने वाला है. इसमें देखा जा सकता है कि एक बचावकर्मी रस्सी के सहारे खुद को उस संकरे और गहरे गड्ढे में नीचे उतारता है. दूसरा बचावकर्मी डंडे में लगे फंदे की मदद से कुत्ते को पकड़ने की कोशिश कर रहा था. शुरुआत में सालों से अंधेरे में रहने वाला वह कुत्ता काफी घबराया हुआ और चिड़चिड़ा नजर आ रहा था. वह रेस्क्यू टीम के पास आने से डर रहा था, जिससे मिशन काफी मुश्किल हो गया था. कई बार कोशिश करने के बाद भी जब सफलता नहीं मिली, तो टीम को एक नई रणनीति अपनानी पड़ी.

जवानी में उगने लगे शख्स के एक्स्ट्रा टीथ, मुंह में खुल गई दांतों की दुकान, गिनते-गिनते थक गया डेंटिस्ट!

आमतौर पर इंसान के मुंह में 32 स्थायी दांत होते हैं– 16 ऊपर और 16 नीचे, जिसमें विस्डम टीथ भी शामिल है. लेकिन मलेशिया के एक शख्स ने इस नियम को तोड़ दिया है। 33 साल के प्रताप मुनीयांडी के मुंह में कुल 42 दांत हैं– यानी कुल 10 एक्स्ट्रा दांत. यह संख्या इतनी है कि डेंटिस्ट गिनते-गिनते थक जाते हैं और मुंह सचमुच 'दांतों की दुकान' जैसा लगता है।

बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

गिनीज वर्ल्ड रिकॉड्र्स ने उन्हें 'मोस्ट टीथ पर्सन' का खिताब दिया है, जो 28 दिसंबर 2023 को वेरिफाई हुआ. प्रताप सेलांगोर के क्लांग शहर में रहते हैं और ऑयल एंड गैस इंडस्ट्री में इंजीनियर है. वे एक बच्चे के पिता है. कुछ साल पहले उन्हें महसूस हुआ कि उनके दांत सामान्य से ज्यादा है. शुरुआत में उन्होंने ज्यादा ध्यान नहीं दिया, लेकिन 2023 की शुरुआत में जब उन्होंने गिनती की तो 42 दांत निकले. दो अलग-अलग डेंटिस्ट्स ने जांच की और कन्फर्म किया कि 42 दांत (बाहर आए) हैं और 2 (अंदर छिपे) भी है. ज्यादातर एक्स्ट्रा दांत सीधे उगे हैं, कोई दर्द या कॉमप्लिकेशन नहीं है।

यह कंडीशन मेडिकल भाषा में 'हाइपरडॉंटिया' या 'पॉलीडॉंटिया' कहलाती है, जहां (एक्स्ट्रा) दांत उग आते हैं. दुनिया की 3.8% आबादी में एक या दो एक्स्ट्रा दांत होते हैं, लेकिन 10 एक्स्ट्रा बहुत रेयर है. हाइपरडॉंटिया ज्यादातर बचपन में दिखता है, लेकिन प्रताप के केस में जवानी में भी दांत उगे थे. वे कहते हैं, "लोग सुनकर बहुत हैरान होते हैं और यकीन नहीं करते, खासकर जब पता चलता है कि मेरे 32 की बजाय 42 दांत है." रिकॉर्ड मिलने के बाद उनकी मुस्कान वायरल हो गई. गिनीज ने उनकी तस्वीरें शेयर कीं, जहां वे बड़े गर्व से मुस्कुरा रहे हैं।

देश का वो गांव, जहां तालाब में 100 से ज्यादा खूंखार मगरमच्छ

फिर भी बिना डरे पानी में उतर जाती हैं महिलाएं!

दुनियाभर में एक से बढ़कर एक खतरनाक जगहें हैं, जहां जाने का मतलब मौत को बुलावा देने जैसा है. लेकिन इसके बावजूद उन जगहों पर खूंखार जानवर और इंसान एक साथ रहते हैं. चाहे वो अमेजन के घने जंगल हों या अफ्रीकन ट्राइब्स, लेकिन क्या आप भारत की ऐसी ही खतरनाक जगह के बारे में जानते हैं? अगर नहीं जानते तो बता दें कि गुजरात के आनंद जिले में एक ऐसा ही गांव हैं, जहां पर मगरमच्छ और इंसान एक-दूसरे के साथ बेखौफ नजर आते हैं. जिस तलाब में दर्जनों मगरमच्छ हैं, उसी तलाब में महिलाएं घुस जाती हैं और अपना काम बेखौफ करती हैं. लेकिन मगरमच्छ उन्हें नुकसान तक नहीं पहुचाते. ऐसा लगता है मानो मगरमच्छ कोई पालतू जानवर हैं. इस गांव का नाम है मलातज, जिसे 'पिंक विलेज' भी कहा जाता है. यह अपनी खूबसूरती के साथ-साथ अपने खतरनाक निवासियों के लिए मशहूर है. आपको जानकर हैरानी होगी, लेकिन बता दें कि इस गांव के तालाबों में 60 से 100 के करीब विशालकाय मगरमच्छ रहते हैं. सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि यहां की महिलाएं तालाब के किनारे बेखौफ होकर कपड़े धोती हैं और बच्चे पास में ही खेलते हैं . गांव वालों का दावा है कि इन मगरमच्छों ने आज तक किसी भी इंसान पर हमला नहीं किया है. इस वजह से वे इन्हें केवल जीव नहीं, बल्कि 'खोड़ियार माता' का वाहन मानकर इन मगरमच्छों की पूजा करते हैं. सिर्फ मलातज ही नहीं, पास के देवा गांव में तो मगरमच्छों की संख्या 100 से भी ज्यादा है. मानसून के दौरान जब तालाब भर जाते हैं, तो ये 10-12 फुट लंबे शिकारी गांवों की सड़कों और कभी-कभी घरों के अंदर तक घुस आते हैं.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 10 मार्च, 2026 3

सुविचार: वक्त अच्छा हो या बुरा गुजर ही जाता है, लेकिन बातें और लोग हमेशा याद रहते है!

छात्रावास से चार लैपटॉप चोरी

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आदिबटला स्थित ओम श्री पराशक्ति पुरुष छात्रावास में रविवार को अज्ञात चोर ने प्रवेश कर चार लैपटॉप चोरी कर लिए, जबकि छात्र सो रहे थे। घटना सुबह आठ बजे से आठ बजकर पंद्रह मिनट के बीच हुई, जब अज्ञात व्यक्ति छात्रावास परिसर में प्रवेश किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चोर ने दूसरी मंजिल से तीन लैपटॉप और पहली मंजिल से एक लैपटॉप चुरा लिया, जिससे कुल चार लैपटॉप चोरी हो गए। पूरा घटनाक्रम छात्रावास में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गया। छात्रावास प्रबंधन और छात्र घटना की शिकायत अदिबटला पुलिस में दर्ज करा चुके हैं। आरोपी की पहचान कर उसे पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, No. 17002929K, NK, Himel Paul, R/o, Dist: Paschim Medinipur, West Bengal, changed my Father's name from Swapan Kumar Paul to Swapan Kumar Pal vide Affidavit No.284888 dt. 09.03.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No.17002929K, NK, Himel Paul, R/o, Dist: Paschim Medinipur, West Bengal, changed my Mother's name from Basanti Paul to Basanti Pal vide Affidavit No. 284886 dt. 09.03.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर विभिन्न हितधारकों से जुड़ें अधिकारी : सिक्ता पटनायक

ग्रुप- I अधिकारियों के दूसरे बैच का संयुक्त आधारभूत पाठ्यक्रम का शुभारंभ

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के 228 ग्रुप- I अधिकारियों के दूसरे बैच के लिए संयुक्त आधारभूत पाठ्यक्रम 9 मार्च 2026 को डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान में शुरू हुआ। मुख्य वक्ता, शांति कुमारी, उपाध्यक्ष और महानिदेशक, डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान ने ग्रुप- I अधिकारियों को प्रतिष्ठित ग्रुप- I सेवा में चयन होने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि ग्रुप- I अधिकारियों की भूमिका तेलंगाना राज्य के भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण है।

जनता, विशेषकर हाशिए पर रह रहे लोगों की सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता उनकी सफलता का सच्चा मापदंड होगी। शांति कुमारी ने बताया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने नव भर्ती ग्रुप- I अधिकारियों से उच्च अपेक्षाएँ रखी हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने उन्हें निर्देश दिया है

कि अधिकारियों को इस तरह सक्षम बनाया जाए कि वे राज्य के विकास में योगदान दें और जनता-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाएं, जिसमें सार्वजनिक सेवा सर्वोच्च प्राथमिकता हो। उन्होंने बताया कि आधारभूत पाठ्यक्रम में मानव-केंद्रित विकास, उभरती चुनौतियाँ और फील्ड विज़िट जैसी विषयवस्तुएं शामिल हैं, ताकि ग्रुप- I अधिकारियों का ज्ञान, कौशल और क्षमता व्यापक, वर्तमान और अद्यतन बनी रहे। पाठ्यक्रम के लिए अनुभवी और योग्य प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस को शामिल किया जाएगा, जिनके पास नवाचारी सरकारी योजनाओं में अनुभव हो। मुख्य अतिथि, सिक्ता पटनायक, विशेष सचिव (वित्त), ने ग्रुप- I अधिकारियों से अपील की कि वे केवल डेस्क पर बैठकर प्रशासन न करें, बल्कि दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर विभिन्न हितधारकों से जुड़ें। उन्होंने कहा कि उभरती तकनीकों का उपयोग करके समस्याओं का विश्लेषण करें और स्थायी समाधान खोजने के लिए नवाचारी रणनीतियां विकसित करें।

शांति कुमारी और सिक्ता पटनायक, आईएएस ने पाठ्यक्रम पुस्तिका का विमोचन किया। उद्घाटन समारोह का संचालन अधिकारी प्रशिक्षु, के. सत्यवेद ने किया। कोर्स निदेशक, एच. अरुण कुमार, (सेवानिवृत्त) ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए बताया कि अधिकारी प्रशिक्षुओं को पाठ्यक्रम की सामग्री और वितरण प्रणाली के अंतिम रूप देने में शामिल किया जाएगा।

भारत के विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रतिभा की वैश्विक मांग : ईटेला

पैनआईआईटी हैदराबाद समिट 2026 में जुटे दिग्गज नेता

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के माधापुर स्थित एक होटल में रविवार को पूरे दिन चलने वाला पैनआईआईटी हैदराबाद समिट 2026 आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में प्रौद्योगिकी, शासन और उद्योग के राष्ट्रीय नेता एकत्र हुए और इसमें 250 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम पैनआईआईटी एलुमनी इंडिया द्वारा आयोजित किया गया, जो देशभर में पांच लाख से अधिक आईआईटी पूर्व छात्रों का प्रतिनिधित्व करता है। संसद सदस्य ईटेला राजेंद्र ने समिट का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि आईआईटी पारिस्थितिकी तंत्र देशभर में उच्च गुणवत्ता वाली विज्ञान और प्रौद्योगिकी शिक्षा फैलाने में मदद कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत का विज्ञान और प्रौद्योगिकी में प्रतिभा वैश्विक मांग में है और इस प्रतिभा का उपयोग भारत को और मजबूत बनाने में किया जाना चाहिए। स्वास्थ्य क्षेत्र में परिवर्तन पर बोलते हुए, सुनील कुमार बरनवाल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण ने भारत के स्वास्थ्य तंत्र की चुनौतियों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि अलग-अलग स्वास्थ्य पहचान और प्रणाली का अभाव निजी खर्च बढ़ा रहा है। उन्होंने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन और पीएम जन आरोग्य योजना के महत्व को उजागर करते हुए कहा कि यह प्रणाली अब भारत के स्वास्थ्य ढांचे की डिजिटल रीढ़ बन चुकी है। ऊर्जा क्षेत्र पर चर्चा में नबीन मित्तल, विशेष मुख्य सचिव, ऊर्जा, तेलंगाना सरकार ने कहा कि कई मामलों में सौर ऊर्जा अब थर्मल ऊर्जा से आगे निकल चुकी है। उन्होंने ईंधन आपूर्ति और विद्युतीय वाहनों की क्षमता पर भी प्रकाश डाला। दिसंबर 2025 में भारत की नवीकरणीय ऊर्जा स्थापित क्षमता पारंपरिक ऊर्जा से अधिक हो गई। डिजिटल शासन और सार्वजनिक प्रौद्योगिकी पर चर्चा करते हुए, भावेश मिश्रा, विशेष सचिव, आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग ने बताया कि हैदराबाद अब वैश्विक क्षमता केंद्रों के लिए भारत का प्रमुख गंतव्य बन गया है। आईआईटी एलुमनी इंडिया के अध्यक्ष, प्रभात कुमार ने कहा कि आईआईटी पूर्व छात्रों ने न केवल भारत में राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया है, बल्कि विश्वभर में तकनीकी नेतृत्व में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। समिट ने नीति निर्माताओं, उद्योग नेताओं, नवप्रवर्तकों और वैश्विक आईआईटी एलुमनी नेटवर्क के सदस्यों को एक मंच पर लाकर नवाचार, तकनीक-आधारित विकास और सहयोगी राष्ट्र निर्माण पर संवाद को प्रोत्साहित किया।

निर्माण क्षेत्र के लिए पावरप्ले ने शुरू की नई ऋण सुविधा

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। निर्माण प्रबंधन मंच पावरप्ले ने अपने सॉफ्टवेयर आधारित खरीद संबंधी ऋण सुविधा का विस्तार हैदराबाद तक कर दिया है। इसका उद्देश्य शहर के तेजी से बढ़ते निर्माण क्षेत्र में बिल्डरों और ठेकेदारों को उनके रोजमर्रा के काम के साथ ही वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है। कंपनी के इस कदम से तेलंगाना में उसकी मौजूदगी और मजबूत होगी। वर्तमान में हैदराबाद और आसपास के क्षेत्रों में 2,000 से अधिक निर्माण परियोजनाओं का प्रबंधन इस मंच के माध्यम से किया जा रहा है। इनमें आवासीय, व्यावसायिक, आधारभूत ढांचा और मिश्रित उपयोग वाली परियोजनाएं शामिल हैं। शहर के विकास में आवासीय निर्माण का बड़ा योगदान है। परियोजनाओं का आकार बढ़ने और समय सीमा कम होने के कारण बिल्डर और ठेकेदार अब डिजिटल परियोजना प्रबंधन साधनों और सरल खरीद व्यवस्था को तेजी से अपना रहे हैं। पावरप्ले के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी इयश दीक्षित ने कहा कि खरीद से जुड़ी ऋण सुविधा को सीधे मंच के कामकाज में जोड़ने से ठेकेदारों को नकदी प्रवाह का प्रबंधन अधिक व्यवस्थित और अनुमानित तरीके से करने में मदद मिलेगी।

शॉपिंग मॉल में फॉल्स सीलिंग गिरी, तीन लोग घायल

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार शाम कुकटपल्ली इलाके के एक शॉपिंग मॉल में फॉल्स सीलिंग गिरने से कम से कम तीन लोग घायल हो गए। घटना के बाद मॉल में मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। यह हादसा वाई जंक्शन के पास स्थित लेक शोर मॉल में हुआ। बताया जा रहा है कि मॉल के अंदर लगी फॉल्स सीलिंग की तख्तियां अचानक टूटकर नीचे फर्श पर गिर गईं। छत का हिस्सा गिरते ही मॉल में दहशत फैल गई और वहां खरीदारी कर रहे लोग तुरंत बाहर की ओर भागने लगे। मॉल के सुरक्षाकर्मियों ने घायलों को तुरंत पास के अस्पतालों में इलाज के लिए पहुंचाया। रविवार होने के कारण मॉल में उस समय काफी भीड़ थी, जिससे घटना के बाद कुछ समय तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

सूचना मिलने पर आपदा राहत बल (डीआरएफ) की टीम भी मौके पर पहुंची और मलबा हटाने का काम शुरू किया।

॥ श्री हरिः ॥

उठावना

श्री सुधीर संघी

(सुपुत्र : स्व. श्री रामशरणजी - स्व. श्रीमती कमलारानी संघी)

15 दिसम्बर 1950 – 8 मार्च 2026

उठावना

बुधवार 11 मार्च 2026,
प्रातः 11 से 12 बजे,
स्थान : हरे कृष्णा गोल्डन टेम्पल,
रोड नं. 12, बंजारा हिल्स, हैदराबाद

बैठक 12 मार्च से 14 मार्च 2026,
सायं 4 से 6 बजे (निवास स्थान पर)

शोकाकुल : ऊषा संघी (धर्मपत्नी) सिद्धार्थ-जूही संघी (बेटा-बहू) पूजा-प्रतीक पोद्दार (पुत्री-दामाद) देवांश, अयांश (पौत्र) आर्यमन, कनव (दोयता) शोभा-रमेश जैन, जयश्री-शशि मित्तल (बहन-बहनोई) अंजना संघी (धर्मपत्नी : स्व. श्री आनन्दप्रकाश संघी) (भाभी) रवि-अनिता संघी, गिरीश-अलका संघी (भाई-भाभी) स्वाति, अमित, एकता, आदित्य-श्रुति, आलोक-प्रियंका, आरती-राहुल गुप्ता, गौरव-अंकिता, आशीष-रवीषा

निवास : 550C/A, रोड नं. 92, जुबली हिल्स, हैदराबाद (तेलंगाना) फोन : 9836064645, 9849802111

क्रैश सेफ्टी सिस्टम और 310 किमी की रफ्तार

सीएम योगी के विमान बेड़े में शामिल हुआ अगस्ता एडब्ल्यू139 हेलिकॉप्टर

लखनऊ, 9 मार्च (एजेंसियां)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पांच मार्च को कानपुर के दौरे पर थे। वह वहां जिस हेलिकॉप्टर से गए थे, वह चर्चा का विषय बन चुका है। दरअसल, यूपी सरकार ने मुख्यमंत्री की सुरक्षित हवाई यात्रा के लिए इटली की कंपनी लियोनार्डो का अत्याधुनिक अगस्ता वेस्टलैंड एडब्ल्यू139 हेलिकॉप्टर खरीदा है। यूपी सरकार के विमानों के बेड़े में यह हेलिकॉप्टर हाल ही में शामिल हुआ है। अपनी तमाम खासियतों के चलते यह वीवीआईपी की पहली पसंद बन गया है। आइए आपको बताते हैं कि अगस्ता वेस्टलैंड एडब्ल्यू139 हेलिकॉप्टर की खासियत क्या है। यह हेलिकॉप्टर एक बार में 12 से 15 लोगों को ले जाने में सक्षम है। यह 310 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ान भर सकता है। यह खराब मौसम और रात में भी उड़ान भरने में सक्षम है। इमरजेंसी की हालत में भी इस हेलिकॉप्टर का बखूबी प्रयोग किया जा सकता है।

डबल इंजन की सुविधा से लैस

अगस्ता वेस्टलैंड एड्ब्लयू139 हेलीकॉप्टर में डबल इंजन है। इमरजेंसी की स्थिति में दूसरे इंजन का प्रयोग किया जा सकता है। इस हेलिकॉप्टर में क्रैश सेफ्टी सिस्टम, डिजिटल ग्लास कॉकपिट और साउंडप्रूफ केबिन जैसी सुविधाएं शामिल हैं जो इसे बेजोड़ बनाती हैं।

1 अरब है कीमत

इस वीवीआई हेलिकॉप्टर की कीमत करीब 1 अरब रुपये बताई जा रही है। इसको दो पायलट उड़ाते हैं। अगस्ता वेस्टलैंड एड्ब्लयू139 को अब लियोनार्डो एडब्ल्यू139 के नाम से जाना जाता है। यह एक मध्यम आकार का दो इंजन वाला हेलीकॉप्टर है, जिसे इतालवी हेलीकॉप्टर निर्माता कंपनी अगस्ता वेस्टलैंड ने विकसित और निर्मित किया है, जो अब लियोनार्डो कंपनी का हिस्सा है। आपको बता दें कि राज्य सरकार ने इस हेलिकॉप्टर के तकनीकी पहलुओं को समझने के लिए अपने तीन पायलटों को प्रशिक्षण के लिए पिछले साल इटली भेजा था। प्रशिक्षण के दौरान इन पायलटों को इंस्ट्रमेंट ट्रेनिंग और क्रिटिकल इमरजेंसी ट्रेनिंग दी गई।

जनता दर्शन : सीएम ने बच्चे से ली पढ़ाई की जानकारी

लखनऊ, 9 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' किया। इस दौरान प्रदेश भर से आए पीड़ितों मुख्यमंत्री ने मुलाकात की और उनका प्रार्थना पत्र लिया और आश्वस्त किया कि सरकार सभी की उचित समस्याओं के निस्तारण के लिए प्रतिबद्ध है। निश्चिंत होकर घर जाइए, आपकी समस्याओं का निस्तारण होगा। मुख्यमंत्री ने जनपदों के प्रशासनिक व पुलिस अफसरों को निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण समय सीमा के अंदर सुनिश्चित किया जाए। 'जनता दर्शन' में अभिभावकों के साथ कुछ बच्चे भी आए थे। मुख्यमंत्री ने बच्चों को चॉकलेट दी और उनसे पढ़ाई के बारे में जानकारी ली। एक बच्चे के पास पहुंचे मुख्यमंत्री ने कहा कि किताबें पढ़ो। सोशल मीडिया का प्रयोग उतना ही करो, जितनी आवश्यकता है।

पुजारी की नॉनवेज खाते तस्वीर वायरल, भीड़ ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

कानपुर, 9 मार्च (एजेंसियां)। कानपुर में एक मंदिर के पुजारी की नॉनवेज खाते हुए तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। इस पर लोग भड़क गए। रात करीब 50-60 लोग मंदिर पहुंचे और पुजारी को मंदिर परिसर से बाहर बुलाने लगे। जब पुजारी बाहर आने में आनाकानी करने लगे तो कुछ लोग मंदिर के अंदर घुस गए और उन्हें घसीटते हुए बाहर ले आए। इसके बाद वायरल तस्वीर को लेकर उनसे सवाल-जवाब करने लगे। इसी दौरान कहासुनी बढ़ गई और मामला मारपीट तक पहुंच गया।

गुस्साई भीड़ ने पुजारी पर थप्पड़ बरसाने शुरू कर दिए। पुजारी खुद को बचाने के लिए भागने लगा तो लोगों ने उसे दौड़ाकर पीटा। मंदिर के आसपास की दुकानों में काम करने वाली महिलाएं बीच-बचाव के लिए आगे आईं। वे पुजारी को छोड़ देने की मिन्नतें करती रहीं, लेकिन भीड़ का गुस्सा शांत नहीं हुआ। लोगों ने कहा, पुजारी धर्म भ्रष्ट कर रहा है। करीब एक घंटे तक मौके पर हंगामा चलता रहा। यह घटना रावतपुर के केशवपुरम स्थित भूतेश्वर मंदिर की है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और किसी तरह पुजारी को भीड़ से छुड़ाकर थाने ले गई।

बिहार के 12 पुलिसवालों पर गिरफ्तारी की तलवार

> लिस्ट में डीएसपी, आईओ और एसएचओ शामिल

मुजफ्फरपुर, 9 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के 12 पुलिसवालों पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। मुजफ्फरपुर कोर्ट ने पुलिसिया लापरवाही पर कड़ा प्रहार किया है। मामला एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज स्मैक और चरस बरामदगी से जुड़ा है, जिसमें लगभग साढ़े चार साल बीत जाने के बाद भी पुलिस अधिकारियों ने कोर्ट में गवाही दर्ज नहीं कराई। गवाहों की अनुपस्थिति के कारण मुजफ्फरपुर की विशेष एनडीपीएस कोर्ट संख्या-दो ने रक्षित डीएसपी, तत्कालीन कुढ़नी थानाध्यक्ष और जांच अधिकारियों समेत 12 पुलिसकर्मियों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है। कोर्ट ने कहा है कि पुलिसवालों की अदालती आदेशों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

डीएसपी और आईओ समेत 12 पर गिरी गाज

बताया गया कि पहला मामला कुढ़नी थाना क्षेत्र के गरहुआ चौक का है, जहां सितंबर 2021 में रोशन कुमार को स्मैक और लोडेड कट्टे के साथ गिरफ्तार किया गया था। इस केस में तत्कालीन थानाध्यक्ष अरविंद पासवान, डीएसपी विपिन नारायण शर्मा और आईओ विवेकानंद सिंह समेत 6 पुलिसकर्मियों को गवाही देनी थी। चार्जशीट दाखिल होने के बावजूद एक भी पुलिसकर्मी गवाही के लिए उपस्थित नहीं हुआ, जिसके बाद कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया।

एटीएम फ्रॉड और चरस जब्ती मामला

जबकि, दूसरा मामला सदर थाना क्षेत्र के खबरा भेल कॉलोनी का है। अगस्त 2020 में पुलिस ने एटीएम फ्रॉड करने वाले छह बदमाशों को एक किलो चरस के साथ पकड़ा था। इस मामले में भी कोर्ट ने सूचक रघुवीर सिंह और आईओ राजेश कुमार यादव समेत 6 पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कदम उठाया है। साढ़े पांच साल पुराने इस मामले में गवाहों की गैर-मौजूदगी ने अदालती कार्यवाही को बाधित किया है।

पुसिसवालों की लापरवाही पर सख्त कोर्ट

मुजफ्फरपुर कोर्ट के विशेष न्यायाधीश नरेंद्र पाल सिंह ने गवाहों की सूची में शामिल पुलिसकर्मियों के बार-बार अनुपस्थित रहने को गंभीरता से लिया है। कोर्ट का मानना है कि पुलिस अधिकारियों की लापरवाही से अपराधियों को लाभ मिल सकता है और ट्रायल में देरी होती है।

एनडीपीएस जैसे गंभीर मामलों में जांच अधिकारी (आईओ) और सूचक की गवाही केस को साबित करने के लिए जरूरी होती है। अदालत ने इन दोनों मामलों में पुलिसकर्मियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कुढ़नी और सदर थाना क्षेत्र से जुड़े इन दोनों हाई-प्रोफाइल मामलों की अगली सुनवाई भी तय की गई है। विभाग अपने ही अधिकारियों के विरुद्ध जारी इस अदालती आदेश पर क्या कार्रवाई करता है, देखने वाली बात होगी। वैसे, कोर्ट ने सख्त रूख अख्तियार किया है।

मोबाइल छीनने आए बदमाशों ने युवक को चाकू मारकर किया लहूलुहान

पटना, 9 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी पटना में अपराधियों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। पटना सिटी के आलमगंज थाना क्षेत्र में निर्माणाधीन पुल के पास स्थित कावेरी स्वीट्स के समीप बेखौफ अपराधियों ने लूटपाट के दौरान एक युवक को चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। अपराधियों ने युवक से मोबाइल और नकदी लूट ली और मौके से फरार हो गए। आलमगंज थाना क्षेत्र में लगातार दो दिनों में चाकूबाजी की यह दूसरी घटना है।

मिली जानकारी के अनुसार, घटना उस समय हुई जब युवक कावेरी स्वीट्स के पास से गुजर रहा था। तभी चार की संख्या में आए अपराधियों ने उसे घेर लिया। अपराधियों ने पहले युवक के साथ धक्का-मुक्की की और उसके सामान छीनने की कोशिश की। जब युवक ने इसका विरोध किया तो अपराधियों ने उस पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

40 फर्जी कंपनियों ने लगाई 200 करोड़ की चपत

गाजियाबाद, 9 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली और गाजियाबाद की 40 फर्मों ने बीते एक वर्ष में कंपनियों को फर्जी इनवाइस बेचकर जीएसटी विभाग को 200 करोड़ रुपये का चूना लगाया है। इसका खुलासा स्टेट जीएसटी की जांच में हुआ है। इसमें गाजियाबाद की 12 फर्मों के नाम सामने आए हैं। इन पर कार्रवाई की तैयारी हो रही है। साथ ही बिल देने और फर्जी तरीके से आईटीसी (इनपुट टैक्स क्रेडिट) क्लेम करने के नेटवर्क की जांच शुरू कर दी गई है। एडिशनल कमिश्नर ग्रेड-1 स्टेट जीएसटी जोन-2 गाजियाबाद संजीव भागिया ने बताया कि मामले में जांच चल रही है। फर्जी कंपनियों पर प्राथमिकी दर्ज कराने के साथ ही मामले में पुलिस की मदद से फर्जीवाड़ा करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

'आशुतोष ब्रह्मचारी सुरक्षा पाने के लिए माहौल बना रहे'

ट्रेन में हमले पर बोले स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

प्रयागराज, 9 मार्च (एजेंसियां)। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ केस करने वाले श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट के अध्यक्ष आशुतोष ब्रह्मचारी पर ट्रेन में हमले का मामला गरमाया हुआ है। दावा किया गया है कि रविवार सुबह पांच बजे रीवा एक्सप्रेस में हमलावर ने आशुतोष ब्रह्मचारी की नाक काटने की कोशिश की। साथ ही उनके चेहरे पर कई वार कर भाग गया।

अब इस पूरे मामले में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का बयान सामने आया है। मीडिया से बातचीत में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि ट्रेन का अटेंडेंट कह रहा कि बाथरूम में गए तब तक तो ठीक थे, बाहर निकलने पर इनका यह हाल हो गया। बाहर आने के बाद किसने मार दिया, बताइए। यह बनावट है। माहौल बनाने के लिए, सुरक्षा पाने के लिए। क्या भारत सरकार की रेल सुरक्षित नहीं रह गई है। आशुतोष हों या कोई और, अगर कोई टिकट लेकर यात्रा कर रहा है तो सुरक्षा में लगी जीआरपी कहां है, कैसे हमला हो जाएगा। इसका जवाब केंद्र को देना होगा।

'रेलवे अपने यात्रियों की सुरक्षा नहीं कर पा रहा'

शंकराचार्य ने कहा कि हम शारीरिक हिंसा के पक्ष में नहीं है। रेलवे अपने यात्रियों की सुरक्षा नहीं कर पा रहा है। जो भी कोई बात कहता है उसका तथ्यों और प्रमाणों के साथ उत्तर दिया जाना चाहिए। हमला किसी के ऊपर हो, हमलावर को पकड़कर दंडित किया जाना चाहिए। आशुतोष ब्रह्मचारी की सुरक्षा बढ़ाई जानी चाहिए। एसपीजी सुरक्षा देने की जरूरत हो तो दे देना चाहिए। इससे पहले, आशुतोष ब्रह्मचारी ने प्रयागराज जंक्शन पर ट्रेन पहुंचने पर जीआरपी थाने में साजिश रचने और हमला करने की शिकायत की है। जीआरपी ने उनका मेडिकल कराया। बताया जा रहा है कि इसमें धारदार हथियार से हमला करने की पुष्टि नहीं हुई है। मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद जीआरपी ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

गाजियाबाद से प्रयागराज आ रहे थे आशुतोष ब्रह्मचारी

आशुतोष ब्रह्मचारी रीवा एक्सप्रेस के एसी कोच से गाजियाबाद से प्रयागराज के लिए सफर कर रहे थे। उनका कहना है कि सुबह पांच बजे ट्रेन जब सिराथू रेलवे स्टेशन के पास पहुंची तो वह बाथरूम जाने लगे। इसी दौरान एक हमलावर ने उन पर हमला कर दिया। उनकी नाक और चेहरे पर चोट आई है। उन्होंने बाथरूम में घुसकर दरवाजा बंद कर लिया। इसके बाद जीआरपी को फोन कर हमले की सूचना दी।

अब चिराग पासवान को मुख्यमंत्री बनाने की मांग, भाजपा दफ्तर के बाहर लगे पोस्टर

पटना, 9 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की घोषणा के बाद से ही बिहार में सीएम पद पर अलग अलग चेहरों की चर्चा चल रही है। अब इस चर्चा में लोक जनशक्ति पार्टी के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान का भी नाम शामिल हो गया। चिराग के समर्थक और उनकी पार्टी के नेता-कार्यकर्ता उन्हें बिहार का मुख्यमंत्री बनाने की मांग कर रहे हैं। समर्थकों पटना में वीरचंद्र पटेल रोड स्थित भारतीय जनता पार्टी के दफ्तर के बाहर चिराग पासवान के समर्थक ने एक पोस्टर लगाया है। यह चिराग पोस्टर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। शेखपुरा जिले से लोक जनशक्ति पार्टी के (रामविलास) के जिलाध्यक्ष इमाम गजाली ने यह पोस्टर लगवाया। इस पर वह चिराग को चांदी का मुकुट पहनाते दिख रहे हैं। एक ओर दिवंगत नेता राम विलास पासवान की भी तस्वीर है। बिहार फर्स्ट और बिहार फर्स्ट के स्लोगन के साथ इसपर लिखा है कि ₹ना दंगा हो ना फसाद हो, बिहार का सीएम सिर्फ चिराग हो!, सजाओ इनके सिर पर ताज, तभी आयोगा, बिहार में स्वर्ण काल, मोदी को मिला अपने हनुमन का अशीर्वाद, चिराग होंगे बिहार के नए सिरताज₹।

डिंपल ने पूछा-ईरान जंग में भारत कहां खड़ा है?

अखिलेश बोले–विदेश नीति गिरवी रखी

भाजपा का जवाब-जो बोलना है, बोलते रहिए

लखनऊ, 9 मार्च (एजेंसियां)। संसद के बजट सत्र के दूसरे फेज के पहले दिन लोकसभा और राज्यसभा में जमकर हंगामा हुआ। अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग और लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा की मांग को लेकर सपा समेत तमाम विपक्षी दलों ने हंगामा किया। जमकर नारेबाजी की। दरअसल, कांग्रेस समेत विपक्ष के 118 सांसदों ने 10 फरवरी को लोकसभा सचिवालय को साइन किया नोटिस सौंपा था। आरोप लगाया था कि स्पीकर सदन की कार्यवाही में निष्पक्षता नहीं बरत रहे हैं। विपक्ष को पर्याप्त मौका नहीं दे रहे हैं। इस पर संसद भवन परिसर में मीडिया से बता करते हुए सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा- अभी फ्लोर लीडर्स की बैठक होगी, जिसके बाद तय होगा कि आगे कैसे बढ़ें। उन्होंने खाड़ी देशों में फंसे भारतीयों को लेकर मोदी सरकार को आड़े हाथ लिया। कहा- हमारी विदेश नीति को भाजपा सरकार ने गिरवी रख दिया है।

महंगाई बढ़ती जा रही है। हमारे जो लोग विदेश में फंसे हुए हैं उनके लिए भारत सरकार क्या कर रही है? सपा सांसद डिंपल यादव ने कहा- लोकसभा स्पीकर को हटाने का प्रस्ताव तो आ रहा है, लेकिन इससे भी ज्यादा जरूरी यह है कि ईरान और अमेरिका के बीच जो जंग छिड़ी है, उसमें भारत कहां खड़ा है, हमारी नीति क्या कहती है, हमारा विदेश मंत्रालय क्या कह रहा है। जिस तरह से वह अभी भी अमेरिका के दबाव में काम कर रहा है, ऐसे कई जरूरी मुद्दे इस सेशन में उठेंगे। वहीं, भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने कहा- इस बार हमें उम्मीद थी कि कुछ अच्छा होगा। विपक्ष प्रस्ताव तो लेकर आया है, अब देखते हैं क्या होता है। भाजपा सांसद अरुण गोविल ने कहा- हमारा विश्वास, हमारी पार्टी का विश्वास, हमारे लोकसभा अध्यक्ष में है। विपक्ष को जो बोलना है, बोलता रहे।

नहाने गए छह दोस्तों में तीन की डूबने से मौत

भागलपुर, 9 मार्च (एजेंसियां)। भागलपुर के कोसी नदी में नहाने गए छह दोस्तों में से तीन की डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है, जबकि मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मिली जानकारी के अनुसार गांव के छह दोस्त एक साथ कोसी नदी में नहाने के लिए गए थे। इसी दौरान तीन बच्चों का पैर फिसल गया और वे गहरे पानी में चले गए। देखते ही देखते तीनों नदी में डूब गए, जिससे उनकी मौत हो गई। मृतकों की पहचान लक्ष्मण कुमार (13) पिता कैप्टन यादव, युवराज कुमार उर्फ प्रीतम (14) पिता पिंटू यादव और नयन कुमार (12) पिता शंकर शर्मा के रूप में हुई है। तीनों हरियो (महेशपुर) गांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं। घटना बिहपुर के त्रिमुहान घाट के पास की बताई जा रही है।

पूरे देश में केवल एक पद और उस पर भी यूपी का कब्जा

जालौन की बेटी ने रचा इतिहास

जालौन, 9 मार्च (एजेंसियां)। जरा सोचकर देखिए कि केंद्र सरकार के किसी विभाग में केवल एक पद हो, तो उस पद को हासिल करना कितनी बड़ी उपलब्धि होगी। उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में उरई की रहने वाली एक बेटी ने एक ऐसी ही कामयाबी हासिल कर इतिहास रच डाला है। यूपी की इस बेटी का नाम है डॉक्टर प्रतिमा शर्मा। दरअसल, प्रतिमा का चयन एक ऐसे पद पर हुआ है, जो पूरे देश में केवल एक ही है। ये पद है रक्षा मंत्रालय के सिग्नल इंटेलिजेंस निदेशालय में फारसी अनुवादक का। इस एकमात्र पद को डॉक्टर प्रतिमा शर्मा ने हासिल किया है।

प्रतिमा शर्मा ने इस इकलौते पद को हासिल कर ये दिखा दिया है कि छोटे शहरों की बेटियां भी अगर कुछ ठान लें तो उसे पाना कोई मुश्किल काम नहीं है। दिल्ली में जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) से फारसी भाषा में पीएचडी करने वाली प्रतिमा शर्मा इससे पहले भी कई महत्वपूर्ण संस्थानों में काम कर चुकी हैं।

उनके करियर की अगर बात करें तो इससे पहल प्रतिमा शर्मा आकाशवाणी (ऑल इंडिया रेडियो) में अपनी सेवाएं दे रही थीं। फारसी भाषा के प्रसारण सहित वह कई दूसरे अहम कार्यक्रमों का भी हिस्सा रहीं। अब जब उनका चयन सिग्नल इंटेलिजेंस निदेशालय में एक प्रतिष्ठित पद पर हो गया है, तो उन्हें बधाई देने वाले लोगों का तांता लगा हुआ है। हालांकि, इस पद तक पहुंचने के पीछे प्रतिमा शर्मा के संघर्ष की लंबी कहानी है। एक छोटे से शहर उरई में अपनी शुरुआती पढ़ाई पूरी करने के बाद वह देश की राजधानी दिल्ली पहुंचीं और जेएनयू में एडमिशन लिया।

'शव को न छुए पत्नी' दो बच्चों की हत्या कर खुदकुशी से पहले दो वीडियो में साझा किया दर्द

महराजगंज, 9 मार्च (एजेंसियां)। महराजगंज जिले के नौतनवा में दो मासूम बच्चों की हत्या कर खुदकुशी करने वाले अमरीश ठाकुर ने मौत से पहले दो वीडियो बनाकर पत्नी समेत छह लोगों को अपनी मौत का जिम्मेदार ठहराया है। वीडियो में अमरीश ने कहा कि उसकी मौत के बाद उसके शव को उसकी पत्नी न छुए और हो सके तो शव को मेरे घरवालों को लौटा देना। वीडियो सामने आने के बाद मामले में नया मोड़ आ गया है।

मामा अवधेश कुमार ने बताया कि वीडियो में अमरीश ने आरोप लगाया कि उसकी पत्नी बंदना, ससुर रामअवतार, सास चंदा देवी, साला नवीन कुमार, भाभी सुनीता देवी और अमरनाथ भारती मिलकर उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित करते थे। उसे व उसके परिवार को जान से मारने की धमकी देते थे। कहा कि उसकी सास अक्सर उसे ताना देती थी कि वह उन्हें शादी से पहले भी पसंद नहीं था और न ही बाद में। वह उसे बेरोजगार कहकर अपमानित करती थीं। अमरीश ने वीडियो में यह भी आरोप लगाया कि उसकी पत्नी बंदना का सोनू गौतम से संपर्क था और वह उसी से शादी करने की बात कहती थी। आरोप लगाया कि पत्नी उस युवक को पैसे भी भेजती थी। अमरीश ने दावा किया कि जब वह उत्तराखंड में ड्यूटी पर था और चार महीने तक घर से दूर रहा, तब पत्नी दो माह की गर्भवती हो गई थी, जिसके बाद उसने मामला दबाने के लिए गर्भपात कराया।

लिवर, किडनी और हार्ट छलनी, चाकू के 80 वार

बहन का बर्बरता से कत्ल करने वाले हार्दिक की क्रूरता की कहानी

मुरादाबाद, 9 मार्च (एजेंसियां)। मुरादाबाद में यूट्यूबर हार्दिक को जेल में विशेष निगरानी में रखा गया। हार्दिक से बंदियों ने दूरी बना रखी है। बहन की हत्या का आरोपी थाने में भी सीसीटीवी कैमरों के बीच रहा। हार्दिक की क्रूरता की कहानी से अन्य बंदी भी बेचैन हैं। मुरादाबाद शहर की पॉश कॉलोनी बुद्धि विहार में चाकू के ताबड़तोड़ 80 से ज्यादा वार कर बहन की हत्या करने वाले आरोपी इंजीनियर यूट्यूबर हार्दिक की जेल में विशेष निगरानी की जा रही है। हार्दिक की क्रूरता की कहानी से अन्य बंदी और कैदी भी बेचैन हैं। बताया जा रहा है कि उन्होंने भी हार्दिक से दूरी बना ली है। जेल भेजने से पहले थाने में भी उस पर सीसीटीवी कैमरे से विशेष नजर रखी गई थी। मझोला के बुद्धि विहार सेक्टर दो गणेश पार्क के सामने रहने वाली निजी कंपनी की ब्रांच असिस्टेंट मैनेजर नीलिमा की बेटी हिमशिखा गुरुग्राम की एक आईटी कंपनी में असिस्टेंट मैनेजर थी।

शुक्रवार की दोपहर करीब डेढ़ बजे हिमशिखा की हत्या उसके जुड़वां भाई हार्दिक ने बड़ी बेरहमी से की थी। हार्दिक ने उसके शरीर पर चाकू से अस्सी से ज्यादा वार किए थे। लिवर, किडनी और हार्ट छलनी कर दिया था। आरोपी ने अपनी मां नीलिमा पर भी चाकू से हमले किए थे। शनिवार की दोपहर पुलिस ने उसे नया मुरादाबाद से गिरफ्तार किया और थाने ले गई। यहां पूछताछ करने पर पुलिस हैरान हो गई। बताया जा रहा है कि वह साइको जैसी अजीब बातें कर रहा था। इसके बाद पुलिस ने उसकी निगरानी बढ़ा दी और उसे ऐसे स्थान पर रखा गया जो स्थान सीसीटीवी कैमरे से कवर हो रहा था। शनिवार की शाम उसे कोर्ट में पेश किया गया जहां से जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने जेल अफसरों से संपर्क कर विशेष नजर रखने की बात कही है। बताया जा रहा है जेल में उस पर विशेष नजर रखी जा रही है। बंदी और कैदी भी उससे ज्यादा बात नहीं कर रहे हैं और दूरी बनाकर रह रहे हैं। वरिष्ठ जेल अधीक्षक आलोक सिंह ने बताया कि बंदी हार्दिक पर विशेष नजर रखी जा रही है।

'प्रमुख जाति के पुरुषों ने यौन हिंसा को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया'

सुप्रीम कोर्ट ने जेंडर हैंडबुक की समीक्षा की

नई दिल्ली, 9 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में न्यायाधीशों के लिए नए दिशा-निर्देश बनाने की प्रक्रिया शुरू की है, ताकि खासकर यौन अपराधों और कमजोर पीड़ितों से जुड़े मामलों की सुनवाई के दौरान ज्यादा संवेदनशीलता बरती जा सके। अदालत के अंदर पहले किए गए एक प्रयास को लेकर कुछ असंतोष था, इसलिए अब नए सिरे से काम शुरू किया जा रहा है।

10 फरवरी को जारी आदेश में मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और एनवी अंजारी की तीन जजों की बेंच ने भोपाल में मौजूद नेशनल ज्यूडिशियल काउंसिल के डायरेक्टर और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज अनिरुद्ध बोस से कहा कि वे विशेषज्ञों की एक समिति बनाकर इस विषय पर एक रिपोर्ट तैयार करें। इससे पहले 2023 में तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की पहल पर लैंगिक रूढ़ियों से निपटने पर हैंडबुक पब्लिश की गई थी।

इस हैंडबुक में क्या-क्या कहा गया?

इस हैंडबुक में कहा गया है कि इसका उद्देश्य जजों और कानून से जुड़े लोगों को महिलाओं के बारे में बनी रूढ़ियों को पहचाने, समझने और उनसे लड़ने में मदद करना है। इसमें लैंगिक भेदभाव से संबंधित शब्दों की एक शब्दावली शामिल है। उनकी जगह इस्तेमाल किए जा सकने वाले बेहतर शब्द या वाक्य भी सुझाए गए हैं, ताकि याचिकाएं, आदेश और फैसले लिखते समय भाषा ज्यादा संवेदनशील और सही हो। 10 फरवरी के आदेश में कहा गया कि 2023 में जारी नियमावली में ऐसी भाषा इस्तेमाल की गई है, जिसे आम लोग आसानी से नहीं समझ सकते। सूत्रों ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि नियमावली को अपनाने का प्रोसेस और इसकी कुछ सामग्री को लेकर जजों में भी असंतोष था। उनका मानना था कि इसमें दी गई कुछ बातें समस्याओं को कम करने के बजाय पुराने पूर्वाग्रहों (गलत धारणाओं) को और मजबूत कर सकती हैं। इसकी प्रक्रिया को लेकर भी आपत्ति जताई गई। सूत्रों ने कहा, "हैंडबुक पब्लिश करने का फैसला लेने से पहले सभी न्यायाधीशों को विश्वास में लेना आवश्यक था, जिसका उन्हें पालन करना था। आदर्श रूप से इसे (हैंडबुक को) व्यापक चर्चा के लिए पूरी अदालत के सामने रखा जाना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया।" इस पुस्तिका की प्रस्तावना उस समय के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने लिखी थी। इसमें बताया गया कि इस विचार की शुरुआत कोविड-19 महामारी के दौरान हुई थी और इसे सुप्रीम कोर्ट की ई-कमेटी के ज्ञान कार्यक्रम के हिस्से के तौर पर तैयार किया गया था।

पुस्तिका में ई-समिति की सामाजिक न्याय उप-समिति के सदस्यों को भी धन्यवाद दिया गया है। इनमें कलकत्ता हाई कोर्ट की न्यायाधीश मौशुमी भट्टाचार्य, दिल्ली हाई कोर्ट की न्यायाधीश प्रतिभा सिंह और प्रोफेसर झूमा सेन शामिल हैं। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट के रिसर्च और प्लानिंग सेंटर के अधिकारियों के योगदान की भी सराहना की गई है। 10 फरवरी के आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि न्यायाधीशों के नजरिए और अदालत की प्रक्रियाओं में संवेदनशीलता और समझ बढ़ाने के लिए और कदम उठाना जरूरी है।

हैंडबुक में समस्याग्रस्त हिस्से थे

विषयवस्तु के संदर्भ में सूत्रों ने कहा कि हैंडबुक में लैंगिक रूढ़ियों को समझाने के प्रयासों में कुछ समस्याग्रस्त हिस्से थे। उदाहरण के तौर पर उन्होंने एक ऐसे हिस्से की ओर इशारा किया जिसमें "यौन और यौन हिंसा के संदर्भ में पुरुषों और महिलाओं पर लागू होने वाली रूढ़ियों की एक उदाहरण सूची शामिल है और यह बताया गया है कि ऐसी धारणाएं गलत क्यों हैं। सूत्रों के अनुसार, इस लिस्ट के आधार पर यह धारणा प्रचलित है कि "ऊंची जाति के पुरुष दबे हुए वर्गों की महिलाओं के साथ यौन संबंध नहीं बनाना चाहते हैं और इसलिए, दबे हुए वर्ग की महिला द्वारा ऊंची के पुरुष के खिलाफ यौन उत्पीड़न या बलात्कार का कोई भी आरोप झूठा है।" इस हैंडबुक में आगे बताया गया है कि असलियत यह है कि बलात्कार और यौन हिंसा को लंबे समय से समाज में नियंत्रण के एक साधन के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। समें यह भी कहा गया है कि इतिहास में कई बार प्रमुख जाति के पुरुषों ने जाति व्यवस्था को बनाए रखने के लिए यौन हिंसा का इस्तेमाल किया है। सूत्रों ने बताया कि जजों के बीच यह मत था कि सुप्रीम कोर्ट को ऐसे बयान नहीं देने चाहिए। इनका प्रभाव पूरे समुदायों को निशाना बनाने जैसा होता है।

कूनो में खुशखबरी : मादा चीता ज्वाला ने दिए पांच शावकों को जन्म

तीसरी बार बनी मां; भारत में संख्या पहुंची 53

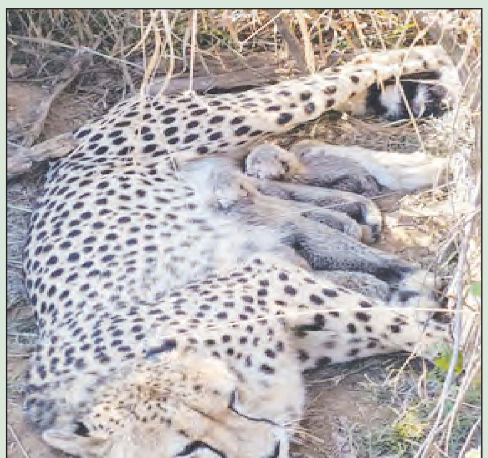

श्योपुर, 9 मार्च (एजेंसियां)। श्योपुर जिले स्थित कूनो नेशनल पार्क से वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में बड़ी खुशखबरी सामने आई है। नामीबिया से लाई गई मादा चीता ज्वाला ने पांच शावकों को जन्म दिया है।

ज्वाला तीसरी बार मां बनी है और उसके इन नए शावकों के साथ कूनो में चीता परिवार और भी बड़ा हो गया है। पांच शावकों के जन्म के बाद भारत में जन्मे स्वस्थ चीतों की संख्या बढ़कर 33 हो गई है। यह भारत की धरती पर चीतों का दसवां सफल जन्म समूह है, जिसे प्रोजेक्ट चीता के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने इस खुशखबरी की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की। वहीं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी इसे प्रदेश और देश के लिए गर्व का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि कूनो में चीतों की बढ़ती संख्या प्रोजेक्ट चीता की सफलता और भारत की समृद्ध जैव विविधता का प्रतीक है। नए शावकों के जन्म के साथ अब भारत में चीतों की कुल संख्या बढ़कर 53 हो गई है। वन्यजीव संरक्षण के लिहाज से इसे एक ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा रहा है।

वन विभाग को उम्मीद है कि ज्वाला और उसके शावक स्वस्थ रहेंगे और आने वाले समय में भारत में चीतों की संख्या और तेजी से बढ़ेगी। कूनो नेशनल पार्क अब देश में चीता संरक्षण का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनता जा रहा है।

भाजपा नेता राजेंद्र राणा बोले

सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू बताएं राज्यसभा सीट कितने में बेची

शिमला, 9 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा नेता राजेंद्र राणा ने कांग्रेस पर हिमाचल प्रदेश से अपनी अकेली राज्यसभा सीट बेचने का आरोप लगाया है। यह आरोप तब लगाया गया है जब कुछ दिनों पहले ही सत्ताधारी पार्टी ने एक ऐसे उम्मीदवार को चुना था जिसके बारे में उम्मीद नहीं थी। जहां पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा समेत पार्टी के बड़े नेताओं को राज्यसभा नॉमिनेशन के लिए मजबूत दावेदार माना जा रहा था, वहीं कांग्रेस ने अनुराग शर्मा को चुना, जिन्हें मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का करीबी माना जाता है। रविवार को यहां जारी एक वीडियो में राणा ने सुक्खू से इस फैसले पर सवाल उठाया और आरोप लगाया कि सीट बेच दी गई है।

भाजपा नेता राजेंद्र राणा जो कांग्रेस के पूर्व नेता हैं और जिन्होंने 2024 के राज्यसभा चुनावों में भाजपा के पक्ष में क्रॉस-वोटिंग की थी और बाद में भाजपा पार्टी में शामिल हो गए थे, ने कहा कि मैं मुख्यमंत्री से पूछना चाहता हूं कि राज्यसभा सीट कितने में बेची गई और क्या यह डील दुबई में फाइनल हुई थी। राज्यसभा के दो साल में एक बार होने वाले चुनाव 16 मार्च को होंगे। उनकी यह बात चार बार के राज्यसभा सदस्य आनंद शर्मा के पिछले हफ्ते यह कहने के कुछ दिनों बाद आई है कि 'आत्म-सम्मान बहुत महंगा है' और आज के समय में सच बोलना एक सजा वाला राजनीतिक अपराध बन गया है। आनंद शर्मा कांग्रेस के दूसरे सीनियर नेताओं के साथ राज्यसभा टिकट के लिए सबसे आगे चल रहे उम्मीदवारों में से एक थे।

कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा का चुनाव अमान्य घोषित

हाईकोर्ट के आदेश के बाद रामनिवास रावत होंगे नए एमएलए

ग्वालियर, 9 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने विजयपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा का चुनाव शून्य घोषित कर दिया गया है। पूर्व मंत्री रामनिवास रावत ने याचिका दायर की थी। इस याचिका में मुकेश मल्होत्रा पर चुनावी हलफनामे में आपराधिक रिकार्ड की जानकारी छुपाने का आरोप लगाया गया था। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान निर्वाचन प्रक्रिया में गड़बड़ी और तथ्यों को छिपाने को सही माना।

बता दें कि पूर्व मंत्री रामनिवास रावत ने याचिका दायर की थी। इस याचिका में मुकेश मल्होत्रा पर चुनावी हलफनामे में आपराधिक रिकार्ड की जानकारी छुपाने का आरोप लगाया गया था। इसमें कहा गया था कि मुकेश मल्होत्रा ने उपचुनाव के दौरान जो नामांकन दाखिल किया था, उसमें अपने

आपराधिक मामलों की जानकारी छिपाई गई। मल्होत्रा पर 6 आपराधिक मामले दर्ज थे जबकि उन्होंने नामांकन में केवल 2 मामले ही बताए। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान निर्वाचन प्रक्रिया में गड़बड़ी और तथ्यों को छिपाने को सही माना। हाईकोर्ट की ग्वालियर बेंच के जस्टिस जीएस अहलूवालिया ने आदेश देते हुए मल्होत्रा का चुनाव शून्य घोषित कर दिया। भाजपा के प्रत्याशी रहे रामनिवास रावत को दूसरे नंबर पर रहने पर विजयपुर से विधायक घोषित किया गया है।

हाई कोर्ट के सीनियर एडवोकेट एमपीएस रघुवंशी ने बताया है कि रामनिवास रावत ने अपनी याचिका में आरोप लगाया था कि मुकेश मल्होत्रा ने 2024 के उपचुनाव नॉमिनेशन में अपने खिलाफ दर्ज क्रिमिनल केस की पूरी जानकारी नहीं दी थी। मुकेश ने सिर्फ दो क्रिमिनल रिकॉर्ड बताए थे, जबकि 4 केस छिपाए थे। याचिका में रावत ने मल्होत्रा के खिलाफ दर्ज सभी 6 क्रिमिनल केस की जानकारी दी थी। कोर्ट ने फैसला सुनाया कि रामनिवास रावत उपचुनाव में दूसरे नंबर पर आए थे, इसलिए मुकेश मल्होत्रा का चुनाव रद्द किया जाता है। साथ ही रावत को विजयपुर का एमएलए घोषित किया जाता है। जानकारी के मुताबिक, कोर्ट ने कहा कि चुनावी प्रक्रिया में प्रत्याशी द्वारा आपराधिक पृष्ठभूमि की पूरी जानकारी देना बहुत जरूरी है। इससे मतदाता को उम्मीदवार के बारे में सही जानकारी मिलती है, ताकि इसके आधार पर वे निर्णय ले सकें। मुकेश मल्होत्रा ने दो लंबित आपराधिक मामलों में आरोप तय होने की जानकारी छिपाई और आरोपों की प्रकृति भी गलत बताई।

हिरासत में युवक की मौत के आरोप से गरमाई राजनीति

एआईएडीएमके ने सरकार को घेरा; लगाए गंभीर आरोप

चेन्नई, 9 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु के शिवगंगा में एक 26 साल के युवक की मौत को लेकर राजनीति गरमा गई है। विपक्षी पार्टी एआईएडीएमके ने राज्य सरकार की कड़ी आलोचना की है। पार्टी का आरोप है कि पुलिस ने आकाश डेलिसन नाम के युवक को बेरहमी से टॉर्चर किया, जिससे उसकी जान चली गई। एआईएडीएमके ने सोशल मीडिया पर इस घटना को कस्टोडियल डेथ यानी हिरासत में मौत बताया है।

पार्टी ने लगाए आरोप

पार्टी का कहना है कि आकाश एक इंजीनियरिंग ग्रेजुएट था और अनुसूचित जाति से ताल्लुक रखता था। पुलिस ने पूछताछ के नाम पर उसे उठाया और बुरी तरह पीटा। पार्टी ने पुलिस के उस दावे को भी झूठा बताया जिसमें कहा गया कि युवक पुल से गिरने की वजह से घायल हुआ था। एआईएडीएमके के अनुसार, यह जंगल में की गई पिटाई को छिपाने का एक बहाना है। पार्टी ने यह भी दावा किया कि आकाश ने मरने से पहले अपनी मां को पुलिस की पिटाई के बारे में बताया था।

पुलिस ने आरोपों को किया खारिज

दूसरी तरफ, तमिलनाडु पुलिस ने इन आरोपों को खारिज किया है। पुलिस महानिदेशक कार्यालय से जारी बयान में कहा गया कि आकाश डेलिसन एक हिस्ट्री-शीटर था। उस पर हत्या की कोशिश समेत कई मामले दर्ज थे। 6 मार्च को एक हमले के मामले में पुलिस उसे तलाश रही थी। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तारी से बचने के लिए भागते समय वह एक पुल से गिर गया, जिससे उसके पैर में गंभीर चोट आई।

बांग्लादेशी नेता हादी हत्याकांड के 2 आरोपी बंगाल में गिरफ्तार

मेघालय बॉर्डर से भारत में हुए दाखिल, वापस बांग्लादेश भागने की फिराक में थे

कोलकाता, 9 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल पुलिस की एसटीएफ ने भारत और शेख हसीना विरोधी बांग्लादेशी नेता उस्मान हादी की हत्या के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान राहुल उर्फ फैसल करीम मसूद (37) और आलमगीर हुसैन (34) के रूप में हुई है। दोनों मेघालय सीमा से अवैध रूप से भारत में घुस आए थे और पश्चिम बंगाल के बोंगांव में छिपे थे। आरोपी सही मौके का इंतजार कर रहे थे, ताकि दोबारा बांग्लादेश लौट सकें। लेकिन इससे पहले ही एसटीएफ ने 7 और 8 मार्च की दरमियानी रात को छापेमारी कर दोनों को पकड़ लिया।

राहुल उर्फ फैसल करीम मसूद बांग्लादेश के पटुआखाली का निवासी है, जबकि आलमगीर हुसैन ढाका का रहने वाला है। पुलिस ने मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को रविवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि पूरे मामले की विस्तृत जांच जारी है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि आरोपियों के भारत में दाखिल होने में किसी स्थानीय नेटवर्क की भूमिका तो नहीं थी।

हादी को ढाका में गोली मारी गई थी

उस्मान हादी को राजधानी ढाका में 12 दिसंबर को गोली मारी गई थी, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। वह रिक्शे पर जा रहे थे तभी बाइक सवार हमलावर ने उन्हें गोली मारी थी। हादी को तुरंत ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, बाद में इलाज के लिए उन्हें सिंगापुर रेफर किया गया था। जहां 18 दिसंबर को उनकी मौत हो गई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हमले से कुछ घंटे पहले उस्मान हादी ने ग्रेटर बांग्लादेश का एक मैप शेयर किया था, इसमें भारतीय इलाके (7 सिस्टर्स) शामिल थे।

हादी ढाका से निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले थे

हादी इस्लामी संगठन 'इंकलाब मंच' के प्रवक्ता थे और चुनाव में ढाका से निर्दलीय उम्मीदवार थे। इंकलाब मंच अगस्त 2024 के छात्र आंदोलन के बाद उभरा। इसने तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग की सरकार को गिरा दिया था। यह संगठन अवामी लीग को आतंकवादी करार देते हुए पूरी तरह खत्म करने और नौजवानों की सुरक्षा की मांग को लेकर सक्रिय रहा। यह संगठन राष्ट्रीय स्वतंत्रता और संप्रभुता की रक्षा पर जोर देता है। मई 2025 में अवामी लीग को भंग करने और चुनावों में अयोग्य ठहराने में इस संगठन की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मालवीय नगर पार्क में छेड़छाड़ के विरोध पर मणिपुरी महिला से मारपीट, पुलिस ने दो नाबालिगों को पकड़ा

नई दिल्ली, 9 मार्च (एजेंसियां)। दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में एक पार्क में कथित तौर पर छेड़छाड़ का विरोध करने पर मणिपुरी महिला के साथ मारपीट के मामले में पुलिस ने दो नाबालिगों को पकड़ा है। यह घटना रविवार शाम को हुई, जब पीड़ित महिला अपनी सहेली के साथ पार्क में टहल रही थी।

पुलिस के अनुसार, पार्क में कुछ युवकों ने दोनों महिलाओं पर टिप्पणी की। जब महिलाओं में से एक ने इसका विरोध किया, तो युवकों के साथ उनकी कहासुनी हो गई। इसके बाद, आरोपियों ने महिला पर हमला कर दिया, जिससे उसे मामूली चोटें आईं। घायल महिला को सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका मेडिकल परीक्षण और उपचार किया गया। घटना के बाद, पुलिस ने संदिग्धों की पहचान और उन्हें पकड़ने के लिए टीमों का गठन किया। त्वरित कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने छापेमारी कर दो नाबालिगों को हिरासत में ले लिया है। पुलिस का कहना है कि अन्य फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए भी छापेमारी जारी है। पीड़ित महिला के संपर्क में लगातार बने हुए हैं और उसके बयान के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वो हथियार, जिसे बैन करना चाहते हैं 30 से ज्यादा देश

टेक्नोलॉजी ऐसी कि यकीन करना मुश्किल

नई दिल्ली, 9 मार्च (एजेंसियां)। आज के युद्ध में ऐसे-ऐसे हथियार इस्तेमाल होने लगे हैं, जो खुब-ब-खुद फैसला लेते हैं, टारगेट बनाते हैं, और हमला करते हैं. ये लेथल किलर ड्रोन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से लैस हैं. इन्हें लेथल ऑटोनॉमस वेपन सिस्टम्स कहा जाता है. दुनिया के 30 से ज्यादा देश इन पर बैन की मांग कर रहे हैं. लेकिन बड़े देश बैन की मांग के खिलाफ हैं।

साइंस-फिक्शन फिल्मों का 'किलर रोबोट' अब पर्दे से निकलकर हकीकत में जंग के मैदान तक पहुंच चुका है. लेथल ऑटोनॉमस वेपन सिस्टम्स युद्ध की परिभाषा बदल रहे हैं. ये वो हथियार हैं, जो बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के खुद अपना टारगेट पहचानते हैं और उसे नेस्तानाबूद कर देते हैं. यही वजह है कि आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इन्हें लेकर एक बड़ी बहस छिड़ गई है. 30 से अधिक देश इन हथियारों पर पूर्ण प्रतिबंध चाहते हैं, क्योंकि सवाल सिर्फ तकनीक का नहीं, बल्कि नैतिकता का भी है. आज हम इन्हीं हथियारों और उनमें लगाई गई टेक्नोलॉजी पर डिटेल में लिख रहे हैं।

आखिर क्या होते हैं ऑटोनॉमस किलर ड्रोन?

ऑटोनॉमस किलर ड्रोन मूल रूप से ऐसी मशीनें हैं, जो युद्ध में तीन अहम काम खुद करती हैं- 1. लक्ष्य ढूंढना, 2. उसे पहचानना और 3. उस पर हमला करना. इंसान सिर्फ उन्हें एक्टिवेट करता है, उसके बाद पूरा फैसला मशीन के एल्गोरिद्म और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के हाथ में चला जाता है।

इन हथियारों को आमतौर पर तीन श्रेणियों में बांटा जाता है-

पहली श्रेणी वह है जिसमें हमला करने से पहले इंसान की मंजूरी जरूरी होती है.

दूसरी श्रेणी में मशीन निर्णय ले सकती है, लेकिन इंसान चाहे तो बीच में हस्तक्षेप करके उसे रोक सकता है.

तीसरी श्रेणी वह है जिसमें इंसान का कोई रोल ही नहीं होता. यही असली लॉव्स माने जाते हैं और इन्हीं को लेकर सबसे ज्यादा चिंता जताई जा रही है.

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से चलता है पूरा सिस्टम

इन किलर मशीनों की ताकत उनका आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अत्याधुनिक सेंसर सिस्टम होता है. ड्रोन के अंदर कई तरह के सेंसर लगाए जाते हैं, जो आसपास के माहौल को लगातार स्कैन करते रहते हैं. लीडार तकनीक लेज़र की मदद से इलाके का थ्री-डी नक्शा तैयार करती है. थर्मल कैमरे अंधेरे में भी इंसानी शरीर की गर्मी पकड़ सकते हैं, जबकि रडार दूर तक चल रही गतिविधियों को पहचान सकता है. इन सभी सेंसर से मिलने वाली जानकारी को एक साथ मिलाकर ड्रोन अपने आसपास की पूरी तस्वीर बना लेता है।

इसके बाद एआई आधारित डीप लर्निंग सिस्टम काम करता है. यह लाखों तस्वीरों और डेटा पर प्रशिक्षित होता है. कैमरे से मिली तस्वीरों को यह कुछ मिलीसेकंड में एनालिसिस करके तय कर सकता है कि सामने दिख रहा लक्ष्य सैनिक है, कोई सैन्य वाहन है या कोई आम नागरिक. सबसे विवादित चरण इसके बाद आता है, जब एल्गोरिद्म तय करता है कि हमला करना चाहिए या नहीं. इसे थ्रेट असेसमेंट एल्गोरिद्म कहा जाता है. इसमें मशीन खतरे का स्तर, आसपास मौजूद लोगों और सैन्य महत्व जैसे कई पहलुओं को देखकर निर्णय लेती है, लेकिन इसमें मानवीय नैतिकता शामिल नहीं होती।

कैसे करता है अटैक?

इन ड्रोन में नेविगेशन के लिए जीपीएस के साथ-साथ एडवांस तकनीकें भी होती हैं. उदाहरण के लिए स्लैम तकनीक की मदद से ड्रोन खुद ही आसपास का नक्शा बनाकर रास्ता तय कर सकता है. अगर जीपीएस सिग्नल जाम भी हो जाए, तब भी यह अपना रास्ता नहीं भूलता। कई बार इन ड्रोन को ग्रुप में भी इस्तेमाल किया जाता है, जिसे स्वॉर्म टेक्नोलॉजी कहा जाता है. इसमें कई ड्रोन आपस में नेटवर्क बनाकर काम करते हैं. अगर एक ड्रोन को कोई जानकारी मिलती है, तो वह तुरंत बाकी सभी ड्रोन तक पहुंच जाती है। हमले के लिए अक्सर "लॉइटरिंग म्यूनिशन" का इस्तेमाल होता है. ऐसे ड्रोन लंबे समय तक आसमान में मंडराते रहते हैं और लक्ष्य मिलते ही सीधे उस पर टकराकर विस्फोट कर देते हैं. कुछ ड्रोन मिसाइल या बम गिराते हैं, जबकि कुछ दुश्मन के इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम को जाम करने के लिए साइबर या इलेक्ट्रॉनिक हमला भी कर सकते हैं. इजराइल का हारोप ड्रोन इस तकनीक का एक प्रमुख उदाहरण माना जाता है. यह घंटों तक हवा में मंडराता रहता है और जैसे ही दुश्मन के रडार से सिग्नल मिलता है, खुद जाकर उस पर हमला कर देता है।

उग्र हुए यूकेडी कार्यकर्ता, बैरिकेड तोड़े, पुलिस ने पानी की बौछार कर रोका

गैरसैंण(चमोली), 9 मार्च (एजेंसियां)। ग्रीष्मकालीन राजधानी में धामी सरकार करीब सात माह बाद पहुंची है। सत्र के पहले दिन उत्तराखंड क्रांति दल ने दिवालीखाल में प्रदर्शन कर ताकत दिखाई। स्थायी राजधानी, अंकिता भंडारी हत्याकांड सहित अन्य समस्याओं को लेकर दल ने विधानसभा घेराव की योजना बनाई। इस दौरान दिवालीखाल में कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इस बीच पुलिस को चकमा देकर कुछ कार्यकर्ता विधानसभा तक पहुंच गए। पुलिस ने 10 से 15 कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया।

उत्तराखंड बजट सत्र: सदन में सरकार तो सड़क पर विपक्ष दिखाएगा दम; आज उक्रांद, कल कांग्रेस का प्रदर्शन

यूकेडी कार्यकर्ताओं ने पुलिस की गाड़ियां रोक दी। गाड़ियों में हिरासत में ले जा रहे आंदोलनकरियों को उतारा। पुलिस के साथ हुई झड़प। इसके बाद पुलिस ने पानी की बौछार कर उन्हें आगे बढ़ने से रोका।

ब्रिक्स में 'महायुद्ध'! ईरान हमले पर दो फाड़ हुआ संगठन

क्या भारत की अध्यक्षता में बिखर जाएगा ग्रुप?

तेहरान/नई दिल्ली, 9 मार्च (एजेंसियां)। ईरान पर हुए हमले के लेकर ब्रिक्स देशों की तरफ से कोई एकजुट जवाब नहीं दिया गया है। जबकि ईरान इस संगठन का सदस्य है। ऐसे में गठबंधन के अंदर मतभेद सामने आ गए हैं। ब्रिक्स के सदस्य देश अपने अपने हितों के हिसाब से जियोपॉलिटिकल गठबंधन आर्थिक संबंधों और घरेलू प्राथमिकताओं में संतुलन बना रहे हैं। 11 सदस्यों वाले इस संगठन ने पिछले साल 12 दिनों तक चले युद्ध के दौरान अपनी बात फौरन सामने रखी थी। उस दौरान ब्रिक्स की अध्यक्षता ब्राजील कर रहा था। उस दौरान ब्रिक्स ने ईरान पर अमेरिका-इजरायल के हमलों की निंदा करते हुए इसे अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया था।

ब्रिक्स की अध्यक्षता अब भारत कर रहा है और इस बार ईरान पर हुए हमलों को लेकर संगठन पूरी तरह से चुप है। ब्रिक्स की तरफ से अभी तक कोई संयुक्त बयान जारी नहीं किया जा सका है लेकिन ब्रिक्स के अलग अलग सदस्य देशों ने अलग अलग जवाब दिया है। दक्षिण अफ्रीका के

राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने तत्काल युद्धविराम की मांग की है और चेतावनी दी कि यह लड़ाई मिडिल ईस्ट से आगे भी फैल सकती है। उन्होंने कहा कि हम सीजफायर चाहते हैं। हम चाहते हैं कि यह पागलपन खत्म हो।

रूस ने भी ईरान पर हुए हमलों की सख्त आलोचना की है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन को भेजे संदेश में सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या की निंदा की है। रूस के विदेश मंत्रालय ने हमलों को एक आजाद और स्वतंत्र यूएन सदस्य देश के खिलाफ पहले से सोची-समझी और बिना उकसावे के हथियारबंद हमला बताया है।

चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सार के साथ टेलीफोन पर बात करते समय उन्हें कहा कि बीजिंग इजरायल और अमेरिका की तरफ से ईरान पर किए गये हमले का विरोध करता है।

वहीं भारत जो इस साल ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है उसने काफी सावधान रूख अपना रखा है। ईरान पर हुए हमले के तीन दिनों के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने डिप्लोमेसी की तरफ लौटने का आह्वान किया है। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने देश की संसद में पश्चिम एशिया में चल रही लड़ाई पर बयान दिया लेकिन उन्होंने ना तो ईरान पर हुए हमले की निंदा की और ना ही अरब देशों पर ईरान जो हमले कर रहा है, उसी की निंदा की।

भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ईरान पर हुए हमले से ठीक पहले इजरायल दौरे पर थे। उन्होंने साफ किया कि 'भारत, इजरायल के साथ मजबूती से खड़ा है।'

दोनों देशों के बीच बड़े सैन्य समझौते हुए हैं। इसके अलावा अमेरिका से भी भारत के संबंध थोड़े सुधरे हैं। भारत से 50 फीसदी का टैरिफ हट चुका है और ईरान हमले के बाद अमेरिका ने फिर से रूसी तेल खरीदने की 'छूट' दी है।

ब्रिक्स के ज्यादातर देश अमेरिका और पश्चिमी देशों के विरोधी हैं। 2009 में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका ने मिलकर इसे बनाया था और 2024 में इसमें इंडोनेशिया, इथियोपिया, मिस्र, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को शामिल किया गया।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

मेल पर आया मैसेज, सभी सुनवाई रोकी गई, कैंपस खाली कराया

बिलासपुर, 9 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बालोद, बेमेतरा जिला कोर्ट को भी बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली है। ईमेल भेजकर धमकी दी गई है। इसके बाद हाईकोर्ट कैंपस में डॉग स्क्वायड और बम स्क्वायड जांच कर रही है और एहतियातन सभी अदालतों में सुनवाई रोक दी गई है। इससे पहले 25 फरवरी को भी ऐसा ही धमकी भरा ईमेल मिला था, हालांकि जांच के बाद कोई संदिग्ध सामग्री नहीं मिली थी। फिलहाल सुरक्षा को देखते हुए परिसर कीजांच जारी है।

बता दें कि सोमवार सुबह पहले बेमेतरा जिला न्यायालय के आधिकारिक ई-मेल पर धमकी भरा संदेश मिलने के बाद कैंपस खाली कराया गया।

पुलिस ने इलाके को घेरकर बम स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड से जांच शुरू कर दी है, वहीं साइबर टीम ई-मेल भेजने वाले का पता लगा रही है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है।

यूएई के अपाचे हेलीकॉप्टरों का एक्शन

हवा में ही ढेर किए ईरानी सुसाइड ड्रोन

दुबई, 9 मार्च (एजेंसियां)। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर ने कई ईरानी ड्रोन को उनके लक्ष्यों तक पहुंचने से पहले मार गिराया है। इस घटना का एक वीडियो भी जारी किया गया है, जिसमें अपाचे को हवा में ईरानी ड्रोन का शिकार करते देखआ जा सकता है। ईरान ने अमेरिका-इजरायल के हवाई हमलों के बाद से ही यूएई पर बड़े पैमाने पर हमले किए हैं। इन हमलों में राजधानी अबू धाबी के अलावा दुबई को भी निशाना बनाया गया है। हालांकि, यूएई के एयर डिफेंस सिस्टमों ने बड़े पैमाने पर ईरानी मिसाइल और ड्रोन को हवा में ही मार गिराए हैं।

यूएई मिनिस्ट्री ऑफ डिफेंस ने X पर एक वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में संयुक्त अरब अमीरात जॉइंट एविएशन कमांड के एएच-64डी अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर एक्शन में दिख रहे हैं। वीडियो में दिखा कि अपाचे हेलीकॉप्टर ने दुश्मन के ड्रोन और मिसाइलों का रडार से पता लगाया, आसमान में ही उन्हें ट्रैक किया

और फिर मार गिराया। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, जब देश की सुरक्षा और संप्रभुता की बात आती है तो कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

यूएई की सेना ने भी कहा है कि वे देश के खिलाफ किसी भी हमले या खतरे को रोकने या उसका जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मंत्रालय ने एक पोस्ट में लिखा, यूएई एयर डिफेंस अभी ईरान से आने वाले मिसाइल और ड्रोन खतरों से निपट रहे हैं। ईरान ने शनिवार को भी दुबई और अबू धाबी पर हवाई हमले किए थे। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस कारण देश में अलग-अलग इलाकों में चेतावनी के सायरन बजाए गए।

हालांकि, देश के एयर डिफेंस सिस्टम ने ईरानी खतरों को हवा में ही बेअसर कर दिया।

द ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, यूएई के रक्षा मंत्रालय ने बताया है कि ईरान ने 28 फरवरी के बाद से उनके देश पर कुल 189 बैलिस्टिक मिसाइलें फायर की हैं। इनमें से 175 मिसाइलों को एयर डिफेंस सिस्टम ने इंटरसेप्ट करके नष्ट कर दिया, जबकि 13 ज़मीन पर पहुँचने से पहले समुद्र में गिर गईं। यूएई के इलाके में सिर्फ एक ईरानी मिसाइल गिरी। मंत्रालय ने कहा, कुल 941 ईरानी ड्रोन भी डिटेक्ट किए गए हैं, जिनमें से 876 को इंटरसेप्ट किया गया, जबकि 65 देश के अंदर गिरे।

बंगबंधु का ऐतिहासिक भाषण चलाने पर छात्रों की पिटाई

अवामी लीग ने बीएनपी सरकार पर साधा निशाना

ढाका, 9 मार्च (एजेंसियां)। बांग्लादेश अवामी लीग ने सोमवार को कहा कि ढाका विश्वविद्यालय के कई छात्रों और अन्य लोगों के साथ मारपीट की गई और उन्हें यातना दी गई। उन्हें केवल इसलिए गिरफ्तार कर लिया गया, क्योंकि वे बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान का सात मार्च 1971 का ऐतिहासिक भाषण चला रहे थे। अवामी लीग ने तारीक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की आलोचना की।

अवामी लीग ने कहा कि मौजूदा सरकार उसी रास्ते पर चलती हुई दिखाई दे रही है, जिस पर पहले मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार चली थी। यूनुस की अंतरिम सरकार के 18 महीने के कार्यकाल में बांग्लादेश के 1971 के मुक्ति युद्ध के इतिहास को तेजी से कमजोर किया गया।

पार्टी ने आरोप लगाया कि

बंगबंधु के सात मार्च के ऐतिहासिक भाषण को चलाने को अपराध मानते शाहबाग थाने ने शनिवार को ढाका विश्वविद्यालय के कई छात्रों को गिरफ्तार कर लिया। पार्टी ने यह भी दावा किया कि गिरफ्तारी से पहले छात्रों के साथ चरमपंथियों ने दुर्व्यवहार किया और उन्हें यातना दी गई।

अवामी लीग के मुताबिक, कई रिक्शा चालकों को भी धनमंडी 32 स्थित बंगबंधु के घर से गिरफ्तार किया गया है। यह वही ऐतिहासिक जगह है, जिस पर पहले ही चरमपंथियों ने हमले किए हैं और तोड़फोड़ की है और इसे खंडहर में बदल दिया है। बताया जा रहा है कि ये लोग बांग्लादेश के राष्ट्रपति की स्मृति को सम्मान देने के लिए वहां पहुंचे थे। पार्टी ने कहा कि बाद में इन लोगों को आतंकवाद विरोधी कानून के तहत दर्ज मामलों में अदालत में पेश किया गया। इसी तरह देश के अलग-अलग हिस्सों में भी कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को इसी कारण परेशान किया गया और उन पर भीड़ के हमले भी हुए।

पार्टी ने सवाल उठाया कि क्या देश में सच में कोई काम करने वाली सरकार है। 1971 में पाकिस्तानी सेना के खिलाफ बांग्लादेश के मुक्ति युद्ध की शुरुआत करने वाले इस भाषण के महत्व को बताते हुए अवामी लीग ने कहा कि बांग्लादेश राष्ट्र की स्थापना के लिए निर्णायक संघर्ष 7 मार्च 1971 को शुरू हुआ और 10 जनवरी 1972 को खत्म हुआ।

134 टन कबाड़ समेत 1.15 करोड़ की संपत्ति जब्त

मिनी राइस मिल में मैग्नीज मेटल-पाईलेट गोली भी मिली, रायगढ़ पुलिस की अवैध परिवहन पर कार्रवाई

रायगढ़, 9 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में रविवार को पुलिस ने 7 ट्रकों में लोड अवैध 134 टन कबाड़ जब्त किया है। साथ ही राइस मिल से 2 टन डंप मैग्नीज मेटल और पाईलेट गोली भी बरामद की गई। जब्त ट्रक और कबाड़ की कीमत करीब 1.15 करोड़ रुपए आंकी गई है।

मामला पूंजीपथरा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, पुलिस ने ड्राइवरों से स्क्रैप परिवहन से जुड़े वैध दस्तावेज मांगे, लेकिन कोई भी दस्तावेज पेश नहीं किया। ऐसे में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ट्रक समेत स्क्रैप जब्त कर लिया।

इस मामले में सोमवार को पुलिस ने कागजी कार्रवाई करते हुए 7 ड्राइवरों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि स्क्रैप उद्योग में खपाने के लिए पूंजीपथरा लाया जा रहा था।

ईरानी युद्धपोत को पहले से ही डुबोने का प्लान था

अमेरिकी कैप्टन ने बताया श्रीलंका के पास क्यों तय था जहाज का अंत?

वॉशिंगटन, 9 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका ने 4 मार्च को हिंद महासागर में श्रीलंका के पास ईरानी युद्धपोत अईआरआईएस डेना को डुबो दिया। कई दशकों के बाद ये पहला हमला था जब किसी युद्धपोत को डुबोया गया हो। इस हमले में 87 नाविकों की मौत हो गई जबकि 32 लोगों को बचाया गया। ईरानी युद्धपोत पर हमले के बाद सवाल ये उठ रहे हैं कि क्या यह हमला इंटरनेशनल कानून और नौसेना के नियमों के हिसाब से था?

शनिवार को रायसीना डायलॉग के दौरान यूनाइटेड स्टेट्स नेवी के रिटायर्ड कैप्टन ब्रेंट सैडलर, जो यूएस नेवी में 26 साल काम कर चुके हैं उन्होंने बड़ा बयान दिया है। ब्रेंट सैडलर अब हेरिटेज फाउंडेशन में सीनियर रिसर्च फेलो हैं। उन्होंने फर्स्ट पोस्ट को बताया है कि मिलिट्री के काम करने के नियम बहुत साफ हैं। उन्होंने कहा कि पेंटागन की तरफ से दिए गए मकसदों में से एक, जो वाइट हाउस और राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से आया था उसमें कहा गया है कि यह हमला इसलिए किया गया ताकि ईरानी जहाज होर्मुज स्ट्रेट के लिए खतरा न बने। इसलिए पूरी ईरानी नेवी को टारगेट किया गया है। आपको बता दें कि दुनिया के समुद्री तेल एक्सपोर्ट का लगभग पांचवां हिस्सा फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाले पतले पानी के रास्ते से होकर गुजरता है। यह हमला श्रीलंका के एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन (ईईजड) के अंदर हुआ, लेकिन उसके 12 मील के इलाके के पानी के बाहर। यही फर्क इंटरनेशनल गुस्से की वजह है। आलोचकों का कहना है कि किसी तीसरे पक्ष के ईईजड से गुजर रहे जहाज को निशाना बनाना यूनाइटेड नेशंस कन्वेंशन ऑन द लॉ ऑफ़ द सी (यूएनसीएलओएस) की भावना का उल्लंघन है। इसपर सैडलर ने कहा कि यह राष्ट्रीय नीति है। एक इंटरनेशनल कानून है और एक अमेरिका का घरेलू कानून है। कई बार लोग दोनों को मिलाने लगते हैं लेकिन वे बहुत अलग हैं। इंटरनेशनल कानून यानी यूएन कन्वेंशन और चार्टर में ऐसा कोई नियम नहीं है जो कहता हो कि कोई देश अपने बचाव के मकसद से अपने नेशनल इंटरेस्ट को आगे नहीं बढ़ा सकता। सैडलर का तर्क यूएन चार्टर के आर्टिकल 51 की एक खास व्याख्या पर आधारित है जो व्यक्तिगत या सामूहिक आत्मरक्षा के अंदरूनी अधिकार को मान्यता देता है।

एक सवाल ये है कि फारस की खाड़ी के फ्लैशपॉइंट से हजारों मील दूर हिंद महासागर में ईरानी युद्धपोत डेना पर हमला क्यों किया गया? इसपर सैडलर ने कहा कि जहाज ने अपना फ्लीट रिव्यू अपनी एक्सरसाइज पूरी कर ली थी और वो अभ्यास भारतीय नौसेना के साथ कर रहा था, जिसमें एंटी-सबमरीन वॉरफेयर और लाइव फायर थी।

पाकिस्तान के 80 फीसदी हथियार अब चीनी

ड्रैगन की गोद में बैठा पड़ोसी, एसआईपीआरआई रिपोर्ट भारत के लिए क्यों है खास?

इस्लामाबाद/बीजिंग, 9 मार्च (एजेंसियां)। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआईपीआरआई) की रिपोर्ट से पता चला है कि पाकिस्तान अब अपने 80 फीसदी हथियार चीन से खरीदता है। एसआईपीआरआई ने 2026 के लिए नई रिपोर्ट जारी की है, जिसमें 2025 में दुनियाभर में हुए हथियार सौदों पर फोकस किया गया है।

इस रिपोर्ट से पता चला है कि 2021–25 के बीच दुनिया के देशों के बीच बड़े हथियारों का ग्लोबल वॉल्यूम पिछले पांच साल के टाइमलाइन (2016–20) की तुलना में 9.2 प्रतिशत ज्यादा हुआ है। 2011-15 के मुकाबले ये सबसे बड़ी छलांग है।

एसआईपीआरआई रिपोर्ट से पता चलता है कि पाकिस्तान

अपनी परमाणु और पारंपरिक सैन्य क्षमताओं को लगातार बढ़ा रहा है और सेना का आधुनिकीकरण जारी है। लेकिन सिप्री रिपोर्ट से ये भी पता चलता है कि यूरोपीय देश यूक्रेन युद्ध से डरे हुए हैं और उन्होंने हथियारों की खरीद में भारी बढ़ोतरी की है। 2011-15 के मुकाबले 2021–25 के बीच यूरोपीय देशों की हथियार खरीददारी में 210 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

चीन पर पूर्ण निर्भरता- एसआईपीआरआई रिपोर्ट के मुताबिक 2021-2025 के बीच पाकिस्तान के कुल हथियार आयात में चीन की हिस्सेदारी बढ़कर 80% हो गई है जो 2016-2020 में 73% थी। ऐसा लग रहा है कि पाकिस्तान अब आंख मूंदकर चीनी हथियार खरीदता है। वहीं इसका दूसरा मतलब ये भी है कि पाकिस्तान को कोई दूसरा देश हथियार दे भी नहीं रहा है।

हथियार खरीदने में पांचवें नंबर पर पाकिस्तान- 2016–20 की तुलना में 2021–25 के दौरान पाकिस्तान के हथियारों के आयात में 66% की बढ़ोतरी हुई है। पाकिस्तान अब दुनिया के उन शीर्ष 5 देशों में शामिल है जो सबसे ज्यादा हथियार खरीदते हैं जिनमें पहले चार जगहों पर यूक्रेन, भारत, सऊदी अरब और कतर हैं। चीन के बाद पाकिस्तान के मुख्य सप्लायर तुर्की (7.0%) और नीदरलैंड (4.6%) हैं।

ईरान में 450 किलो यूरेनियम छीनने जाएंगे अमेरिकी कमांडो?

इजरायल के साथ मिलकर स्पेशल ऑपरेशन, ट्रंप की भारी भूल?

तेहरान/वॉशिंगटन, 9 मार्च (एजेंसियां)। ईरान पर पिछले एक हफ्ते से आसमान से बमबारी करने के बाद अब अमेरिका कमांडो ऑपरेशन करने की तैयारी में है। अमेरिकी खोजी वेबसाइट एक्सियोस ने इस बातचीत की जानकारी रखने वाले चार अधिकारियों के हवाले से इसकी जानकारी दी है। इन अधिकारियों के मुताबिक अमेरिका और इजरायली अधिकारी ईरान में घुसकर 450 किलो यूरेनियम छीनने के लिए कमांडो ऑपरेशन चलाने पर विचार कर रहे हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि उनका मुख्य मकसद ईरान के परमाणु हथियार बनाने की क्षमता को हमेशा के लिए खत्म करना है। ईरान के पास 450 किलो 60% एनरिच्ड यूरेनियम है। वैज्ञानिकों के

मुताबिक अगर ऐसा सच है तो कुछ हफ्तों में ही ईरान परमाणु बम बना सकता है। हालाकि अमेरिकी बमबारी में ईरान के परमाणु अड्डों जैसे फोर्डो और इस्फहान न्यूक्लियर प्लांट को भारी नुकसान पहुंचा है लेकिन उसने 450 किलो यूरेनियम अमेरिकी बमबारी से पहले ही छिपा लिया था।

बातचीत की जानकारी रखने वाले चार अधिकारियों के मुताबिक एनरिच्ड यूरेनियम को जब्त करने के लिए ईरान में सैनिकों को उतारना होगा। ईरान ने अंडरग्राउंड बंकरों में एनरिच्ड यूरेनियम छिपा रखे हैं। लेकिन सवाल ये है कि क्या ईरान के अंदर सैनिकों को उतारना अमेरिका और इजरायल की सबसे बड़ी भूल नहीं होगी? हालांकि सैनिकों को भेजने को लेकर कई बातों का अभी पता नहीं चल पाया है। जैसेः- कमांडो तब जाकर उतारे जाएंगे जब ईरान की सेना जमीन पर उतरने वाले सैनिकों के लिए खतरा नहीं होंगे। अमेरिकी कांग्रेस की ब्रीफिंग में क्या हुआ? मंगलवार को अमेरिकी कांग्रेस की एक ब्रीफिंग में सेक्रेटरी ऑफ स्टेट मार्को रुबियो से पूछा गया कि क्या ईरान का एनरिच्ड यूरेनियम सुरक्षित किया जाएगा। इसपर उन्होंने कहा कि लोगों को जाकर इसे लेना होगा लेकिन यह नहीं बताया कि जाने वाले लोग कौन होंगे? क्या ईरान भेजे जाएंगे वैज्ञानिक?

इजरायल के एक रक्षा अधिकारी ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप और उनकी कोर टीम एक खास मिशन को अंजाम देने के लिए ईरान में स्पेशल ऑपरेशन यूनिट भेजने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं।

ईरान का दावा- ट्रम्प को युद्ध के लिए उकसाया गया

तेल अवीव/तेहरान, 9 मार्च (एजेंसियां)। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने आरोप लगाया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को ईरान के खिलाफ युद्ध के लिए उकसाया गया। उनका दावा है कि अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मिलकर साजिश की। अराघची के मुताबिक ग्राहम हाल के हफ्तों में कई बार इजराइल गए और वहां की खुफिया एजेंसियों के अधिकारियों से मुलाकात की। इन बैठकों में ईरान से जुड़े मामलों पर चर्चा हुई।

अराघची का कहना है कि ग्राहम ने कहा था कि उन्हें इजराइल से ऐसी खुफिया जानकारी मिलती है जो कभी-कभी अमेरिकी सरकार भी शेयर नहीं करती। इसी जानकारी के आधार पर ट्रम्प को ईरान के खिलाफ कार्रवाई के लिए राजी किया गया।

अराघची ने यह भी आरोप लगाया कि ग्राहम ने इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू को सलाह दी कि वे ट्रम्प को ईरान के खिलाफ सैन्य कदम उठाने के लिए कैसे मना सकते हैं। अराघची ने कहा कि किसी भी देश में ऐसा करना देशद्रोह जैसा माना जाएगा।

सऊदी अरब के अल-खार्ज इलाके में रिहायशी परिसर पर मिसाइल गिरने से एक भारतीय और एक बांग्लादेशी नागरिक की मौत हो गई।

ईरान की मदद क्यों नहीं कर रहे हूती विद्रोही

9 दिन बाद भी जंग से दूर शिया लड़ाके, समर्थन में सिर्फ बयान दे रहे

तेहरान, 9 मार्च (एजेंसियां)। इजराइल और अमेरिका के ईरान पर हमले के बाद पूरे मिडिल ईस्ट में तनाव फैल गया है। इस जंग में ईरान, इजराइल,सऊदी, लेबनान, यूएई जैसे मिडिल ईस्ट के कुल 12 देश शामिल हो चुके हैं। हालांकि जंग के 9 दिन बीत जाने के बाद भी अब तक यमन इससे दूर है।

यमन में हूती विद्रोही रहते हैं जो कि ईरान के सहयोगी माने जाते हैं। अक्टूबर 2023 में गाजा जंग शुरू होने के बाद कई बार इजराइल और हूती विद्रोही एक-दूसरे पर हमला कर चुके हैं। पिछले साल जून में इजराइल और ईरान के बीच 12 दिन जंग चली थी, तब भी हूती विद्रोही इस जंग

में शामिल थे। हालांकि इस बार 28 फरवरी से जब अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर हमले शुरू किए, तब से अब तक हूती विद्रोहियों ने ईरान का समर्थन केवल बयानों के जरिए ही किया है। हालांकि यह साफ नहीं है कि वे आगे भी इस जंग से दूर रहेंगे या नहीं। अल जजीरा के मुताबिक एक्सपर्ट्स का यह मानना है कि हूती जंग में हिस्सा लेंगे। फिलहाल उनका इससे दूर रहना किसी रणनीति से जुड़ा हो सकता है।

मिडिल ईस्ट मामलों पर नजर रखने वाले लुका नेवोला ने अल जजीरा से कहा कि हूती विद्रोहियों की सबसे बड़ी प्राथमिकता यह है कि अमेरिका और इजराइल की सीधी जवाबी कार्रवाई से बचा जाए।

पिछले साल अगस्त में इजराइल ने यमन में हवाई हमले किए थे, जिनमें हूती सरकार के कम से कम 12 सीनियर मेंबर मारे गए थे। इनमें प्रधानमंत्री अहमद अल-रहावी और आर्मी चीफ मोहम्मद अल-घुमारी भी शामिल थे। यह हूती विद्रोहियों के लिए बहुत बड़ा नुकसान था। अमेरिका तथा इजराइल के साथ टकराव में उनकी सबसे बड़े नुकसान में से एक माना गया था।

बोरी में भरकर शराब बेचते दिखे युवक

कांग्रेस बोली- आमानाका चौपाटी असामाजिक तत्वों का डेरा बना

रायपुर, 9 मार्च (एजेंसियां)। रायपुर के आमानाका ओवरब्रिज के नीचे बनाई गई नई चौपाटी शुरू होने से पहले ही विवादों में घिर गई है। यहां खुलेआम अवैध तरीके से शराब बेचने का आरोप है। कांग्रेस ने वीडियो जारी किया है, जिसमें कुछ युवक बोरी में भरकर शराब बेचते नजर आ रहे हैं। इसके अलावा कई लोग वहां आकर शराब खरीदते भी दिखाई दे रहे हैं। जिन दुकानों में चौपाटी शुरू होनी थी, उन्हीं में अवैध तरीके से शराब बेचे जाने का आरोप है। कांग्रेस ने वीडियो जारी कर निगम प्रशासन पर गंभीर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस का कहना है कि चौपाटी असामाजिक तत्वों का डेरा बन चुका है। अवैध शराब बिक्री पर रोक लगाए जाए और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। एनआईटी चौपाटी को 21 नवंबर 2025 को भारी हंगामे के बीच आमानाका शिफ्ट किया गया था। उस दिन कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बुलडोजर के सामने बैठकर विरोध किया था। पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झूमाझटकी भी हुई थी। इस दौरान कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर सेंट्रल जेल भेजा गया था। विवादों के बीच पुरानी जगह से दुकानों को हटा दिया गया, लेकिन नई जगह अब तक पूरी तरह तैयार नहीं हो सकी है।

कालाष्टमी का व्रत
डेट, शुभ मुहूर्त और पूजा विधि

सनातन धर्म में हर माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि बड़ी विशेष मानी जाती है. ये तिथि भगवान शिव के रौद्र रूप काल भैरव देव को समर्पित की गई है. इस शुभ तिथि पर कालाष्टमी मनाई जाती है. कालाष्टमी के दिन काल भैरव देव की विशेष पूजा और भक्ति की जाती है. साथ ही इस दिन व्रत भी रखा जाता है. धार्मिक मान्यता है कि कालाष्टमी का व्रत और काल भैरव देव जी की पूजा करने से बड़े से बड़े संकट टल जाते हैं.

कालाष्टमी के व्रत के प्रभाव से जीवन में किसी भी प्रकार की कोई भी बाधा नहीं आती है। जीवन खुशहाल रहता है. जो लोग तंत्र साधना करते हैं वो कालाष्टमी के दिन काल भैरव देव की कठिन पूजा करते हैं. कठिन भक्ति से प्रसन्न होकर काल भैरव देव साधक को मनचाहा वरदान देते हैं. ऐसे में आइए जानते है कि मार्च माह में कब कालाष्टमी का व्रत रखा जाएगा? साथ ही जानते हैं इसकी डेट, शुभ मुहूर्त और पूजा विधि।

मार्च माह में चैत्र मास की कालाष्टमी पड़ेगी. वैदिक पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि की शुरुआत 11 मार्च को देर रात 01 बजकर 54 मिनट पर होगी. वहीं इस तिथि का समापन 12 मार्च को सुबह 04 बजकर 19 मिनट पर हो जाएगा. कालाष्टमी पर निशा काल में काल भैरव देव की पूजा की जाती है। इसलिए 11 मार्च को कालाष्टमी मनाई जाएगी और इसका व्रत किया जाएगा।

कालाष्टमी पूजा विधि

कालाष्टमी के दिन सबसे पहले सुबह स्नान करके साफ कपड़े पहनें।

इसके बाद पूजा स्थान पर दीपक जलाएं या काल भैरव के मंदिर जाएं।

भगवान काल भैरव को धूप, दीप, फूल और फल अर्पित करें.

भगवान काल भैरव का ध्यान करें. ॐ काल भैरवाय नमः मंत्र का जप करें. इस दिन उपवास रखें।

घर में काल भैरव की मूर्ति या चित्र न रखें।

मंदिर में जाकर ही पूजा करें।

इस दिन काले कुत्ते को भोजन अवश्य कराएं।

बाड़मेर का किराडू मंदिर
एक श्राप की वजह से शाम को इंसान बन जाता है पत्थर!

भारत में कई मंदिर हैं, जो अपने चमत्कार, वास्तुकला, ऐतिहासिक आदि खासियत के लिए जाने जाते हैं. लेकिन बाड़मेर के रेगिस्तान में एक ऐसा मंदिर है, जो अपने रहस्य, वास्तु और श्राप के लिए जाना जाता है. यहां शाम होते हैं लोग मंदिरों से निकलकर भाग जाते हैं और पूरा मंदिर वीरान हो जाता है. यह मंदिर है किराडू मंदिर. यह कोई साधारण मंदिर नहीं है, बल्कि पांच मंदिरों की एक ऐसी श्रृंखला है. जिसमें से एक भगवान विष्णु को और बाकी चार महादेव को समर्पित हैं. इस मंदिर की खासियत यह भी है कि किराडू मंदिर उत्तर भारत में होने के बाद भी दक्षिण भारत की शैली में बना हुआ है. आइए जानते हैं राजस्थान के इस रहस्यमयी मंदिर के बारे में...

राजस्थान का खजुराहो है यह मंदिर

इस मंदिर की खूबसूरती देखकर आपको लगेगा कि यह राजस्थान का खजुराहो है. हर दीवार, हर खंभा और हर छत पर नक्काशी इतनी अद्भुत है कि आप घंटों वहीं ठहरे रहना चाहेंगे. पांच मंदिरों के समुह में मुख्य मंदिर सोमेश्वर मंदिर है, जो भगवान शिव को समर्पित है. बाकी के चार मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है. मंदिर की काफी मूर्तियां टूटी हुई हैं क्योंकि हजारों साल पुराने इन मंदिरों में समय के साथ काफी बदलाव किए गए हैं. हालांकि इस मंदिर में शाम के बाद ठहरना वर्जित है. कहा जाता है कि कोई भी अगर रात तक रुका, वह वापस नहीं आया. लोगों का कहना है कि यह सब साधु के श्राप की वजह से है.

गुस्से में साधु ने दिया श्राप

स्थानीय लोगों का कहना है कि काफ़ी समय पहले एक साधु अपने शिष्यों के साथ किराडू आए. कुछ दिन वे वहीं रहे और फिर देश भ्रमण पर निकल पड़े लेकिन अचानक उनके शिष्य बीमार पड़ गए. गांव के लोग उनकी मदद नहीं करना चाहते थे लेकिन एक कुम्हारिन ने उनकी पूरी देखभाल की. जब साधु वापस आए और शिष्यों को इस हालत में देखा, तो उनका गुस्सा सातवें आसमान पर था. उन्होंने श्राप दिया कि जहां मानवता नहीं है, वहां के लोग भी ना रहें, जिसके बाद गांव के लोग पत्थर बन गए।

पत्थर में बदल जाता है इंसान

साधु ने उस कुम्हारिन को चेताया कि वह शाम से पहले वहां से निकल जाए और रास्ते में कभी पीछे मुड़कर ना देखे लेकिन जैसे ही वह कुम्हारिन पीछे मुड़ी, वह भी पत्थर में बदल गई. तभी से यह माना जाता है कि जो कोई भी यहां शाम के बाद रुका, वह पत्थर बन जाता है।

शाम में नहीं ठहरता कोई व्यक्ति

किराडू मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं है बल्कि एक रहस्यमयी व ऐतिहासिक अनुभव है. आज भी सुबह पूरा परिसर चहल-पहल वाला लगता है लेकिन जैसे ही शाम होती है, लोग जल्दी-जल्दी बाहर निकलने लगते हैं. कोई भी यहां शाम के बाद ठहरना नहीं चाहता.

दिन में दिखेगा रात जैसा नजारा
कब लगेगा दूसरा सूर्य ग्रहण?

साल 2026 खगोलीय घटनाओं के लिहाज से अब तक बहुत विशेष रहा है. इस साल में एक सूर्य और एक चंद्र ग्रहण लग चुका है. सूर्य ग्रहण 17 फरवरी को अमावस्या के दिन लगा था. वहीं चंद्र ग्रहण 03 मार्च को फाल्गुन पूर्णिमा पर लगा था. अब खगोलविदों और ज्योतिषियों की नजर साल के दूसरे सूर्य ग्रहण पर है. इस सूर्य ग्रहण में सूर्य चंद्रमा द्वारा पूरी तरह से ढक लिया जाएगा।

इससे प्रभावित इलाकों में दिन में ही अंधेरा हो जाएगा. इसे विज्ञान दुर्लभ और रोमांचक अवसर मान रहा है. ये एक लंबा सूर्य ग्रहण होगा. ऐसे में आइए जानते हैं कि साल का दूसरा सूर्य ग्रहण कब लगेगा और ये किन देशों में दिखाई देगा?

कब लगेगा साल का दूसरा सूर्य ग्रहण?

साल का यह दूसरा सूर्य ग्रहण 12 अगस्त 2026 की रात 9 बजकर 4 मिनट पर शुरू होगा. इस ग्रहण की समाप्ति अगले दिन यानी 13 अगस्त 2026 की सुबह 4 बजकर 25 मिनट पर होगी. ये एक 'कंकणाकृति' सूर्य ग्रहण होगा. ऐसे ग्रहण के दौरान सूर्य एक चमकती हुई अंगूठी की तरह नजर आता है।

भारत में नहीं आएगा नजर

ये सूर्य ग्रहण भारत में नजर नहीं आएगा. चूंकि जिस समय सूर्य को ग्रहण लगेगा, उस समय भारत में रात का समय होगा. ऐसे में इस सूर्य ग्रहण का सूतक भी भारत में मान्य नहीं होगा. क्योंकि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सूर्य ग्रहण से 12 घंटे पहले लगने वाला सूतक काल का प्रभाव तभी होता है जब ग्रहण दृश्यमान हो. ऐसे में सूर्य ग्रहण के दौरान भारत में मंदिर व दैनिक कार्य सामान्य रूप से चलते रहेंगे।

इन देशों में दिखेगा नजारा

यह सूर्य ग्रहण मुख्य रूप से पृथ्वी के उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों में नजर आएगा. ये सूर्य ग्रहण आर्कटिक, ग्रीनलैंड, आइसलैंड, अटलांटिक महासागर और उत्तरी स्पेन में पूर्ण रूप से नजर आएगा. वहीं, यूरोप के अधिकांश देशों जैसे फ्रांस, ब्रिटेन और इटली में यह आंशिक रूप से दिखाई देगा।

अगर आपकी हथेली के इस हिस्से में है तिल
तो कभी नहीं होगी धन दौलत की कमी!

हाथ और चेहरे पर तिल केवल शरीर की सुंदरता को नहीं बढ़ाते हैं, बल्कि सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, ये जीवन की कहानी भी कहते हैं. हाथ और चेहरे पर तिल भविष्य और भाग्य की झलक दिखाते हैं. आम धारणा है कि जिन लोगों के हथेली पर तिल होता है वो धन-संपत्ति और समाज में सम्मान पाते हैं. चेहरे पर तिल भी आर्थिक और व्यक्तिगत जीवन में सफलता का संकेत देता है।

वहीं जिन लोगों की हथेली के इस भाग में तिल होता है, उनको जीवन भर धन दौलत की कमी नहीं होती. ये लोग जीवन में हर सुख-सुविधा का उपभोग करते हैं. ऐसे में आइए जानते हैं कि हथेली के किस भाग में तिल होना सबसे शुभ माना गया है।

हथेली के बीच में तिल

हथेली के बीच में तिल होने को बेहद शुभ माना जाता है. ऐसा माना जाता है कि जिन लोगों की हथेली के बीच में तिल होता है, वो जीवन में जल्द धन और संपत्ति बनाते हैं. ये लोग समाज में भी सम्मानित होते हैं. जिन लोगों कीहथेली पर तिल हो और मुट्ठी बंद करने पर वह तिल छुप जाए, तो वो लोग बेहद भाग्यशाली माने जाते हैं. सामुद्रिक शास्त्र में इसे अनलिमिटेड पैसा पाने का संकेत माना गया है।

सात पुश्तों तक धन की कमी नहीं होती

जिन लोगों के दाहिने हाथ की हथेली पर तिल साफ, गहरा और उभरा हुआ होता है, तो ये बहुत विशेष माना जाता है. मान्यता है कि ऐसे लोगों के घरों में सात पुश्तों तक धन की कमी नहीं होती और इन लोगों को धन का संचय करने में भी आसानी रहती है. ऐसे लोग आर्थिक और मानसिक रूप से मजबूत होते हैं. इन पर माता लक्ष्मी की विशेष कृपा रहती है।

जिन लोगों की हथेली के ऊपर तिल होता है, उनको जीवन में उच्च पद और सम्मान प्राप्त होता है. ऐसे लोगों को खासकर सरकारी नौकरी में सफलता मिलती है।

14 या 15 मार्च कब से लग रहे हैं खरमास
शादियों से लेकर सभी मांगलिक कार्यक्रम हो जाएंगे बंद

सनातन धर्म में खरमास का बहुत महत्व माना जाता है. खरमास एक माह की अशुभ अवधि मानी जाती है, इसलिए इस दौरान शादी-विवाह, सगाई, गृह प्रवेश, नामकरण और मुंडन संस्कार जैसे शुभ और मांगलिक काम करने की मनाही होती है. खरमास साल में दो बार तब लगता है, जब ग्रहों के राजा भगवान सूर्य धनु और मीन राशि में प्रवेश करते हैं. मार्च के इस माह में खरमास लगने वाला है, लेकिन लोगों के मन में संशय है कि 14 या 15 मार्च आखिर खरमास कब से लग रहा है? आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं. साथ ही जानते हैं कि खरमास में शुभ काम क्यों नहीं किए जाते?

खरमास कब से शुरू हो रहा है?

ज्योतिष गणना अनुसार, आत्मा के कारक सूर्य देव इस साल 15 मार्च को कुंभ राशि से निकलेंगे और इसी दिन 01 बजकर 08 मिनट पर उनका प्रवेश मीन राशि में होगा. मीन राशि में सूर्य देव के प्रवेश करते ही 15 मार्च से खरमास की शुरुआत हो जाएगी. भगवान सूर्य के मीन राशि में प्रवेश करने

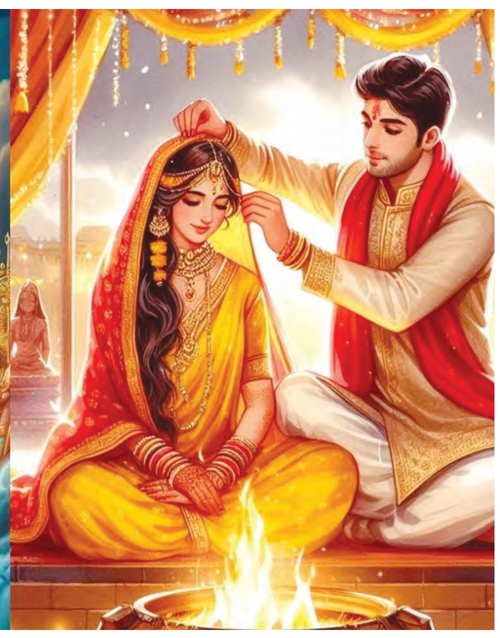

पर मीन संक्रांति का पर्व मनाया जाएगा. वहीं, 14 अप्रैल को खरमास का समापन होगा.

इस साल 15 मार्च से शादी-विवाह समेत तमाम शुभ और मागंलिक काम रोक दिए जाएंगे. यही नहीं खरमास के दौरान न किसी बिजनेस की शुरूआत की जाएगी और न ही नया प्रोजेक्ट शुरू किया जाएगा।

खरमास में क्यों नहीं होते शुभ काम?

ज्योतिष मान्यताओं और धर्म शास्त्रों के अनुसार, जब सूर्य देव का प्रवेश धनु या मीन राशि में होता है, तो उनकी गति और ऊर्जा थोड़ी मंद हो जाती है. इससे उनकी शुभता में कमी आ जाती है. धनु और मीन राशि का स्वामित्व गुरु बृहस्पति के पास है. सूर्य जब इन दोनों राशि में प्रवेश करते हैं, तो गुरु का प्रभाव भी कम हो जाता है. शुभ कार्यों को करने के लिए सूर्य और गुरु का शुभ होना जरूरी है. यही कारण है कि खरमास में तमाम तरह के शुभ और मांगलिक काम रोक दिए जाते हैं।

क्यों लगाते हैं मां शीतला को बासी खाने का भोग?

ऐसा कहा जाता है कि शीतला सप्तमी सर्दियों के खत्म होने का प्रतीक है। यह सर्दी के मौसम का आखिरी दिन माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, इस शुभ अवसर पर मां शीतला को बासी खाने का भोग लगाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि इससे मां खुश होती हैं और अपने भक्तों सुख-शांति, आरोग्य मुक्ति का वरदान देती हैं। ये भी कहा जाता है कि मां शीतला की पूजा से निरोगी काया का भी आशीर्वाद प्राप्त होता है।

शीतला सप्तमी पूजा विधि

सुबह जल्दी उठकर पवित्र स्नान करें।

अपने घर और पूजा कक्ष की सफाई करें।

गंगाजल से स्नान करवाएं

कुमकुम का तिलक लगाएं।

मां शीतला को सफेद फूलों की माला अर्पित करें।

देवी शीतला को मालपुआ, हलवे आदि का भोग लगाएं।

देसी घी का दीपक जलाएं।

शीतला चालीसा का पाठ करें।

आरती के साथ पूजा पूर्ण करें।

शीतला अष्टमी कल? डेट, शुभ मुहूर्त और पूजा विधि

शीतला अष्टमी का व्रत हर वर्ष चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि के दिन रखा जाता है. ऐसे में आइए जानते हैं कि इस साल शीतला अष्टमी का व्रत किस दिन रखा जाएगा?

सनातन धर्म में शीतला अष्टमी का विशेष महत्व माना जाता है. इस दिन माता शीतला का पूजन और व्रत किया जाता है. शीतला अष्टमी का व्रत हर वर्ष चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि के दिन रखा जाता है. इस व्रत को लोग बसौड़ा भी कहा करते हैं, क्योंकि इस व्रत में शीतला माता को बासी भोजन का भोग लगाया जाता है. ये परंपरा प्राचीन काल से चली आ रही है।

मान्यता है कि बासी भोग लगाने से माता अति प्रसन्न होती हैं. माता शीतला का व्रत और पूजन करने जीवन में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है. माता का व्रत और पूजन करने से आरोग्य का वरदान प्राप्त होता है. ऐसे में आइए जानते हैं कि इस साल शीतला अष्टमी का व्रत किस दिन रखा जाएगा? साथ ही जानते हैं शीतला अष्टमी का शुभ मुहूर्त और पूजा विधि।

शीतला अष्टमी कब है?

पंचांग के अनुसार, इस साल चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि की शुरुआत 11 मार्च को रात 01 बजकर 54 मिनट पर हो रही है. वहीं, इस तिथि का समापन अगले दिन 12 मार्च को सुबह 04 बजकर 19 मिनट पर होगा. ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, इस साल शीतला अष्टमी का व्रत 11 मार्च को रखा जाएगा।

शीतला अष्टमी पूजा शुभ मुहूर्त

शितला अष्टमी के दिन शुभ मुहूर्त में माता की पूजा करना विशेष फलदायी माना गया है. ऐसे में इस साल शीतला अष्टमी के दिन माता की पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 06 बजकर 36 मिनट से शुरू होगा. ये मुहूर्त शाम को 06 बजकर 27 मिनट तक रहेगा।

शीतला अष्टमी पूजा विधि

शीतला अष्टमी के दिन सुबह जल्दी उठकर पहले स्नान करें और फिर साफ वस्त्र धारण करें. इसके बाद भगवान सूर्य को जल चढ़ाएं. फिर घर के मंदिर में चौकी पर मां शीतला देवी की प्रतिमा या तस्वीर रखें. इसके बाद विधि-विधान से माता की पूजा करें. पूजा के दौरान माता के सामने दीपक और धूप जलाएं. माता को रोली, अक्षत और फूल चढ़ाएं. बासी भोजन का भोग अर्पित करें. व्रत कथा का पाठ करें. अंत में आरती से पूजा का समापन करें।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 10 मार्च - 2026

मध्य-पूर्व संकट और उसका वैश्विक राजनीतिक प्रभाव

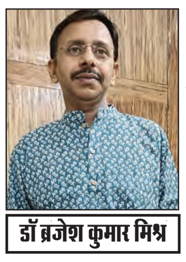

डॉ ब्रजेश कुमार मिश्र

अमेरिका और ईरान के बीच टकराव की जड़ें परमाणु कार्यक्रम, क्षेत्रीय शक्ति सन्तुलन तथा मध्य-पूर्व की राजनीति में निहित हैं। ईरान का परमाणु कार्यक्रम 1950 के दशक में शुरू हुआ था, लेकिन 2002 में गुप्त परमाणु प्रतिष्ठानों के उजागर होने के बाद अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय की चिन्ता बढ़ गई। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र, अमेरिका और यूरोपीय देशों ने ईरान पर कठोर आर्थिक प्रतिबन्ध लगाए। 2015 में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, रूस, चीन और जर्मनी ने ईरान के साथ जॉइंट कॉमप्रिहेन्सिव प्लान ऑफ एक्शन समझौता किया जिसके तहत ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने और अन्तर्राष्ट्रीय निरीक्षण स्वीकार करने पर सहमति दी। इसके बदले उस पर लगे कई आर्थिक प्रतिबन्ध हटाए गए किन्तु 2018 में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने अमेरिका को इस समझौते से अलग कर लिया और ईरान पर फिर से कठोर प्रतिबन्ध लगा दिए, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव तेजी से बढ़ गया।इसके बाद फारस की खाड़ी में तेल टैंकरों पर हमले, इराक और सीरिया में अमेरिकी ठिकानों पर रॉकेट हमले तथा क्षेत्रीय संघर्षों ने स्थिति को और अधिक जटिल बना दिया। 7 अक्टूबर 2023 को गाज़ा से शुरू हुआ यह संकट अब मध्य-पूर्व में एक व्यापक युद्ध का रूप ले चुका है। हमास द्वारा इज़रायल पर किए गए हमले के बाद शुरू हुई सैन्य कार्रवाई ने धीरे-धीरे पूरे क्षेत्र को ध्रुवीकृत कर दिया और इज़रायल-हमास संघर्ष ईरान-इज़रायल टकराव में बदलने लगा। इज़रायल का आरोप रहा है कि हमास, हिज़्बुल्लाह और यमन के हूती जैसे समूहों को ईरान का समर्थन प्राप्त है। गाज़ा युद्ध के बाद लेबनान सीमा पर झड़पें, लाल सागर में जहाजों पर हमले और ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर बढ़ते तनाव ने क्षेत्रीय अस्थिरता को और गहरा किया। अन्ततः 28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इज़रायल द्वारा ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमलों के साथ यह झड़प एक पूर्ण युद्ध में तब्दील हो गई।

मध्य-पूर्व में प्रति दिन बड़ी तेजी से स्थितियाँ बदल रही हैं। अमेरिका और इज़रायल ने ईरान के सैन्य और रणनीतिक ठिकानों के साथ-साथ लेबनान में हिज़्बुल्लाह के गढ़ों पर व्यापक हवाई हमले किए जिससे भारी तबाही और बड़े पैमाने पर जन-विस्थापन हुआ। विशेष रूप से बेरूत के दक्षिणी क्षेत्रों में इज़रायली हमलों के कारण लाखों लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े।ट्रम्प अब यह कह रहे हैं कि इस सैन्य अभियान का अन्त केवल ईरान के "बिना शर्त आत्मसमर्पण" से ही सम्भव है। वस्तुतः यह युद्ध अब एक नए चरण में प्रवेश कर रहा है। इज़रायल का कहना है कि उसके हमलों का लक्ष्य ईरान के मिसाइल ठिकाने, सैन्य कमांड केंद्र और हिज़्बुल्लाह के सैन्य ढांचे हैं।इसके जवाब में ईरान ने क्षेत्रीय प्रतिक्रिया देते हुए मिसाइल और ड्रोन हमले किए, जिनका लक्ष्य इज़रायल और खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकाने थे। कुवैत, क़तर, सऊदी अरब और बहरीन जैसे देशों में भी हमले किए गए क्योंकि वहां अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। इससे पूरा मध्य-पूर्व क्षेत्र युद्ध की चपेट में आता दिखाई दे रहा है।इस संघर्ष में बड़ी संख्या में लोग मारे गए और घायल हुए हैं, जबकि तेल आपूर्ति, अन्तर्राष्ट्रीय उड़ानों और वैश्विक बाजारों पर भी असर पड़ा है। संयुक्त राष्ट्र और कई अन्तर्राष्ट्रीय नेताओं ने इस संकट को रोकने और तनाव कम करने की अपील की है, क्योंकि यदि युद्ध लम्बा चला तो इसका प्रभाव पूरे विश्व की राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्था पर पड़ सकता है।

इस युद्ध का सबसे महत्त्वपूर्ण रणनीतिक आयाम फारस की खाड़ी में स्थित स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ है, जिसे वैश्विक ऊर्जा व्यापार की बड़ी कड़ी माना जाता है। यह संकीर्ण जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है और मध्य-पूर्व के प्रमुख तेल उत्पादक देशोंसऊदी अरब, इराक, कुवैत, कतर और संयुक्त अरब अमीरातके तेल निर्यात का मुख्य मार्ग है। यहाँ से प्रतिदिन लगभग 20 मिलियन बैरल तेल, यानी विश्व के कुल तेल व्यापार का लगभग पाँचवाँ हिस्सा, इसी मार्ग से होकर गुजरता है। इसलिए इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार का सैन्य तनाव तुरन्त वैश्विक ऊर्जा बाजार को प्रभावित करता है। यदि युद्ध के कारण इस मार्ग की सुरक्षा पर खतरा बढ़ता है या तेल टैंकरों की आवाजाही बाधित होती है, तो अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में तेज वृद्धि हो सकती है। इसका प्रभाव केवल ऊर्जा क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक महँगाई, परिवहन लागत और आर्थिक स्थिरता पर भी व्यापक असर पड़ सकता है।

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों ने केवल तेल आपूर्ति ही नहीं बल्कि वैश्विक डिजिटल अवसंरचना के लिए भी गम्भीर संकट पैदा कर दिया है। विशेष रूप से फारस की खाड़ी में स्थित स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ के आसपास समुद्र के नीचे बिछी इन्टरनेट केबलों की सुरक्षा को लेकर चिन्ता बढ़ गई है। यह क्षेत्र वैश्विक तेल परिवहन के साथ-साथ अन्तर्राष्ट्रीय डाटा संचार का भी एक महत्त्वपूर्ण मार्ग है। कई प्रमुख फाइबर-ऑप्टिक केबलें इसी समुद्री मार्ग से गुजरती हैं जो भारत सहित एशिया और मध्य-पूर्व के बीच डिजिटल कनेक्टिविटी का आधार बनाती हैं। ईरान इस क्षेत्र में अमेरिका और उसके सहयोगियों पर दबाव बनाने के लिए इसका इस्तेमाल कर सकता है। निःसंदेह इससे वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था और संचार नेटवर्क प्रभावित होगा। इस युद्ध के व्यापक भू-राजनीतिक प्रभाव हो सकते हैं और इस क्रम में रूस और चीन दोनों की भूमिका भी अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है क्योंकि यह युद्ध जितना लम्बा खिचेगा उसका फायदा रूस और चीन को मिलेगा क्योंकि रूस पहले से ही पश्चिमी देशों के साथ यूक्रेन युद्ध के कारण टकराव की स्थिति में है, इसलिए मध्य-पूर्व में उत्पन्न संकट उसके लिए कूटनीतिक अवसर प्रदान कर सकता है, जिससे उसे यूक्रेन पर बढ़त मिलेगी। रूस प्रत्यक्ष सैन्य हस्तक्षेप से बचते हुए ईरान को राजनीतिक और कूटनीतिक समर्थन या तो कर रहा है या करेगा, साथ ही संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर अमेरिकी नीतियों का विरोध भी करेगा। इस युद्ध से उत्पन्न ऊर्जा संकट से रूस को आर्थिक लाभ भी मिल सकता है. दूसरी ओर चीन की भूमिका मुख्यतः आर्थिक और ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ी हुई है। चीन दुनिया का सबसे बड़ा तेल आयातक है और उसकी ऊर्जा आपूर्ति का बड़ा हिस्सा मध्य-पूर्व से आता है। चीन के कुल कच्चे तेल आयात का लगभग आधा भाग इसी क्षेत्र से प्राप्त होता है, इसलिए क्षेत्रीय अस्थिरता सीधे उसकी अर्थव्यवस्था और औद्योगिक उत्पादन को प्रभावित कर सकती है। इसी कारण चीन आमतौर पर इस क्षेत्र में सैन्य हस्तक्षेप से बचते हुए स्थिरता और कूटनीतिक समाधान पर जोर देता है।

बीजिंग की रणनीति यह रही है कि वह मध्य-पूर्व में सभी पक्षोंईरान, सऊदी अरब, इज़रायल और खाड़ी देशोंके साथ सन्तुलित सम्बन्ध बनाए रखे, ताकि ऊर्जा आपूर्ति और व्यापारिक हित सुरक्षित रह सकें लेकिन इस बात की भी सम्भावना है कि आने वाले दिनों में उसकी निर्भरता इस हेतु रूस पर बढ़े लेकिन अमेरिका के यहाँ उलझे होने से उसे ताइवान पर भू-रणनीतिक बढ़त मिल सकती है क्योंकि चीन की फितरत हमेशा से चालाकी और धोखे की रही है।

संवैधानिक गरिमा पर सियासत

पश्चिम बंगाल में आयोजित इंटरनेशनल संथाल कॉन्क्लेव के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के दौरे से जुड़ा विवाद केवल प्रशासनिक चूक का मामला नहीं रह गया है। यह विवाद अब संवैधानिक मर्यादा, प्रोटोकॉल और चुनावी राजनीति के टकराव का प्रतीक बन चुका है। सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति को जब स्वयं कार्यक्रम की व्यवस्था और सम्मान को लेकर सार्वजनिक टिप्पणी करनी पड़े, तो यह स्थिति साधारण नहीं मानी जा सकती। विवाद की शुरुआत कार्यक्रम स्थल को अंतिम समय में बदलने से हुई। राज्य प्रशासन का तर्क है कि मूल स्थान पर भीड़ अधिक होने की आशंका थी, इसलिए स्थान परिवर्तन किया गया। लेकिन राष्ट्रपति ने स्वयं उस स्थान का निरीक्षण कर यह संकेत दिया कि वहां कार्यक्रम आयोजित किया जा सकता था। राष्ट्रपति का इस तरह सार्वजनिक रूप से असंतोष व्यक्त करना असामान्य है। यह पद ऐसे विवादों से दूरी बनाए रखता है। यही कारण है कि इस घटना ने देश की राजनीतिक और प्रशासनिक व्यवस्था दोनों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। राष्ट्रपति का पद राष्ट्रीय गरिमा का प्रतीक माना जाता है। यह पद दलगत राजनीति से ऊपर होता है और इसी कारण राष्ट्रपति के कार्यक्रमों को लेकर प्रोटोकॉल भी अत्यंत स्पष्ट और कठोर होते हैं। परंपरा यह रही है कि जब राष्ट्रपति किसी राज्य का दौरा करते हैं तो मुख्यमंत्री स्वयं उनका स्वागत करते हैं या उनकी ओर से कोई वरिष्ठ मंत्री उपस्थित रहता है। यदि इन प्रोटोकॉल का पालन नहीं हुआ, तो यह प्रशासनिक भूल नहीं बल्कि संवैधानिक शिष्टाचार की अनदेखी है। इस पूरे प्रकरण पर केंद्र सरकार ने राज्य सरकार से जवाब मांगा है। दूसरी ओर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी टीएमसी ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि किसी भी तरह का प्रोटोकॉल नहीं टूटा और इस मुद्दे को राजनीतिक रूप दिया जा रहा है। यह विवाद ऐसे समय सामने आया है जब पश्चिम बंगाल की राजनीति पहले से ही अत्यंत गर्म है। भाजपा और टीएमसी के बीच राजनीतिक टकराव अपने चरम पर है। ऐसे माहौल में किसी भी घटना का राजनीतिक अर्थ निकाल लेना स्वाभाविक है। राष्ट्रपति पद से जुड़ी किसी भी घटना को राजनीतिक लाभ या आरोप-प्रत्यारोप का माध्यम बनाना लोकतांत्रिक परंपराओं को कमजोर करता है। यह कार्यक्रम आदिवासी संथाल समुदाय से जुड़ा था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू स्वयं इसी समुदाय से आती हैं और उनकी उपस्थिति इस आयोजन के लिए विशेष महत्व रखती थी। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि अब चर्चा उस समुदाय के मुद्दों से हटकर पूरी तरह राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप में बदल गई है। इससे यह भी स्पष्ट है कि अक्सर सामाजिक और सांस्कृतिक मुद्दे राजनीति की भेंट चढ़ जाते हैं। इस घटना से सबसे बड़ा सबक प्रशासनिक जिम्मेदारी और संवैधानिक मर्यादा के महत्व का है। यदि राष्ट्रपति के दौरे से जुड़े सभी इंतजाम पहले से सावधानी और समन्वय के साथ किए गए होते, तो शायद यह विवाद पैदा ही नहीं होता। बड़े राष्ट्रीय कार्यक्रमों में अंतिम समय की अव्यवस्था केवल सरकारों की छवि को ही नहीं बल्कि देश की संस्थागत प्रतिष्ठा को भी प्रभावित करती है। ऐसे में यह आवश्यक है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष समीक्षा हो और यदि कहीं चूक हुई है तो उसकी जिम्मेदारी तय की जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि भविष्य में संवैधानिक पदों से जुड़े आयोजनों में ऐसी स्थिति दोबारा न बने। लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं चलता, बल्कि उसकी संस्थाओं के सम्मान और मर्यादा से भी मजबूत होता है। राष्ट्रपति का पद उसी मर्यादा का सर्वोच्च प्रतीक है।

समानता और शिक्षा की क्रांतिकारी मशालः सावित्रीबाई फुले

बाबूलाल नागा

भारतीय समाज में जब भी शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय की बात उठती है तो एक नाम इतिहास के पन्नों से निकलकर हमारे सामने खड़ा हो जाता है— सावित्रीबाई फुले। 10 मार्च को उनका महापरिनिर्वाण दिवस केवल श्रद्धांजलि देने का दिन नहीं है, बल्कि यह दिन उस सामाजिक चेतना को याद करने का अवसर है, जिसने सदियों से जकड़े भारतीय समाज को झकझोरने का साहस किया।

19वीं सदी का भारतीय समाज गहरे अंधविश्वास, जातिगत ऊंच-नीच और महिलाओं के प्रति भेदभाव से ग्रस्त था। महिलाओं को शिक्षा से वंचित रखा जाता था और समाज ने उनके लिए घर की चारदीवारी से बाहर निकलने के रास्ते लगभग बंद कर दिए थे। ऐसे दौर में सावित्रीबाई फुले ने अपने जीवन को सामाजिक परिवर्तन के संघर्ष में झोंक दिया। उनके साथ इस अभियान में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े थे महान समाज सुधारक ज्योतिबा फुले।

सावित्रीबाई फुले को भारत की पहली महिला शिक्षिका होने का गौरव प्राप्त है। वर्ष 1848 में उन्होंने पुणे में लड़कियों के लिए पहला विद्यालय शुरू किया। यह केवल एक स्कूल की शुरुआत नहीं थी, बल्कि उस मानसिकता के खिलाफ खुला विद्रोह था, जो मानती थी कि महिलाओं के लिए शिक्षा अनावश्यक है। जब सावित्रीबाई पढ़ाने के लिए घर से निकलती थीं, तो रास्ते में कट्टरपंथी लोग उन पर पत्थर, कीचड़ और गोबर तक फेंकते थे लेकिन वे न तो डरीं और न ही रुकीं। वे अतिरिक्त साड़ी साथ लेकर निकलती थीं, ताकि स्कूल पहुंचकर बदल सकें और बच्चियों को पढ़ाने का अपना संकल्प पूरा कर सकें। यह केवल साहस नहीं, बल्कि सामाजिक क्रांति का बीज था। सावित्रीबाई फुले का स्पष्ट विश्वास था कि शिक्षा ही वह हथियार है, जो समाज में फैले अज्ञान, भेदभाव और अन्याय को समाप्त कर सकता है। उन्होंने लड़कियों के साथ-साथ दलितों और वंचित वर्गों को भी शिक्षा से जोड़ने का अभियान चलाया। उस समय जब जातिगत भेदभाव समाज की गहरी जड़ों में समाया हुआ था, तब उन्होंने शिक्षा को समानता का माध्यम बनाया और समाज के सबसे वंचित वर्गों के लिए भी ज्ञान के द्वार खोलने का प्रयास किया।

सावित्रीबाई फुले का संघर्ष केवल शिक्षा तक सीमित नहीं था। उन्होंने बाल विवाह, विधवाओं के शोषण और महिलाओं पर होने वाले अत्याचारों के खिलाफ भी मुखर आवाज उठाई। उन्होंने विधवाओं के लिए आश्रय गृह शुरू किए और अनचाहे गर्भ से जन्म लेने वाले बच्चों की सुरक्षा के लिए भी व्यवस्था की। उस दौर में यह पहल केवल सामाजिक सुधार नहीं थी बल्कि मानवता के पक्ष में खड़ा होने का साहसिक निर्णय था।

वे एक संवेदनशील कवयित्री और लेखिका भी थीं। उनकी रचनाओं में शिक्षा, आत्मसम्मान और सामाजिक बराबरी की स्पष्ट पुकार सुनाई देती है। उनके शब्द केवल साहित्य नहीं थे बल्कि समाज को जगाने वाली चेतावनी थे। साल 1897 में पुणे में प्लेग की भयानक महामारी फैली। जब लोग संक्रमितों से दूरी बना रहे थे, तब सावित्रीबाई फुले बीमारों की सेवा में दिन-रात लगी रहीं। वे पीड़ितों को अपने कंधों पर उठाकर अस्पताल तक पहुंचाती थीं। इसी सेवा के दौरान वे स्वयं भी प्लेग की चपेट में आ गईं और 10 मार्च 1897 को उनका महापरिनिर्वाण हो गया। उनका जीवन और उनका बलिदान मानवता की सेवा का अद्वितीय उदाहरण है। आज जब हम सावित्रीबाई फुले को याद करते हैं, तो यह सवाल भी हमारे सामने खड़ा होता है कि क्या हम उनके सपनों का समाज बना पाए हैं? आज भी महिलाओं की शिक्षा, सम्मान और सुरक्षा के सवाल पूरी तरह समाप्त नहीं हुए हैं। सामाजिक असमानताएं आज भी कई रूपों में हमारे सामने मौजूद हैं।

घाना के युवा दुनिया में सबसे ज्यादा मजबूत

स्नेहा सिंह

सैपियंस लैब द्वारा किए गए 84 देशों के अध्ययन में भारत 60वें स्थान पर, अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस जैसे देश भी पीछे सब-सहारा अफ्रीका के अन्य छोटे, पिछड़े और गरीब देशों के युवा भी मानसिक स्थिति के मामले में ज्यादा मजबूत और आगे हैं। इस सूची में घाना पहले स्थान पर है, जबकि नाइजीरिया दूसरे और केन्या तीसरे स्थान पर आते हैं। जिम्बाब्वे चौथे और तंजानिया पांचवें स्थान पर आते हैं। बॉटम-10 देशों में विकसित देशों के नाम आते हैं। इस सूची में हांगकांग शीर्ष स्थान पर है। उसके बाद ताइवान दूसरे स्थान पर, जापान तीसरे, ब्रिटेन चौथे और चीन पांचवें स्थान पर हैं। ब्राजील छठे, यूक्रेन सातवें और किर्गिस्तान आठवें तथा न्यूजीलैंड नौवें और बांग्लादेश 10वें स्थान पर आते हैं। घाना में युवा परिवार के साथ ही रहते हैं। वे भाई-बहनों और रिश्तेदारों के साथ लगातार संपर्क में रहते हैं। वे अपने परिवार की मदद को प्राथमिकता देते हैं। दूसरी ओर यहां आध्यात्मिकता और धार्मिक जुड़ाव भी ज्यादा है। उसके कारण भी उन्हें मानसिक समर्थन मिल रहा है।

दुनिया भर में जो परिस्थितियां चल रही हैं और उसका असर दुनिया के लोगों पर जिस तरह पड़ रहा है, उसके संदर्भ में हाल ही में एक वैश्विक अध्ययन सामने आया है। सैपियंस लैब द्वारा हाल ही में 84 देशों के युवाओं पर एक अध्ययन किया गया था। 'ग्लोबल माइंड हेल्थ' नाम की इस रिपोर्ट में 18 वर्ष से 34 वर्ष के युवाओं की मानसिक स्थिति को समझने का प्रयास किया गया था। युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य के जो निष्कर्ष सामने आए, उन्होंने पूरी दुनिया को चौंका दिया है। यूथ मेंटल हेल्थ में घाना दुनिया में शीर्ष स्थान पर है। घाना के युवा, यानी जिन्हें यंग एडल्ट कहा जाता है, मजबूत मनोबल वाले और मानसिक रूप से स्वस्थ माने गए हैं। इस सूची में भारत के युवा काफी पीछे हैं। इस सूची में भारत 60वें स्थान पर आता है। दूसरी ओर अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, जर्मनी, चीन, जापान जैसे देश भी इस सूची में काफी पीछे हैं। जापान तो लगभग सबसे आखिरी स्थान पर ही आता है, ऐसा कहा जाता है। शोधकर्ताओं द्वारा मेंटल हेल्थ कॉन्सेप्ट के आधार पर हर देश को अंक दिए गए थे। इसमें घाना के अंक सबसे ज्यादा थे। इसमें बताया गया है कि ज्यादा आय और समृद्धि वाले देशों के युवाओं की मनोदशा कमजोर पाई गई। दूसरी ओर गरीब और संघर्ष करने वाले देशों के युवाओं का मनोबल अत्यंत मजबूत है।

जानकारों के अनुसार गरीबी, संघर्ष, पीड़ा और कठिनाइयों के बावजूद ये युवा आगे हैं। केवल घाना ही आगे है, ऐसा नहीं है। सब-सहारा अफ्रीका के अन्य छोटे, पिछड़े और गरीब देशों के युवा भी मानसिक स्थिति के मामले में ज्यादा मजबूत और आगे हैं। इस सूची में घाना पहले स्थान पर है, लेकिन नाइजीरिया, केन्या, तंजानिया जैसे देश भी ऊपर हैं। इस सूची में नाइजीरिया दूसरे स्थान पर है, जबकि केन्या तीसरे स्थान पर आता है। जिम्बाब्वे चौथे और तंजानिया पांचवें स्थान पर है। इन सभी देशों के अंक वैश्विक औसत से काफी ज्यादा हैं। वैश्विक औसत 38 है, जबकि इन देशों के अंक 50 से 60 के बीच हैं। इसके अलावा 40 वर्ष से ऊपर की उम्र के लोगों के मामले में तो 100 से भी ज्यादा अंक पाए गए हैं।

इसके अलावा टॉप-10 देशों में डोमिनिकन रिपब्लिक, इंडोनेशिया, फिलीपींस, रवांडा और इजराइल का भी समावेश है। दूसरी ओर सबसे कम अंक पाने वाले और सबसे नीचे आने वाले बॉटम-10 देशों में विकसित देशों के नाम आते हैं। इस सूची में हांगकांग शीर्ष स्थान पर है। उसके बाद ताइवान दूसरे स्थान पर, जापान तीसरे, ब्रिटेन चौथे और चीन पांचवें स्थान पर हैं। ब्राजील छठे, यूक्रेन सातवें और किर्गिस्तान आठवें तथा न्यूजीलैंड नौवें और बांग्लादेश 10वें स्थान पर आते हैं। औसत सूची देखें तो बेल्जियम और मेक्सिको 52वें स्थान पर आते हैं। इसी तरह फ्रांस और अमेरिका 58वें स्थान पर आते हैं। इसी तरह अफगानिस्तान, रूस और भारत इस सूची में 60वें स्थान पर हैं। कनाडा और पाकिस्तान इस सूची में 65वें स्थान पर आते हैं। इसके अलावा जर्मनी 71वें स्थान पर और आस्ट्रेलिया 74वें स्थान पर आता है। इन सभी बड़े देशों के युवा बड़ी मानसिक परेशानियों में फंसे हुए हैं। उनकी मानसिक स्थिति ज्यादा मजबूत नहीं है। जानकारों के अनुसार शोधकर्ताओं ने कुछ मापदंडों के आधार पर दुनिया के 84 देशों के युवाओं की मानसिक स्थिति का मूल्यांकन किया था। इसमें भावनात्मक, सामाजिक, संज्ञानात्मक और शारीरिक क्षमताओं को महत्व दिया गया था। इन मापदंडों के आधार पर घाना के युवाओं को 100 में से 54 अंक मिले। दूसरी ओर वैश्विक औसत केवल 36 है। शोधकर्ताओं के अनुसार घाना के लोगों सहित अफ्रीका के युवा आर्थिक, सामाजिक और अन्य चुनौतियों का सामना करते हुए भी उनमें हिम्मत, मनोबल और साहस ज्यादा है। उनके मजबूत सामुदायिक संबंध, कम उम्र में मोबाइल और अन्य स्मार्ट गैजेट्स से दूर रहना, सुरक्षा देने वाली सांस्कृतिक संरचना आदि के कारण वे मानसिक रूप से ज्यादा मजबूत और सक्षम हैं।

दूसरी ओर पश्चिमी देशों और विकसित देशों में बच्चे से लेकर युवा तक डिजिटल ओवरलोड का शिकार हैं और सोशल मीडिया आदि के कारण अकेलेपन के सबसे ज्यादा शिकार पाए गए हैं। समृद्ध देशों में अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड, टाक्सिन और कमजोर सामाजिक संबंधों के कारण पीढ़ी दर पीढ़ी मानसिक स्थिति कमजोर होती जा रही है। नई पीढ़ी मानसिक रूप से ज्यादा कमजोर होती जा रही है। वे बदलती परिस्थितियों, आर्थिक संकट, सामाजिक बहिष्कार या सामाजिक भेदभाव को स्वीकार नहीं कर पाते और उनमें जल्दी सामंजस्य भी नहीं बैठा पाते। इसके अलावा सोशल मीडिया के कारण लगातार संघर्ष, तुलना और अकेलेपन के कारण हीन भावना भी बढ़ गई है। इसके कारण उनका मानसिक दबाव भी बढ़ गया है। उल्लेखनीय है कि घाना के युवा आध्यात्मिक रूप से भी मजबूत जुड़ाव रखते हैं। इसके कारण उनकी मानसिक स्थिति भी ज्यादा मजबूत रहती है। वे निराशा, आत्महत्या के विचार और अकेलेपन से दूर रहते हैं तथा जीवन जीने के कौशल जल्दी सीखकर जीवन को बदलने का प्रयास करते हैं। यहां के युवा औसतन 18 वर्ष की उम्र में पहली बार स्मार्टफोन या स्मार्ट गैजेट लेते हैं।

दूसरी ओर विकसित देशों में यह उम्र 10 से 14 वर्ष है। स्मार्टफोन हाथ में आते ही आक्रामकता, अलगाव, अकेलापन और तुलना की भावना बढ़ने लगती है। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि घाना में मजबूत पारिवारिक और सामुदायिक संरचना है, जो युवाओं को मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखने में मदद करती है। मजबूत सामुदायिक जुड़ाव, सामाजिक समर्थन, तकनीक पर कम निर्भरता, स्वस्थ जीवनशैली और शारीरिक श्रम युवाओं को शारीरिक रूप से भी मजबूत बनाते हैं और उन्हें मानसिक रूप से भी अधिक सक्षम बनाते हैं। मूल बात यह है कि घाना पश्चिमी अफ्रीका का एक सुंदर और शांत देश है।

जेब में पलता अदृश्य ज़हरः सोशल मीडिया और युवा मन का संकट

आरके जैन

कभी मानव सभ्यता को खतरा बाहरी प्रदूषणों से था-धुएँ से, प्लास्टिक से, रसायनों से। पर आज सबसे घातक प्रदूषण हमारी जेब में रखा हुआ है-मोबाइल की चमकती स्क्रीन और उस पर दौड़ती सोशल मीडिया की दुनिया। यह प्रदूषण दिखाई नहीं देता, पर मन और चेतना को भीतर से क्षीण कर देता है। यह शरीर को नहीं, आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और आशा को खा जाता है। यही कारण है कि बीते कुछ वर्षों में युवाओं में अवसाद, अकेलापन और आत्महत्या की घटनाओं के पीछे सोशल मीडिया की भूमिका तेजी से चर्चा में आई है। यह तकनीक सुविधा का साधन बनकर आई थी, लेकिन अनियंत्रित उपयोग ने इसे मानसिक विष में बदल दिया है।

सोशल मीडिया का सबसे गहरा असर युवा मन की तुलना करने की प्रवृत्ति पर पड़ता है। यह मंच एक ऐसा आभासी संसार रच देता है जहाँ हर व्यक्ति अपनी जिंदगी का सबसे चमकदार पक्ष ही दिखाता है। महंगी कारें, शानदार यात्राएँ, आकर्षक चेहरे और लगातार मिलती सफलता-इन दृश्यों को देखकर एक सामान्य युवा अनजाने में स्वयं को असफल समझने लगता है। उसे लगने लगता है कि बाकी सब लोग जीवन की दौड़ में उससे बहुत आगे निकल चुके हैं। यही निरंतर तुलना धीरे-धीरे आत्मविश्वास को कमजोर कर देती है और व्यक्ति को भीतर से तोड़ने लगती है।

मनोवैज्ञानिक बताते हैं कि सोशल मीडिया पर मिलने वाली प्रतिक्रिया-लाइक, कमेंट और शेयर-एक प्रकार की मनोवैज्ञानिक लत पैदा करती है। हर बार जब किसी पोस्ट पर प्रतिक्रिया मिलती है, तो मस्तिष्क में डोपामिन नामक रसायन सक्रिय होता है, जो क्षणिक खुशी देता है। लेकिन यही खुशी व्यक्ति को बार-बार उसी प्रतिक्रिया की तलाश में बाँध देती है। जब अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिलती, तो निराशा और बेचैनी बढ़ जाती है। धीरे-धीरे यह मानसिक निर्भरता व्यक्ति के आत्मसम्मान को पूरी तरह बाहरी स्वीकृति पर आश्रित बना देती है।

इस समस्या का दूसरा गंभीर पक्ष है साइबर बुलिंग। सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी, लेकिन इसके साथ ही अपमान और उत्पीड़न के नए रास्ते भी खोल दिए। गुमनाम पहचान के पीछे छिपकर लोग दूसरों का मजाक उड़ाते हैं, अपमानजनक टिप्पणियाँ करते हैं या निजी तस्वीरों को वायरल कर देते हैं। किशोर और युवा उम्र में आत्मसम्मान बेहद संवेदनशील होता है; ऐसे में सार्वजनिक अपमान मानसिक आघात बन जाता है। कई मामलों में यह अपमान इतना गहरा होता है कि पीड़ित युवा स्वयं को समाज के सामने असहाय महसूस करने लगता है। एक और महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि सोशल मीडिया युवाओं के वास्तविक संबंधों को कमजोर कर रहा है। पहले दुख या तनाव के समय व्यक्ति परिवार, मित्रों या समाज के बीच समाधान खोजता था। अब वही व्यक्ति अपनी भावनाएँ स्क्रीन पर उकेर देता है। लेकिन वर्चुअल दुनिया में संवेदनशीलता का स्थान अक्सर प्रतिक्रिया और मनोरंजन ने ले लिया है। कई बार गंभीर पीड़ा को भी लोग हल्के में लेते हैं या उसे मजाक बना देते हैं। परिणामस्वरूप पीड़ित व्यक्ति और अधिक अकेला महसूस करता है। डिजिटल लत का प्रभाव युवाओं की दिनचर्या पर भी स्पष्ट दिखाई देता है। देर रात तक मोबाइल पर सक्रिय रहने से नींद प्रभावित होती है, जो मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद आवश्यक है। नींद की कमी से चिड़चिड़ापन, चिंता और ध्यान की कमी बढ़ती है। पढ़ाई, करियर और सामाजिक जीवन पर इसका नकारात्मक असर पड़ता है। जब व्यक्ति बार-बार असफलता या असंतुलन महसूस करता है, तो उसके भीतर निराशा की भावना और गहरी होने लगती है। सोशल मीडिया की एक और खतरनाक प्रवृत्ति है "परफेक्ट लाइफ" का भ्रम। यह मंच वास्तविक जीवन की जटिलताओं को छिपाकर केवल आकर्षक क्षणों को सामने लाता है। संघर्ष, असफलता और साधारण जीवन के पल लगभग गायब रहते हैं। परिणामस्वरूप देखने वाले युवाओं को लगता है कि बाकी सभी लोग खुश और सफल हैं, केवल वही संघर्ष कर रहे हैं। यही भ्रम धीरे-धीरे आत्मसम्मान को कमजोर करता है और जीवन के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण पैदा करता है।

हाल के वर्षों में कई देशों में किए गए अध्ययन यह संकेत देते हैं कि सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग और युवाओं में बढ़ती मानसिक समस्याओं के बीच स्पष्ट संबंध दिखाई देता है। चिंता, अवसाद, आत्महीनता और अकेलापन-ये सभी समस्याएँ अनियंत्रित सोशल मीडिया उपयोग से और बढ़ सकती हैं। जब व्यक्ति लगातार आभासी दुनिया में डूबा रहता है, तो वास्तविक जीवन की चुनौतियों से जूझने की उसकी क्षमता धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लगती है। इस समस्या का समाधान केवल तकनीक से दूरी बनाने में नहीं, बल्कि उसके विवेकपूर्ण उपयोग में छिपा है। युवाओं को यह समझाना आवश्यक है कि सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाली दुनिया पूरी सच्चाई नहीं होती। यह जीवन का केवल चुना हुआ और सजाया हुआ हिस्सा होता है। यदि युवा इस अंतर को समझ लें, तो वे तुलना और निराशा के जाल से बच सकते हैं। इसके साथ ही डिजिटल अनुशासन भी उतना ही आवश्यक है-सीमित समय तक उपयोग, नियमित विश्राम और वास्तविक जीवन की गतिविधियों में भागीदारी। परिवार और शिक्षा संस्थानों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सेल्फी का कुरुक्षेत्र

डॉ. सुरेश कुमार

आज के युग में 'मोक्ष' की परिभाषा बदल गई है। पहले लोग काशी जाकर देह त्यागते थे ताकि स्वर्ग मिले, अब लोग 'डिजिटल फुटप्रिंट' छोड़ने के लिए पहाड़ की चोटी पर जाकर सेल्फी लेते हैं ताकि 'लाइक' मिले। स्वर्ग का तो पता नहीं, पर 'क्लाउड' पर जगह पक्की हो जाती है।

हमारे मोहल्ले के गजाधर बाबू का बेटा 'पिंटू' आजकल इसी मोक्ष मार्ग का पथिक है। पिंटू के लिए उसका चेहरा कोई जैविक अंग नहीं, बल्कि एक 'कैनवस' है जिसे वह हर पंद्रह मिनट में 'फिल्टर' के कूची से पोतता रहता है। उसके चेहरे पर उतने भाव नहीं आते, जितने उसके फोन में 'ब्यूटी मोड' के विकल्प हैं। वह जब मुस्कुराता है, तो लगता है जैसे किसी पुराने जर्जर मकान पर नया डिस्टेंपर कर दिया गया हो।

पिंटू की सेल्फी साधना का चरम तब आया जब वह अपनी नानी के श्राद्ध में भी 'कैप्शन' ढूंढ रहा था। लोग वहाँ दुखी थे कि आत्मा का क्या होगा, और पिंटू इस चिंता में घुला जा रहा था कि 'ब्लैक एंड व्हाइट' फिल्टर में उसकी आँखों की नमी 'सिम्पथी' (सहानुभूति) ज्यादा बटोरेगी या 'उदासी'। उसने एक ऐसी फोटो खींची जिसमें वह आधा मुँह लटकाए खड़ा था-जैसे किसी ने उसकी पतलून खींच ली हो-और नीचे लिख दियाः

असली तमाशा तब हुआ जब गजाधर बाबू ने उसे फटकार लगाई। गजाधर बाबू पुराने जमाने के आदमी हैं, उनका मानना है कि दुःख में चेहरा सुजाना चाहिए, न कि उसे 'एंगल' देकर सुडौल बनाना चाहिए। उन्होंने कहा, अरे ओ कलुआ के अवतार! ये दांत क्या चियार रहा है?

नानी चली गई और तुझे रील की सूझ रही है? पिंटू ने बड़े दार्शनिक अंदाज में जवाब दिया, पिताजी, शोक मनाना 'आउटडेटेड' हो गया है। अब 'ट्रिब्यूट' देना पड़ता है। अगर फेसबुक पर नानी की फोटो नहीं डाली, तो यमराज भी कन्फ्यूज हो जाएंगे कि आत्मा को ले कहाँ जाना है! बात तब बढ़ गई जब पिंटू ने मोहल्ले की एक शादी में दूल्हे के साथ 'पाउटी' सेल्फी लेने की कोशिश की। दूल्हा बेचारा शेरवानी में ऐसा फंसा था जैसे कद्दू में सुई चुभो दी गई हो। पिंटू ने उसके कंधे पर हाथ रखा और अपने होठों को ऐसे सिकोड़ा जैसे अभी-अभी नींबू चाट लिया हो।

पूरा मोहल्ला हंस रहा था कि पिंटू की इस 'पाउट' वाली फोटो पर सबसे ज्यादा कमेंट्स आएंगे। फोटो क्लिक हुई, पिंटू ने बड़े गर्व से गैलरी खोली। पर जैसे ही उसने फोटो देखी, उसके चेहरे से 'फिल्टर' उड़ गया।

दरअसल, उस 'मोक्ष' के चक्कर में पिंटू ने ध्यान ही नहीं दिया कि जिस वक्त उसने फोटो खींची, पीछे से एक आवारा कुत्ता उसकी ब्रांडेड पैंट पर अपनी 'इलाकाई निशानदेही' (पेशाब) कर रहा था। अब फोटो में पिंटू का चेहरा 'सेलेब्रिटी' जैसा था और पैंट का गीलापन 'इम्प्योरिटी' जैसा। पिंटू अब इस उधेड़बुन में है कि इस फोटो को 'वाटर इफेक्ट' कहकर पोस्ट करे या पैंट को ही 'डिजिटल आर्ट' घोषित कर दे!

ज्यादा चीनी के सेवन से लिवर पर क्या असर होता है, कैसे बढ़ता है फैटी लिवर

कोल्ड ड्रिंक, पैक्ड जूस, एनर्जी ड्रिंक, मिठाइयां, बेकरी प्रोडक्ट और प्रोसेस्ड फूड में छिपी एक्स्ट्रा शुगर धीरे-धीरे शरीर के सबसे जरूरी अंगों में से एक लिवर को प्रभावित करने लगती है। जरूरत से अधिक चीनी के सेवन से फैटी लिवर, फाइब्रोसिस और डायबिटीज जैसी बीमारियां हो सकती हैं। हेल्दी डाइट और एक्टिव लाइफस्टाइल से इन रोगों से बचा जा सकता है।

आज की आधुनिक लाइफस्टाइल में चीनी का सेवन पहले की तुलना में कई गुना बढ़ गया है। लोग सोचते हैं कि ज्यादा मीठा खाने से केवल वजन बढ़ता है, लेकिन सच्चाई इससे कहीं ज्यादा गंभीर है। जरूरत से अधिक चीनी का सेवन लिवर से जुड़ी कई बीमारियों की जड़ बन सकता है। इसको लेकर आज के लेख में हम विस्तार से समझने का प्रयास करेंगे।

ज्यादा चीनी के सेवन से फैटी लिवर का खतराअधिक चीनी, खासकर फ्रक्टोज युक्त शुगर, सीधे लिवर में जाकर मेटाबोलाइज होती है। जब शरीर को जरूरत से ज्यादा शुगर मिलती है, तो लिवर उसे ऊर्जा में बदलने की बजाय फैट में बदलना शुरू कर देता है। यही अतिरिक्त फैट धीरे-धीरे लिवर में जमा होने लगता है। यह स्थिति नॉन-अल्कोहोलिक फैटी लिवर डिजीज कहलाती है।

यह बीमारी उन लोगों को भी होती है जो शराब का सेवन नहीं करते। शुरू में यह बीमारी 'साइलेंट' रहती है, यानी इसके कोई स्पष्ट लक्षण नहीं दिखते,

लिवर पर सीधा अटैक करती है चीनी

लेकिन समय के साथ यह लिवर की कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकती है और गंभीर जटिलताओं का कारण बन सकती है।

क्या ज्यादा चीनी लिवर को बीमार करती है

लगातार ज्यादा चीनी खाने से ब्लड शुगर का स्तर बढ़ा रहता है। इसे नियंत्रित करने के लिए शरीर अधिक इंसुलिन बनाता है। लेकिन जब यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है, तो कोशिकाएं इंसुलिन के प्रति कम संवेदनशील हो जाती हैं, इसे इंसुलिन रेजिस्टेंस कहा जाता है।

इंसुलिन रेजिस्टेंस के कारण लिवर में और ज्यादा फैट जमा होने लगता है। यह चक्र लगातार जारी रहता है- ज्यादा शुगर, ज्यादा इंसुलिन और ज्यादा फैट। यही स्थिति आगे चलकर टाइप 2 डायबिटीज और गंभीर फैटी लिवर की समस्या का कारण बन सकती है।

ज्यादा चीनी से सूजन और फाइब्रोसिस का रिस्क

जब लिवर में लंबे समय तक चर्बी जमा रहती है, तो वहां सूजन शुरू हो सकती है। इस स्थिति को नॉ न - अ ल को हो लि क स्टीटोहेपेटाइटिस कहा जाता है, जो का गंभीर रूप है। लगातार सूजन के कारण लिवर की कोशिकाएं क्षतिग्रस्त होने लगती हैं और उनकी जगह सख्त टिशू बनने लगते हैं। इसी प्रक्रिया को फाइब्रोसिस (Scarring) कहा जाता है।

यदि समय रहते ध्यान न दिया जाए, तो यही फाइब्रोसिस आगे चलकर लिवर सिरोसिस या लिवर फेलियर जैसी जानलेवा स्थिति में बदल सकता है। चिंताजनक बात यह है कि इस पूरी प्रक्रिया में शुरुआत में ज्यादा लक्षण नजर नहीं आते।

चीनी से बढ़ता है ट्राइग्लिसराइड्स का स्तर

अधिक चीनी का सेवन केवल लिवर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह खून में ट्राइग्लिसराइड्स के स्तर को भी बढ़ा देता है। ट्राइग्लिसराइड्स एक प्रकार का वसा है, जिसकी अधिक मात्रा हृदय रोगों के खतरे को कई गुना बढ़ा सकती है। जब उच्च ट्राइग्लिसराइड्स के साथ हाई ब्लड प्रेशर, पेट के आसपास चर्बी और बढ़ा हुआ ब्लड शुगर जुड़ जाते हैं, तो स्थिति मेटाबोलिक सिंड्रोम में बदल सकती है, जो दिल और लिवर दोनों के लिए गंभीर खतरा है।

रोजमर्रा के प्रोसेस्ड फूड, जैसे सॉस, ब्रेड, फ्लेवर्ड दही, सीरियल, एनर्जी बार और पैकेज्ड स्नैक्स में अतिरिक्त चीनी बड़ी मात्रा में मिलाई जाती है। फूड लेबल पर 'सुक्रोज, फ्रक्टोज, कॉर्न सिरप, माल्टोज' जैसे अलग-अलग नामों से यही चीनी छिपी रहती है, जिससे अनजाने में शरीर रोजाना जरूरत से कहीं अधिक शुगर ग्रहण कर लेता है।

ज्यादा चीनी खाना कैसे रोकें ?

लिवर को स्वस्थ रखने के लिए सबसे जरूरी है चीनी का संतुलित सेवन, इसके लिए-

शुगरी ड्रिंक्स की जगह सादा पानी, छाछ या बिना चीनी वाली ग्रीन टी का सेवन करें।

रोजाना 30-40 मिनट एक्सरसाइज करें और वजन को नियंत्रित रखें।

लिवर को हेल्दी रखने के लिए डाइट में फाइबर युक्त आहार शामिल करें।

समय-समय पर लिवर फंक्शन टेस्ट, लिपिड प्रोफाइल और ब्लड शुगर की जांच कराएं।

यदि परिवार में डायबिटीज या लिवर रोग का इतिहास है तो ज्यादा सतर्क रहें।

ज्यादा चीनी का सेवन केवल स्वाद की आदत नहीं, बल्कि एक छिपा हुआ स्वास्थ्य जोखिम है। संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और जागरूकता के जरिए ही फैटी लिवर, इंसुलिन रेजिस्टेंस और लिवर की गंभीर बीमारियों से बचाव संभव है।

अचानक से खुश हो जाना और रोने लगना बाइपोलर डिसऑर्डर की ओर है इशारा

रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया में हर सात में से एक व्यक्ति किसी न किसी मेंटल हेल्थ डिसऑर्डर से जूझ रहा होता है। इन्हीं में से एक बाइपोलर डिसऑर्डर भी है। मैं हमेशा लोगों को जागरूक करने की कोशिश करता हूं कि कैसे इसका सही समय पर उपचार शुरू न किया जाना, व्यक्ति के लिए सामान्य रूप से जीवन जीना भी चुनौती पूर्ण बना सकता है। टाइमली और सही इलाज के लिए सबसे पहले बाइपोलर डिसऑर्डर से जुड़े वॉर्निंग साइन्स को समझना बेहद अहम है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि महिलाओं और पुरुषों में इसके लक्षण अलग-अलग दिखाई दे सकते हैं।

बाइपोलर डिसऑर्डर क्या है ?

बाइपोलर डिसऑर्डर एक गंभीर मानसिक स्वास्थ्य स्थिति है, जिसमें व्यक्ति का मूड दो चरम अवस्थाओं में दिखाई दे सकता है। पहला मैनिक और दूसरा डिप्रेसिव। ये एपिसोड अलग-अलग या फिर साथ में भी दिखाई दे सकते हैं। ये व्यक्ति की सोच, व्यवहार, निर्णय क्षमता, रिश्तों और पेशेवर जीवन पर गहरा असर डालते हैं।

मैनिक एपिसोड

इस अवस्था में व्यक्ति काफी उत्साही, ऊर्जावान और आत्मविश्वास की अवस्था में रहता है। ऐसे में वो बिना सोचे-समझे जोखिम से भरे निर्णय ले सकता है।

डिप्रेसिव एपिसोड

इस अवस्था में व्यक्ति को गहरी उदासी और निराशा महसूस होती है। वो हमेशा थकान महसूस करता है और उसकी रुचि चीजों व जीवन के दूसरे पक्षों में कम होने लगती है। गंभीर स्थिति में व्यक्ति आत्महत्या

का कदम उठा सकता है।

बाइपोलर डिसऑर्डर के वॉर्निंग साइन्स

बाइपोलर डिसऑर्डर- मैनिक और डिप्रेसिव एपिसोड के संकेत

बाइपोलर डिसऑर्डर में दिखने वाले मूड में बदलाव हमेशा एक्सट्रीम होते हैं, इसलिए इन्हें महज मूड स्विंग्स के रूप में नहीं लिया जाना चाहिए। बल्कि इसके संकेतों को समझकर तुरंत पेशेवर मदद लें:

मैनिक एपिसोड के लक्षण

असामान्य रूप से ऊर्जावान

एक जगह स्थिर न रह पाना

बहुत अधिक बातूनी

नींद की कमी के बावजूद अति में सक्रिय बने रहना

तेजी से बोलना

दिमाग में विचारों का तेजी से चलते रहना

ओवर कॉन्फिडेंट महसूस करना

खुद को बहुत ज्यादा महान या शक्तिशाली समझना

जोखिम भरे फैसले लेना

डिप्रेसिव एपिसोड के लक्षण

लगातार उदासी बने रहना

अंदर से खालीपन महसूस होना

पहले पसंद आने वाली चीजों में भी रुचि कम होने लगना

नींद के पैटर्न में बड़े बदलाव आना

भूख लगने के पैटर्न में बदलाव दिखना

किसी भी चीज, बातचीत या विषय आदि पर फोकस न कर पाना

मन में हमेशा निराशा का भाव रहना

खुद को नुकसान पहुंचाने के विचार मन में आना

अगर ये लक्षण कई दिनों या हफ्तों तक किसी व्यक्ति में बने रहें और उसके रोजमर्रा के कामकाज, रिश्तों और पेशेवर जीवन पर इसका असर दिखना शुरू हो जाए, तो तुरंत जांच कराने की जरूरत है।

बाइपोलर डिसऑर्डर के कारण

बाइपोलर डिसऑर्डर के पीछे कोई एक कारण निश्चित नहीं होता है। इसके पीछे बायोलॉजिकल, जेनेटिक, और आस-पास का माहौल या बाहरी परिस्थितियां से जुड़े कारक हो सकते हैं। अगर परिवार में बाइपोलर या किसी अन्य प्रकार के मूड डिसऑर्डर की हिस्ट्री रही हो, तो इस मेंटल हेल्थ प्रॉब्लम के होने का जोखिम काफी बढ़ जाता है। ऐसा एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में जाने वाले जेनेटिक्स के कारण होता है।

इसके अलावा ब्रेन में मौजूद न्यूरोट्रांसमीटर जैसे डोपामिन और सेरोटोनिन के असंतुलन के कारण भी ये समस्या व्यक्ति में जन्म ले सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि ये केमिकल मैसेंजर मूड और इमोशन्स को नियंत्रित करते हैं। ऐसे में इनमें गड़बड़ी आना, बाइपोलर जैसे मूड डिसऑर्डर का कारण बन सकता है।

लंबा और गंभीर तनाव, ट्रॉमा, नींद की अत्यधिक कमी, या जीवन में कोई बड़ी घटना भी बाइपोलर को ट्रिगर कर सकती है। इसके अतिरिक्त शराब या नशीले पदार्थों का सेवन भी मूड को अनस्टेबल करता है और बाइपोलर के लक्षणों को जटिल बना सकता है।

कौन सा ऐज ग्रुप होता है बाइपोलर से ज्यादा प्रभावित?

बाइपोलर डिसऑर्डर ज्यादातर किशोरावस्था के अंतिम वर्षों या युवावस्था, यानी लगभग 18 से 30 वर्ष की आयु के बीच शुरू होता है। हालांकि, कुछ विशेष मामलों में ये बच्चों या मध्यम आयु वर्ग में भी दिखाई दे सकता है।

बाइपोलर से कौन सा जेंडर होता है ज्यादा प्रभावित?

इस मूड डिसऑर्डर से महिला और पुरुष दोनों प्रभावित होते हैं। हालांकि, दोनों में दिखने वाले लक्षण अलग-अलग हो सकते हैं। पुरुषों में ज्यादातर मैनिक एपिसोड देखने को मिलते हैं। जबकि महिलाओं में डिप्रेसिव एपिसोड और तेजी से मूड में बदलाव होता दिखना ज्यादा सामान्य है। प्रेग्नेंसी और पोस्टपार्टम के दौरान हार्मोन्स में होने वाले उतार-चढ़ाव के चलते महिलाओं के मूड में अस्थिरता काफी ज्यादा बढ़ जाती है।

रीढ़ की हड्डी का दर्द होगा दूर, रुटीन में शामिल करें ये योगासन

खराब लाइफस्टाइल के कारण आजकल कई तरह की बीमारियों का खतरा बढ़ने लगा है। इसके अलावा आलस्य के चलते लोग फिजिकल एक्टिविटी भी कम करते हैं और सारा दिन बैठकर निकाल देते हैं लेकिन इसका स्वास्थ्य पर बुरा असर होता है। सारा दिन एक ही जगह बैठकर कंप्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल और कंप्यूटर पर काम करने के कारण कमर में दर्द जैसी परेशानी होने लगती है। इसके अलावा जो लोग गलत तरह से बैठते हैं उनका पोश्चर बिगड़ने के कारण रीढ़ की हड्डी में दर्द हो सकता है। रीढ़ की हड्डी में होने वाले दर्द से छुटकारा पाने के लिए आप कुछ योगासन कर सकते हैं। आज आपको कुछ ऐसे योगासन बताते हैं जो रीढ़ की हड्डी में होने वाले दर्द से छुटकारा दिलवाएंगे।

आइए जानते हैं।

मकरासन

मकरासन करने के लिए पेट के बल लेट जाएं। फिर कुहनियों की सहारे सिर और कंधे को उठाएं और हथेलियों पर ठोड़ी को टिका दें। आंखों को बंद करते हुए पूरे शरीर को ढीला छोड़ दें। 5-10 मिनट इस आसन का अभ्यास करने के बाद वापिस इसी अवस्था में आ जाएं।

बलासन

यह आसन भी रीढ़ की हड्डी को मजबूत बनाने में मदद करता है। इसे करने के लिए सबसे पहले घुटनों के बल बैठ जाएं और फिर शरीर का सारा भार अपनी एड़ियों पर डालें। अब गहरी सांस लेते हुए आगे की ओर झुकें। इस दौरान ध्यान रखें कि आपका सीना जांघों को छूए और माथे से फर्श को छूने की कोशिश करें। कुछ सैकेंड तक इसी अवस्था में रहें और फिर वापिस आ जाएं।

भुजंगासन

रीढ़ की हड्डी के लिए भुजंगासन भी बहुत अच्छा माना जाता है। इसे करने के लिए सबसे पहले पेट के बल जमीन पर लेट जाएं। फिर दोनों पैर सीधे करके मिला लें। अब दोनों हाथों को चेहरे के सामने रख लें। दोनों हाथ की उंगलियों को पान का आकार दें।

उसी आकार में अपनी ठोड़ी को रखें। फिर सांस भरते हुए धीरे-धीरे दोनों हाथों को सीधा कर लें। कुछ समय तक ऐसी ही स्थिति में रुकें और फिर धीरे-धीरे सांस छोड़ते हुए अपनी स्थिति में आ जाएं।

ताड़ासन

इस आसन को करने के लिए सबसे पहले खड़े हो जाएं। फिर अपनी कमर और गर्दन सीधी रखें। फिर अपने हाथ को सिर के ऊपर ले जाएं और धीरे-धीरे सांस लेते हुए अपने शरीर को ऊपर की ओर खींचें। इस अवस्था में कुछ देर तक रहें और सांस खीचें। अब सांस छोड़ते हुए धीरे-धीरे अपने हाथ और शरीर को पहली वाली अवस्था में ले आएं। ऐसे ही कम से कम 3-4 बार करें।

किस वजह से ब्लॉक होती है पैरों की नसें, लक्षण और कारण

नसें शरीर के हर कोने में पोषण और ऑक्सीजन पहुंचाने का काम करती हैं परंतु जब इन्हीं में कुछ समस्या आ जाए या फिर किसी तरह का ब्लॉकेज हो जाए तो ब्लड सर्कुलेशन में रुकावट भी आने लगती है। खराब ब्लड सर्कुलेशन के कारण कुछ समस्याएं बढ़ सकती हैं। इसके अलावा पैरों में दर्द भी नसों में रुकावट और ब्लॉकेज का संकेत हो सकता है लेकिन दर्द के अलावा भी पैरों की नसें ब्लॉक होने पर कुछ लक्षण नजर आते हैं। तो चलिए जानते हैं इन लक्षणों के बारे में।

घुटने के आस-पास सूजन

नसों में ब्लॉकेज होने के कारण आपके घुटनें और उनके आस-पास की जगह में सूजन आने लगती है। कुछ लोगों के पूरे पैर में सूजन भी हो सकती है।

पैरों का ठंडा होना

जब पैर की नसों में ब्लॉकेज हो जाती है तो पैर और तलवे भी ठंडे पड़ जाते हैं। यह समस्या किसी भी मौसम में हो सकती है।

नसों का नीला पड़ना

जब ब्लड सर्कुलेशन अच्छी तरह से नहीं हो पाता तो भी नसें खराब होने लगती है। इसके कारण नसों का रंग काला या फिर नीला होने लगता है।

दर्द महसूस होना

नसें ब्लॉक होने के कारण पैरों में अकड़न और प्रभावित जगह को छूने पर भी आपको बहुत ज्यादा दर्द महसूस हो सकता है।

पैरों की नसें क्यों होती हैं ब्लॉक ?

पैरों की नसें ब्लॉक तब होती हैं जब नसों में ब्लड सर्कुलेशन या फिर रक्त संचार अच्छे से नहीं हो पाता। इस स्थिति में नसों में दबाव बनने लगता है और प्रेशर बढ़ने के कारण नसों को बहुत नुकसान होता है। इसके कारण पैरों में दर्द और अन्य समस्याएं होने लगती हैं।

ये कारण भी हो सकते हैं जिम्मेदार

. पैरों की नसों में कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ने के कारण भी यह ब्लॉक हो सकती हैं। . नींद की कमी के कारण यह समस्या दिख सकती है।

. डायबिटीज या फिर हाई ब्लड प्रेशर के कारण पैरों में नसें ब्लॉक होने लगती हैं। . यदि आप स्मोकिंग और तंबाकू का सेवन करते हैं तो भी पैरों की नसों में ब्लॉकेज होने लगती है।

किडनी को हेल्दी रखने के लिए डॉक्टर ने बताया ये तीन उपाय

हर साल विश्व किडनी दिवस मार्च महीने के दूसरे गुरुवार को मनाया जाता है। इस साल 12 मार्च को मनाया जाएगा। इस दिन का उद्देश्य लोगों को किडनी से जुड़ें रोगों के प्रति लोगों के बीच जागरूकता फैलाना है। आंकड़ों के मुताबिक हर साल किडनी से जुड़ी समस्याओं के मरीजों संख्या धीरे-धीरे बढ़ती जा रही है। ऐसा होने के पीछे का सबसे बड़ा कारण है खराब जीवनशैली और असंतुलित खान-पान है। इसकी वजह से किडनी फेलियर और किडनी स्टोन के मरीज बढ़ते जा रहे हैं।

ऐसे में सभी लोगों को अपने किडनी को हेल्दी रखने पर विशेष ध्यान देना चाहिए। इसी विषय पर हमने कुशिनगर के डॉक्टर रवि कुशवाहा से बात की। उन्होंने बताया कि किडनी हमारे शरीर का 'नेचुरल फिल्टर' है, जो खून से टॉक्सिन्स को बाहर निकालने और इलेक्ट्रोलाइट्स को संतुलित करने का महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

उन्होंने ये भी बताया कि अक्सर लोग किडनी की सेहत को तब तक नजरअंदाज करते हैं जब तक कि वह 70-80% तक खराब नहीं हो जाती है। डॉक्टर कुशवाहा के अनुसार इसके शुरुआती लक्षण बहुत साधारण होते जिसे लोग सामान्य पाचन और थकान की समस्या समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। उन्होंने बताया कि डायबिटीज और हाई बीपी किडनी खराब होने के दो सबसे बड़े कारण

हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर हम अपनी दिनचर्या में मात्र तीन बुनियादी बदलाव कर लें, तो किडनी से जुड़े जोखिम को कई गुना कम किया जा सकता है।

हाइड्रेशन और नमक के सेवन का सही संतुलन

दिन भर में पर्याप्त पानी पीना किडनी के टॉक्सिन्स को साफ करने में मदद करता है, इसलिए पर्याप्त पानी पीएं। बता दें कि जरूरत से ज्यादा पानी का सेवन भी किडनी पर अधिक दबाव डालता है, इसलिए दिनभर 2.5-3 लीटर पानी पीना चाहिए।

इसके साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि नमक का सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए।

असल में जरूरत से ज्यादा नमक का सेवन करना किडनी के लिए 'धीमे जहर' जैसा होता है, इसलिए दैनिक आहार में 5 ग्राम नमक का सेवन करना चाहिए।

खुद से पेनकिलर लेने से बचें

डॉ. कुशवाहा ने एक गंभीर चेतावनी देते हुए कहा कि सिरदर्द या बदन दर्द में अक्सर लोग धड़ल्ले से पेनकिलर्स लेते हैं जो किडनी डैमेज का एक बड़ा कारण है। इन दवाओं के नियमित सेवन से किडनी में ब्लड का फ्लो कम हो जाता है, जिससे 'एक्यूट किडनी इंजरी' का खतरा बढ़ जाता है।कोई भी दवा लेने से पहले डॉक्टर की सलाह लें और कोई भी समस्या होने पर लंबे समय तक खुद से उपचार करने से बचें।

नियमित जांच और शुगर-बीपी पर नियंत्रण

किडनी को सुरक्षित रखने का तीसरा सबसे प्रभावी तरीका है अपने ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर के लेवल को नियंत्रित रखना। डॉ. रवि कुशवाहा के मुताबिक हर 12 महीने में एक बार KFT (किडनी फंक्शन टेस्ट) और यूरिन टेस्ट जरूर कराएं, खासकर अगर आप शुगर या बीपी के मरीज हैं।

नियमित व्यायाम और वजन पर नियंत्रण रखने से किडनी पर पड़ने वाला मेटाबॉलिक बोझ कम होता है, जिससे वह बेहतर तरीके से कार्य कर पाती है।

डॉक्टर का विशेष सुझाव

विश्व किडनी दिवस पर डॉ. रवि कुशवाहा ने स्पष्ट कहा कि उपचार से बेहतर बचाव है। किडनी की बीमारियां अक्सर 'साइलेंट किलर' होती हैं, इसलिए प्यास लगने का इंतजार न करें, पर्याप्त पानी पीएं और अपने शरीर के संकेतों को समझें। स्वस्थ खान-पान, पर्याप्त नींद और तनाव मुक्त जीवनशैली अपनाकर आप अपनी किडनी को दशकों तक सुरक्षित रख सकते हैं।

गाउट का आयुर्वेद में उपचार

प्रश्न. मेरी उम्र 40 वर्ष है। पिछले दो माह से पीठ के दर्द से पीड़ित हूं। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- बालमुकुंद गुप्त, हैदराबाद

उत्तर. पीठ का दर्द कई कारणों से हो सकता है। जन्मजात विकृतियां, उठने बैठने के ढंग में खराबी, कमजोर मांस पेशिया , कंडराओ में अकड़न या सूजन, व्यायाम का अभाव, भोजन में पोषक तत्वों की कमी, बचपन में पीठ पर चोट लगना, वात वृद्धि आदि कारणों से पीठ में दर्द हो सकता है।

आप जिस स्कूटर या मोटरसाइकिल का प्रयोग करते हैं यदि उसके शाक अब्जॉर्बर खराब हो गए हो तभी भी कंधे व पीठ में दर्द संभव है। ज्यादा झुक कर कार्य करना,एक हाथ से वजन उठाना घंटों एक ही आसन में बैठे रहना भी पीठ के दर्द को बढ़ा सकता है।

पीठ पर रूमाटाइज तेल या उंझा महानारायण तेल की मालिश करें। रूमाटाइज टीकिया, उंझा महायोगराज गुग्गुलु व उंझा वातगजांकुश रस की टिकिया दिन में तीन बार भोजन के बाद लेवे। उंझा अश्वगंधारिष्ट,उंझा दशमूलारिष्ट 10– 10 मिलीलीटर दवा को दुगने पानी में मिलाकर भोजन के बाद लेवे। नित्य हल्का व्यायाम करें, टहले व सदा प्रसन्नचित्त रहें। गरिष्ठ भोजन, वातकारक आहार,कंदमूल (आलू, रतालू,अरबी,मूली आदि) का सेवन एवम् रात्रिजागरण ना करें। बासी खाद्याअन्न व ठंडा पेय,आइसक्रीम आदि के सेवन से बचें।

प्रश्न : मेरी उम्र 32 वर्ष है। डॉक्टरों के अनुसार मुझे गाउट है। उंगलियों और जोड़ों में बहुत दर्द होता है। कृपा कर इसका आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- श्रीमती शांता वर्मा, करीमनगर

उत्तर : आयुर्वेद में गाउट को वातरक्त कहते हैं। सामान्य भाषा में गठिया रोग कहते हैं । इसमें और संधिवात में सबसे बड़ा फर्क है सिरम यूरिक एसिड के स्तर का बढ़ना। वात रक्त में रक्त में यूरिक एसिड का स्तर स्त्रियों में 7 से ऊपर यदि रहता है तो यूरिक एसिड के क्रिस्टल जोड़ों में जमा होने लगते हैं और काफी दर्द होने लगता है। शरीर में यूरिक एसिड बढ़ने की वजह से गुर्दे का शरीर में मौजूद यूरिक एसिड को पेशाब के जरिए शरीर के बाहर नहीं निकल पाना है । कई तरह के पदार्थ जैसेः सभी प्रकार की दालें , डिब्बे वाले जूस, मांसाहारी भोजन, सीफूड, मशरूम ,मटर बीन्स आदि यूरिक एसिड को बढ़ाते हैं। अतः इन से दूर रहें। जैतून तेल, ईसबगोल, ओट्स ,टमाटर ,अंगूर, चेरी ,मेवे, कद्दू, तुरई , घीया, खीरा, करेले, भिंडी, कुंदूरु, परवल, पुराने चावल, जवारी, गेहूं आदि का प्रयोग गाउट में हितकारी है। ऊंझा अमृता गुग्गुलु, ऊंझा कै शौ र गुग्गुलु, ऊं झा

संशमनी वटी ,ऊंझा अमृतारिष्ट आदि का प्रयोग वात रक्त में उपयोगी है। गिलोय - तुलसी रस निराहार सुबह और भोजन के पहले संध्या को 30 मिलीलीटर की मात्रा में दोगुने पानी के साथ मिलाकर प्रयोग करते रहने से वात रक्त पूरा ठीक होता है।

प्रश्न : मेरी उम्र 30 वर्ष है। मुझे नजले की शिकायत है । नाक हमेशा बहती रहती है। नाक से पीले रंग का गाढा रेशे जैसा तरल पदार्थ निकलता रहता है । सिर व आंखों में भी दर्द रहता है। कृपया उपचार बताएं।

- गोविंद नारायण, वारंगल

उत्तर : नजला या दुकान आयुर्वेद का 'प्रतिश्याय' रोग है। इसमें नाक बहना , छींके आना , सर्दी लगकर बुखार आना, नाक में संक्रमण होना, नाक में सूजन आना, नाक बंद रहना या नासामल से भरी रहना, सिर व आंखों में भारीपन के साथ दर्द होना- यह सब प्रतिश्याय के लक्षण हैं।

साधारण औषधि योग में त्रिकटु चूर्ण (सोंठ , काली मिर्च एवं पिपली का समभाग चूर्ण) सबसे सरल व कारगर योग है ।इसे 2 से 3 ग्राम की मात्रा में शहद में मिलाकर लेने से लाभ मिलता है। ऊंझा लक्ष्मी विलास रस की गोली को सादे पान के पत्ते में रखकर खाने से भी नजला ठीक होता है। ऊंझा चौंसठ प्रहरी पीपल टिकिया, ऊंझा काफकेतु रस के संग ऊंझा चंद्रामृत रस टिकिया को गुनगुने पानी से देना परम गुणकारी नतीजे देता है। भोजन के बाद द्राक्षारिष्ट को 15 से 20 मिलीलीटर की मात्रा में समभाग गुनगुने पानी में मिलाकर पीने से सर्दी जुकाम के पार्श्व प्रभाव जल्दी ही ठीक हो जाते हैं। इसमें खासकर ठंडी चीजों एवं कफ वर्धक आहार - विहार से बचें। तेज धूप से आते ही तुरंत पानी नहीं पीना चाहिए । थोड़ी देर ठहर कर पसीना सूखने के बाद ही पानी पीना चाहिए।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

फिल्ममेकर पर भड़कीं तृषा कृष्णन : थलापति विजय से नाम जुड़ने पर आपत्तिजनक कमेंट किया, एक्ट्रेस की फटकार के बाद माफी मांगी

साउथ एक्ट्रेस तृषा कृष्णन इन दिनों थलापति विजय से नाम जुड़ने से सुर्खियों में हैं। तलाक की खबरों के बीच ही थलापति विजय, तृषा के साथ एक वेडिंग रिसेप्शन का हिस्सा बने थे, जिस पर अब विवाद हो गया है। एक फिल्ममेकर आर.पार्थिबन ने एक्ट्रेस की तस्वीर देखकर कहा था कि उन्हें कुछ दिनों तक घर पर ही रहना चाहिए। इस पर अब एक्ट्रेस भड़क गई हैं।

तृषा ने हाल ही में आधिकारिक पहले ट्विटर से बिना किसी का नाम लिए फिल्ममेकर पार्थिबन को फटकारते हुए लिखा, 'मुझे हाल ही में हुए एक इवेंट के ऑर्गेनाइजर द्वारा बताया गया कि मेरा नाम और मेरी तस्वीर आखिरी समय पर एक व्यक्ति के अनुरोध पर, उसके सहायक के माध्यम से, शामिल की गई थी। माइक पर बोलने से कोई बात समझदार या मजेदार नहीं बन जाती, वह सिर्फ बेवकूफी को जोर से सुनाता है। बिना जानकारी के कही गई बुरी बातें सामने वाले के बारे में नहीं, बल्कि बोलने वाले के बारे में ज्यादा बताती हैं।'

जानिए क्या था फिल्ममेकर का बयान

आर.पार्थिबन हाल ही में बाफ्टा अवॉर्ड में पहुंचे थे। इस दौरान उनसे उन एक्टर्स के बारे में सवाल किए गए जिनके साथ वो पहले काम कर चुके हैं। ये सवाल तस्वीरें दिखाकर किए गए थे। जैसे ही उन्हें तृषा कृष्णन की तस्वीर दिखाई गई, तो उन्होंने हाल ही में विजय के साथ वायरल तस्वीरों पर तंज कसते हुए कहा, 'इसे कुछ दिनों तक घर पर ही रखना चाहिए, अगर वो बाहर न निकले तो ज्यादा अच्छा होगा, क्योंकि इससे बहुत सारी समस्याएं हो रही हैं।'

फिल्ममेकर ने मांगी माफी

तृषा की पोस्ट सामने आने के बाद आर.पार्थिबन ने आधिकारिक तौर पर माफी मांगी है। उन्होंने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से लिखा है, 'क्या हो गया? सब कुछ गलत हो गया है। अब कोई रास्ता नहीं बचा, सिवाय पछताने के।'

जूनियर एनटीआर के फैंस पर पुलिस का लाठीचार्ज बेंगलुरु अस्पताल पहुंचे एक्टर की एक झलक के लिए तोड़फोड़

एक्टर जूनियर एनटीआर एक अस्पताल के उद्घाटन में बेंगलुरु पहुंचे। वहां फैंस ने उन्हें बुरी तरह घेर लिया। एक झलक पाने के लिए परिसर में घुस गए और कई चीजों का नुकसान कर दिया। फिर पुलिस ने दखल दिया और लाठीचार्ज की।

साउथ एक्टर जूनियर एनटीआर के आईएमएस सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के इनॉग्रेशन में शामिल होने के लिए 8 मार्च को बेंगलुरु गए थे। अब उनके पहुंचने पर लोगों की भारी भीड़ भी वहां इकट्ठा हो गई। जिससे काफी अफर-तफरी का माहौल पैदा हो गया। उन्हें क्रंटोल करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें फैंस एक्टर की एक झलक पाने के लिए बेताब नजर आ रहे हैं।

ये कोई नई बात नहीं कि किसी एक्टर को देखने के लिए लागों का हुजूम उमड़ पड़ा हो। अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा 2' का प्रीमियर हो या फिर थलपति विजय की रैली, सभी जगह जनता हजारों की संख्या में पहुंचे हैं और वहां गंभीर हादसे भी हुए हैं। अब जूनियर एनटीआर को भी ऐसा ही फेस करना पड़ा। जब वह अस्पताल पहुंचे तो भीड़ परिसर में घुस गई और एस्केलेटर तक तोड़ दिया। बिल्डिंग में भी अफर-तफरी मच गई।

जूनियर एनटीआर को अस्पताल में लोगों ने घेरा

वायरल हो रही क्लिप में जूनियर एनटीआर को उस भीड़ से सुरक्षित निकालने के लिए उनकी सिक्योरिटी टीम को भी काफी मशक्कत करते देखा गया। लोकल रिपोर्ट्स के मुताबिक, जब स्थिति कंट्रोल में नहीं आई, तब पुलिस को इसमें दखल देना पड़ा और उन्होंने फैंस से परिसर खाली कराने के लिए लाठीचार्ज भी किया। अब वीडियो देखने के बाद लोगों ने आलोचना भी की।

वीडियो पर लोगों का रिएक्शन घटना का वीडियो देखने के बाद एक यूजर ने लिखा, 'दुनिया का सबसे बेकार फैनडम।' एक ने लिखा, 'इतने सारे लोगों को अस्पताल में घुसने ही कैसे दिया?' एक ने लिखा, 'जब घर की छत से पत्थर फेंके गए थे, तब कोई नहीं आया।' एक ने लिखा, 'भीड़ बौरा गई है।'

जूनियर एनटीआर की आने वाली फिल्म

जूनियर एनटीआर के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह RRR की सफलता के बाद फिल्म 'वॉर 2' में नजर आए थे। 2025 में रिलीज हुई इस मूवी में उन्होंने रघु विक्रम चेलापति का रोल किा था। इसके बाद वह अब 'ड्रैगन' फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। इसका डायरेक्शन प्रशांत नील कर रहे हैं। ये एक एक्शन-ड्रामा मूवी है, जो 25 जून 2026 को रिलीज हो सकती है।

सिंगर रिहाना के घर पर बरसी गोलियां, संदिग्ध महिला अरेस्ट, सलमान-रोहित शेट्टी वाले स्टाइल में फायरिंग

पिछले कुछ समय में बॉलीवुड सितारों के घर पर हुए फायरिंग के बाद अब हॉलीवुड स्टार के घर पर भी एक ऐसी ही फायरिंग की घटना सामने आई है। कहा जा रहा है कि हॉलीवुड की पॉप्युलर सिंगर रिहाना के घर के बाहर गोलीबारी की गई। बताया जा रहा है कि पॉप स्टार रिहाना के बेवर्ली हिल्स स्थित घर के बाहर एक महिला ने कई गोलियां चलाईं। इस दौरान एक गोली घर की दीवार से आर-पार होने की भी बात सामने आई है।

अप्रैल 2024 में सलमान खान के बांद्रा स्थित घर 'गैलेक्सी अपार्टमेंट' पर गोलीबारी के बाद कपिल शर्मा के रेस्टोरेंट और रोहित शेट्टी के घर पर भी निशाना साधा गया था। फायरिंग के वक्त सलमान और रोहित शेट्टी अपने-अपने घर पर ही मौजूद थे और रिहाना के मामले में भी यही बात सामने आई। अब 'लॉस एंजिल्स टाइम्स' और 'एनबीसी4' ने लॉस एंजिल्स पुलिस के हवाले से बताया कि रिहाना के घर फायरिंग मामले में अधिकारियों ने एक संदिग्ध महिला को हिरासत में लिया है। ये घटना वहां के समय से रविवार दोपहर 1:21 बजे हुई और इस मामले में जांच में जुटी पुलिस ने एक 30 वर्षीय महिला को हिरासत में लिया है।

फायरिंग के दौरान रिहाना अपने घर पर मौजूद थीं

एक सूत्र के हवाले से बताया कि रिहाना उस समय अपने घर पर मौजूद थीं। हालांकि, इस घटना में किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है। अखबार को मिली जानकारी के मुताबिक रिहाना के घर के बाहर गेट के सामने सड़क के दूसरी साइड खड़ी एक गाड़ी से ताबड़तोड़ 10 गोलियां चलाई गईं।

कपिल के कनाडा में कपिल शर्मा के 'कैप्स कैफे' पर भी फायरिंग

रिहाना के घर पर इस अटैक के पीछे की वजह का अभी पता नहीं लग पाया है। वहीं बता दें कि सलमान खान के घर अज्ञात हमलावरों ने फायरिंग की थी जिसके बाद उनकी सिक्यॉरिटी काफी कड़ी कर दी गई है। सलमान के घर पर हुए इस हमले की जिम्मेदारी लॉरेंस विश्नोई के भाई अनमोल विश्नोई ने ली। वहीं कपिल के कनाडा में कपिल शर्मा के 'कैप्स कैफे' पर भी फायरिंग हुई थी । जांच में पता चला है कि बंधु मान सिंह सेखों गैंगस्टर गोल्डी बराड़ का ही साथी है।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े हैं तार

उनके कैफे पर तीन बार फायरिंग हुई थी जिसकी जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े गोल्डी ढिल्लों और कुलवीर सिद्धू नेपाली ने ली है।

इसके बाद 31 जनवरी 2026 की रात मुंबई, जुहू स्थित डायरेक्टर रोहित शेट्टी के घर पर फा.रिंग हुई। बताया गया कि ये फायरिंग रंगदारी (फिरौती) के मकसद से की गई, जिसमें लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े शुभम लोनकर गैंग का हाथ सामने आया है।

स्वरा भास्कर का उत्तम नगर मर्डर पर फूटा गुस्सा, 'संघी ईकोसिस्टम' पर भड़कीं, कहा- ये भयानक और शर्मनाक

राजधानी दिल्ली के उत्तम नगर में होली के दिन 4 मार्च को 26 साल के तरुण खाटिक को पीट-पीटकर मार डाला गया। इस घटना ने हर किसी को झकझोर दिया। सोशल मीडिया पर सभी इस पर अपनी-अपनी राय साझा कर रहे हैं। गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। स्वरा भास्कर ने भी अब एक्स हैंडल पर एक लंबा पोस्ट करके अपनी भड़ास निकाली है।

स्वरा भास्कर ने एक्स हैंडल पर लिखा, 'होली के दौरान मुस्लिम पड़ोसियों के साथ झड़प हुई और उसमें तरुण खाटिक की हत्या के बाद पूरा संघी इकोसिस्टम हंगामा मचा रहा है। ये कहानी बहुत उलझी हुई है। दिल्ली पुलिस ने कंफर्म किया है कि इन पड़ोसियों के बीच दशकों पुराना विवाद था। और हिंदू परिवार की बच्ची ने बुर्का पहनी मुस्लिम महिला पर पानी का गुब्बारा फेंका था। जिसके बाद लड़ाई हुई। उधर, तरुण भी अपने दोस्तों को जिम से बुला लाया। इसके बाद झगड़ा बढ़ा और तरुण के सिर में चोट लगने से वो गिर गया। उसके दोस्त भाग गए। दोनों परिवार के लोगों को अस्पताल में एडमिट करवाया गया। अगले दिन तरुण की अस्पताल में ही मौत हो गई। ये बहुत ही भयावह है और इस मौत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।'

स्वरा भास्कर का रेखा गुप्ता पर निशाना

स्वरा ने आगे लिखा, 'अब देखिए नफरत फैलाने वाले संघी लोगों ने क्या किया... उन्होंने मुस्लिम भीड़ द्वारा हिंदू लड़के की पीट-पीटकर हत्या किए जाने की खबर को हेडलाइन्स और पोस्टों में फैलाया और नारा लगाया कि हिंदू खतरे में हैं। पुलिस ने दोषियों को अरेस्ट किया।

अब उन पर लीगल तरीके से केस चलना चाहिए। इधर, बजरंग दल/विश्व हिंदू परिषद भी विरोध प्रदर्शन करने पहुंचे और मुस्लिम परिवार का घर जला दिया। और कथित तौर पर लूटपाट भी की। आंटी जी रेखा गुप्ता ने इस मामले में हस्तक्षेप किया और आदेश दिया जिसके बाद दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके में मुस्लिम परिवार के घर को बुलडोजर से गिरा दिया गया।'

लिलिपुट को फिल्म 'जीरो' पसंद नहीं आई थी : एक्टर बोले- शाहरुख को स्क्रिप्ट चुनने की समझ नहीं है

एक्टर लिलिपुट ने हाल ही में कहा कि उन्हें शाहरुख की फिल्म जीरो पसंद नहीं आई थी। लिलिपुट ने यह भी कहा कि शाहरुख के पास स्क्रिप्ट चुनने की सही समझ नहीं है।

बता दें कि फिल्म जीरो का निर्देशन आनंद एल राय ने किया था, जिसमें शाहरुख खान ने एक कम कद वाले व्यक्ति की भूमिका निभाई थी।

सिद्धार्थ कन्नन से बातचीत में लिलिपुट ने कहा कि फिल्म का विषय उन्हें समझ नहीं आया। उनके अनुसार, फिल्म में एक शारीरिक रूप से दिव्यांग लड़की और एक खूबसूरत लड़की दोनों उस लड़के से प्रभावित थीं, लेकिन कहानी क्या कहना चाहती थी, यह साफ नहीं था।

उन्होंने कहा कि अब उन्हें फिल्म की बाकी घटनाएं भी याद नहीं हैं। हालांकि, उन्होंने शाहरुख खान की मेहनत की सराहना की। लिलिपुट ने कहा कि शाहरुख ने फिल्म में पूरा प्रयास किया और ईमानदारी से काम किया, लेकिन इसके बावजूद वे फिल्म में प्रभावी नहीं लगे।

लिलिपुट (असली नाम एम. एम. फारूकी) एक एक्टर और लेखक हैं। उन्होंने अपना फिल्मी नाम 'लिलिपुट' उपन्यास गुलिवर्स ट्रेवल्स के छोटे कद वाले पात्रों से प्रेरित होकर रखा था।

लिलिपुट (असली नाम एम. एम. फारूकी) एक एक्टर और लेखक हैं। उन्होंने अपना फिल्मी नाम 'लिलिपुट' उपन्यास गुलिवर्स ट्रेवल्स के छोटे कद वाले पात्रों से प्रेरित होकर रखा था।

लिलिपुट ने यह भी कहा कि शाहरुख की फिल्मों को देखकर लगता है कि उनके पास स्क्रिप्ट की समझ नहीं है, जो आमिर खान को है।

उन्होंने कहा कि किसी का सफल होना यह नहीं दिखाता कि वह बिल्कुल गलतियों से परे हो गया है। हर इंसान में कुछ कमियां होती हैं, चाहे वह कितना भी बड़ा क्यों न हो। लिलिपुट ने आगे कहा कि कई लोगों में स्क्रिप्ट पहचानने की समझ नहीं होती और शाहरुख भी उनमें से एक हो सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इसमें कुछ गलत नहीं है।

जब उनसे पूछा गया कि सही स्क्रिप्ट चुनने की समझ न होने के बावजूद शाहरुख इतने बड़े स्टार कैसे बने, तो लिलिपुट ने कहा कि उनकी ज्यादातर फिल्में बाहरी प्रोड्यूसर्स के साथ होती हैं, जैसे यश राज फिल्म्स। उनका मतलब था कि उन फिल्मों में शाहरुख खुद प्रोड्यूसर नहीं थे।

कौन हैं लिलिपुट?

लिलिपुट ने 1990 के दशक में टीवी के फेमस शो देख भाई देख, जबान संभालके और विक्रम और बेताल में काम किया है। हॉरर सीरीज वो में भी उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई थी।

हाल के वर्षों में वे अमेजन प्राइम की फेमस वेब सीरीज मिर्जापुर में बिहार के माफिया डॉन दद्दा त्यागी के दमदार किरदार में नजर आए थे। उन्होंने शो इंद्रधनुष की पटकथा और फिल्म चमत्कार (1992) के डायलॉग लिखे थे।

'मस्ती 4' एक्ट्रेस एलनाज बोलीं- भारत में आप बुर्का और शॉर्ट्स दोनों पहन सकतीं, ईरान में मौत के घाट उतार देते हैं

ईरान में महिलाओं की 95% साक्षरता के बावजूद वे कड़े इस्लामी कानूनों के कारण सामाजिक-कानूनी पाबंदियों का सामना करती हैं। 'मस्ती 4' और 'जुग जुग जीयो' एक्ट्रेस एलनाज ने कहा है कि जिन देशों में बोलने की स्वतंत्रता है, वहां रहने वाली महिलाओं को इसके साथ आने वाली ज़िम्मेदारी को पहचानना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस आजादी को हल्के में नहीं लेना चाहिए।

एलनाज ने कहा, 'मुझे लगता है कि आजकल एक महिला के रूप में सबसे जरूरी ये है कि हम ऐसे समय में जी रहे हैं जहां अधिकांश देशों में और विशेष रूप से जिस देश में हम अभी रह रहे हैं, वहां हमें अपनी बात कहने का अधिकार है। हम अपनी आवाज़ का इस्तेमाल कर सकते हैं, और इसे हमें हल्के में नहीं लेना चाहिए।'

एलनाज ने कहा- भारत जैसे देश में रहते हैं जहां बोलने की स्वतंत्रता है

उन्होंने कहा, 'बरसों से और आज भी कई देशों में, महिलाएं अपनी बात रखने और अपने विचारों को व्यक्त करने के लिए स्ट्रगल कर रही हैं। इसलिए जब आप भारत जैसे देश में रहते हैं जहां बोलने की स्वतंत्रता है और महिलाओं को अपने विचार और इच्छाएं व्यक्त करने की अनुमति है, तो आपको निडर होकर इस अवसर का लाभ उठाकर बेहतर बदलाव लाना चाहिए।'

एलनाज का परिवार ईरान में

यहां बता दें कि एलनाज लगातार अपने देश ईरान के हालात पर बोलती रही हैं जिसके कारण उन्हें अक्सर आलोचना और विरोध का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि ईरान का मुद्दा काफी पर्सनल और वो सिर्फ इसलिए नहीं कि उनका जन्म वहीं हुआ था, बल्कि इसलिए भी कि उनका परिवार अभी भी उसी देश में रहता है।

'ईरान सरकार आपको मार डालेगी'

रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक्ट्रेस ने कहा, 'मैं उन 7.5 करोड़ ईरानियों की भावनाओं के बारे में बोल रही हूं, बल्कि उससे भी कहीं अधिक लोगों की। मैं उन लोगों की आवाज बनने की कोशिश कर रही हूं जिनकी कोई आवाज नहीं है, क्योंकि ईरान में आपकी कोई आवाज नहीं है। आपको सरकार के खिलाफ बोलने की अनुमति नहीं है। सरकार आपको मार डालेगी। इसलिए मैं और देश से बाहर रहने वाले कई अन्य ईरानी उन लोगों की आवाज बनने की कोशिश कर रहे हैं जिनकी कोई आवाज नहीं है।'

'यहां एक महिला को अपनी पसंद के कपड़े पहनने की आजादी है'

एलनाज ने कहा, '47 वर्षों से आवाजों को इतना दबाया गया है और लोगों पर इतना अत्याचार किया गया है कि वे खुलकर बोल ही नहीं पाए हैं। अब जब हम सोशल मीडिया के युग में जी रहे हैं और हमारे पास इस बारे में बात करने के साधन हैं, तो इन आवाजों को दुनिया तक पहुंचाने में मदद न करना गैर-जिम्मेदाराना होगा।' उन्होंने कहा, 'मैं वहां महिलाओं के लिए वैसे ही बदलाव देखना चाहती हूं जैसे हम वेस्टर्न कंट्रीज़ या भारत जैसे देश में देखते हैं , जहां एक महिला को अपनी पसंद के कपड़े पहनने की आजादी है। भारत में आप चाहें तो बुर्का पहन सकती हैं, लेकिन आप चाहें तो सड़क पर शॉर्ट्स भी पहन सकती हैं। मैं चाहती हूं कि उन्हें अपनी बात कहने का अधिकार मिले। मैं चाहती हूं कि बाल विवाह बंद हो जाए। कई ऐसी यंग लड़कियां हैं जिनके माता-पिता उनकी शादी बड़े उम्र के पुरुषों से कर देते हैं। मैं चाहती हूं कि महिलाएं फुटबॉल स्टेडियम में जाकर मैच देख सकें। मैं चाहती हूं कि महिलाएं जज बन सकें। मैं चाहती हूं कि विरासत के मामले में महिलाओं को पुरुषों के समान अधिकार मिलें।

'अपने परिवार से मिलूंगी लेकिन फिर मैं अपने दूसरे देश, यानी भारत लौट आऊंगी'

एलनाज ने कहा, 'एक स्वतंत्र ईरान में मैं अपने घर लौटूंगी। मैं अपने देश लौटकर अपने परिवार से मिलूंगी लेकिन फिर मैं अपने दूसरे देश, यानी भारत लौट आऊंगी, जहां मैं रहती हूं, जहां मैं बहुत खुश हूं और जहां मैं बहुत सुरक्षित महसूस करती हूं, और यहां अपना काम जारी रखूंगी।

मजनू भाई, उदय शेट्टी और डॉ. घूंघरू की वापसी, कहानी तैयार

बॉलीवुड की सुपरहिट कॉमेडी फ्रेंचाइज 'वेलकम' के फैंस के लिए खुशबरी है। एक ओर जहां, अहमद खान के डायरेक्शन में बनी फ्रेंचाइज की तीसरी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' इसी साल 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, वहीं प्रोड्यूसर फिरोज नाडियाडवाला ने चौथे पार्ट पर काम शुरू कर दिया है। खास बात ये है कि इस चौथे पार्ट में फ्रेंचाइज के दो सबसे पॉपुलर एक्टर अनिल कपूर और नाना पाटेकर की वापसी होगी। ये दोनों जहां 'वेलकम टू द जंगल' का हिस्सा नहीं हैं, वहीं अब 'वेलकम 4' में अनिल कपूर अपने मजनू भाई वाले अवतार में, नाना पाटेकर डॉन उदय शेट्टी बनकर और परेश रावल एक बार फिर डॉ. घुंघरू के रोल में वापसी करेंगे। अक्षय कुमार भी फिल्म का हिस्सा होंगे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'वेलकम 4' की स्क्रिप्ट लगभग पूरी होने वाली है। 'मिड-डे' ने दावा किया है कि चौथे पार्ट की कहानी तीसरी फिल्म से बिल्कुल अलग होगी, जिसमें नाना पाटेकर, अनिल कपूर और परेश रावल के निभाए यादगार किरदारों को बुना जाएगा। हालांकि, परेश रावल 'वेलकम टू द जंगल' का भी हिस्सा हैं, लेकिन उसमें वह डॉ. घुंघरू वाला अपना रोल नहीं निभा रहे हैं। 'वेलकम टू द जंगल' एक एडवेंचर कॉमेडी फिल्म है, जिसमें सितारों की लंबी फौज है।

2007 में सुपरहिट हुई थी 'वेलकम'

साल 2007 में इस फिल्म फ्रेंचाइज की शुरुआत हुई थी। अनीस बज्मी के डायरेक्शन में 32 करोड़ रुपये के बजट में बनी 'वेलकम' ने तब देश में 70.13 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन और वर्ल्डवाइड 119.50 करोड़ रुपये की ग्रॉस कमाई की थी।

2015 में 'वेलकम बैक' बनी हिट, फिल्म में नहीं थे अक्षय कुमार

इसके बाद साल 2015 में सीक्वल फिल्म 'वेलकम बैक' रिलीज हुई। इसमें अनिल कपूर, नाना पाटेकर, जॉन अब्राहम, श्रुति हासन, शाइनी आहूजा, अंकिता श्रीवास्तव के साथ डिंपल कपाड़िया, परेश रावल और नसीरुद्दीन शाह हैं। अक्षय कुमार सीक्वल का हिस्सा नहीं थे। 48 करोड़ के बजट में बनी 'वेलकम बैक' ने देश में 96.55 करोड़ का नेट कलेक्शन और वर्ल्डवाइड 130.34 करोड़ की ग्रॉस कमाई की थी। यह हिट साबित हुई थी।

राज्यसभा सांसद बनीं लक्ष्मी वर्मा और फूलोदेवी नेताम

बीजेपी-कांग्रेस की सीटों पर निर्विरोध चुनाव, सीएम फेस पर बोलीं फूलोदेवी- मैंने कभी पद नहीं मांगा

रायपुर, 9 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ राज्यसभा की दो सीटों के लिए भाजपा उम्मीदवार लक्ष्मी वर्मा और कांग्रेस प्रत्याशी फूलोदेवी नेताम निर्विरोध निर्वाचित हुई हैं। कांग्रेस ने फूलो देवी नेताम को, जबकि बीजेपी ने लक्ष्मी वर्मा को उम्मीदवार बनाया था। दोनों दलों ने एक-दूसरे के खिलाफ प्रत्याशी नहीं उतारा। जिससे चुनाव निर्विरोध हुआ।

छत्तीसगढ़ में राज्यसभा की इन दोनों सीटों के लिए भाजपा और कांग्रेस ने एक-एक सीट पर चुनाव जीत लिया है। अब इन दोनों सीटों पर चुनाव नहीं होंगे। बता दें कि लक्ष्मी वर्मा पिछले 30 सालों से राजनीति में सक्रिय है, वे पार्टी के कई बड़े पदों पर रही है।

वहीं, फूलोदेवी नेताम बस्तर क्षेत्र से आने वाली आदिवासी नेत्री है। वे भी पार्टी में 32 सालों से सक्रिय हैं। दैनिक भास्कर से बातचीत में फूलोदेवी ने सीएम

फेस को लेकर कहा कि उन्हें पद का कोई लालच नहीं है।

कांग्रेस से निर्वाचित राज्यसभा सांसद फूलोदेवी नेताम ने दैनिक भास्कर से बातचीत में कहा कि पार्लियामेंट में जब जब मौका मिला तब तब मैंने छत्तीसगढ़ के विकास और अधिकार के लिए आवाज उठाया। आदिवासी महिला कार्यकर्ता को दोबारा टिकट मिलना मेरा सौभाग्य है।

छत्तीसगढ़ से राज्यसभा के लिए बीजेपी ने लक्ष्मी वर्मा को उम्मीदवार बनाया था। लक्ष्मी वर्मा वर्तमान में राज्य महिला आयोग की सदस्य हैं और भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष भी हैं। महिला वर्ग में उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती है और वे लंबे समय से सक्रिय राजनीति में हैं।

लक्ष्मी वर्मा रायपुर जिला पंचायत की अध्यक्ष रह चुकी हैं और बीजेपी की प्रवक्ता की जिम्मेदारी भी निभा चुकी हैं। राज्यसभा सीट के लिए बीजेपी हाईकमान ने 7 नामों के पैनल पर मंथन किया था, जिसमें से तीन नामों को अंतिम सूची में शामिल किया गया।

इनमें लक्ष्मी वर्मा, डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी और नारायण चंदेल का नाम था। आखिर करीब 30 साल से राजनीति में सक्रिय लक्ष्मी वर्मा को राज्यसभा भेजने का फैसला किया गया।

वहीं, छत्तीसगढ़ राज्यसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने फूलो देवी नेताम को दोबारा प्रत्याशी बनाया। वे वर्तमान में महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष भी हैं।

अफीम की खेती पर विधानसभा में नारेबाजी, हंगामा

महंत बोले- छत्तीसगढ़ को अफीम का कटोरा बनाना चाहती है सरकार, गर्भगृह में पहुंचे 29 विधायक सस्पेंड

रायपुर, 9 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभा में दुर्ग जिले के समोदा में अफीम की खेती के मुद्दे पर जोरदार हंगामा हुआ। कांग्रेस ने स्थगन लाकर मामले की चर्चा कराने की मांग की, लेकिन इसे अस्वीकार कर दिया गया। इसके बाद नारेबाजी करते हुए विपक्षी विधायक आसंदी तक पहुंच गए और गर्भगृह में भी हंगामा किया। इस दौरान 29 विपक्षी विधायकों को सस्पेंड कर दिया गया।

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ को अफीम का कटोरा बनाने की कोशिश कर रही है सरकार। विनायक ताम्रकर अफीम की खेती कर रहा है और सरकार उसे बचाने के लिए षड्यंत्र कर रही है, जिससे प्रदेश में सूखे नशे का प्रसार बढ़ रहा है। भूपेश बघेल ने कहा कि एफआईआर लचर तरीके से बनाई गई, मुख्य आरोपी को बचाने के प्रयास किए गए और घटना होली से ठीक पहले हुई।

कांग्रेस विधायकों ने चेतावनी दी कि यह पहली बार रिकॉर्ड में

आया गंभीर मामला है और पूरे प्रदेश के फॉर्महाउस की स्वतंत्र जांच होनी चाहिए। उप मुख्यमंत्री और गृहमंत्री विजय शर्मा ने जवाब में कहा कि मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस ने कार्रवाई की, अफीम जब्त की और आरोपियों के खिलाफ वित्तीय जांच और कार्रवाई की जा रही है।

पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा ने बजट सत्र में बस्तर के 32,200 से अधिक आदिवासी किसानों से धान खरीदी नहीं होने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि पंजीयन और टोकन के बावजूद किसानों का धान नहीं खरीदा गया और 206 करोड़ रुपये बकाया है।

जवाब में खाद्य मंत्री ने कहा कि जो किसान धान लेकर खरीदी केंद्र पहुंचे, उन्हीं का धान खरीदा गया। लखमा ने सवाल उठाया कि जिन किसानों का धान नहीं खरीदा गया, उनका कर्ज कौन चुकाएगा। इस दौरान पक्ष-विपक्ष में जमकर बहस हुई। सरकार के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष के विधायकों ने वॉकआउट कर दिया था। भूपेश ने कहा कि सरकार किसानों से धान खरीदी का आंकड़ा दे। किसानों से धोखधड़ी हुई है।

बता दें कि बस्तर के किसानों से धान खरीदी नहीं होने का मुद्दा पहले कांग्रेस विधायक लखेश्वर बघेल ने उठाया और सरकार से जवाब मांगा था।

इस पर खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने कहा कि 44,612 किसान धान खरीदी केंद्रों में धान बेचने ही नहीं आए।

जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए धान खरीदी में गड़बड़ी और जबरिया समर्पण का आरोप लगाया। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी सरकार से समर्पण कराने वाले किसानों की संख्या स्पष्ट करने की मांग की।

सदन में इस मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिली।

डिप्टी सीएम विजय शर्मा बिहार राज्यसभा चुनाव पर्यवेक्षक बने

भाजपा अध्यक्ष नवीन ने दी जिम्मेदारी, नेताओं में समन्वय स्थापित करेंगे, पार्टी रणनीति को मजबूत करेंगे

रायपुर, 9 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा को राज्यसभा चुनाव के लिए बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें बिहार में होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किया है।

जारी आदेश के मुताबिक, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने यह नियुक्ति की है। डिप्टी सीएम विजय शर्मा चुनाव प्रक्रिया के दौरान बिहार में पार्टी की रणनीति, संगठनात्मक गतिविधियों और समन्वय की निगरानी करेंगे।

भाजपा संगठन के अनुसार, राज्यसभा चुनाव के मद्देनजर अलग-अलग राज्यों में वरिष्ठ नेताओं को पर्यवेक्षक बनाया जा रहा है, ताकि चुनाव प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित हो सके। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम विजय शर्मा को बिहार की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

वे चुनाव के दौरान स्थानीय नेताओं और विधायकों से समन्वय स्थापित कर पार्टी की रणनीति को मजबूत करेंगे। भाजपा के इस फैसले को संगठन में उनके बढ़ते कद के रूप में भी देखा जा रहा है।

बता दें कि बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने 5 मार्च 2026 को राज्यसभा के लिए अपना नामांकन दाखिल कर दिया। साथ ही ये भी तय हो गया कि अब नीतीश कुमार बिहार की राजनीति को अलविदा कह देश की राजनीति करेंगे। उन्होंने अपने पद से इस्तीफा नहीं दिया है, लेकिन तय है कि किसी भी वक्त सीएम पद छोड़ सकते हैं।

मोजतबा खामेनेई को रूस का पूरा समर्थन

पुतिन ने किया ऐलान, इजरायल-अमेरिका की बढ़ी टेंशन

मॉस्को, 9 मार्च (एजेंसियां)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को ईरान के नए सुप्रीम लीडर अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई को अपना पूरा समर्थन देने का ऐलान किया। मोजतबा ने अपने पिता अयातुल्ला अली खामेनेई की 28 फरवरी को अमेरिकी-इजरायली हवाई हमलों में मौत के बाद सत्ता संभाली है। हालांकि, इजरायल ने धमकी दी है कि वह ईरान के किसी भी सर्वोच्च नेता को जिंदा नहीं छोड़ेगा। इस बीच रूस की ओर से मोजतबा खामेनेई को समर्थन देने से वैश्विक कूटनीति गरमा गई है।

पुतिन ने मोजतबा खामेनेई को लेकर क्या कहा

नए ईरानी सुप्रीम लीडर को एक सीधे मैसेज में, पुतिन ने कहा, रूस ईरान का एक भरोसेमंद पार्टनर रहा है और रहेगा। रूसी राष्ट्रपति ने यह भी कहा, ऐसे समय में जब ईरान हथियारों से हमले का सामना कर रहा है, इस ऊंचे पद पर आपके कार्यकाल के लिए बेशक बहुत हिम्मत और लगन की जरूरत

होगी। पुतिन का ईरान के साथ एकजुटता का मैसेज, मोजतबा खामेनेई की नियुक्ति से पहले ट्रंप के कहे गए शब्दों से बिल्कुल अलग है। एक्सियोस से बात करते हुए, ट्रंप ने कहा, खामेनेई का बेटा मुझे मंजूर नहीं है। हम कोई ऐसा चाहते हैं जो ईरान में शांति और मेलजोल लाए। अगर उन्हें हमसे मंजूरी नहीं मिली, तो वे ज्यादा दिन नहीं टिक पाएंगे। सोमवार को ट्रंप ने टाइम्स ऑफ इजरायल से कहा, हम देखेंगे कि क्या होता है।

ईरान 28 फरवरी से अमेरिकी और इजरायली हवाई हमलों का सामना कर रहा है। इस हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और उनकी पत्नी समेत कई बड़े नेता और शीर्ष सैन्य अधिकारियों की मौत हो गई थी। ईरान इसके बाद से ही मध्य पूर्व में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले कर रहा है। इन हमलों में अमेरिका को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। कम से कम छह अमेरिकी सैनिकों के भी मौत की पुष्टि हुई है।

ईरान ने इजरायल पर भी भीषण हमले किए हैं। कई ईरानी मिसाइलों ने सीधे इजरायली सैन्य ठिकानों और नागरिक बस्तियों पर कहर बरपाया है। इन हमलों में बड़ी संख्या में इजरायली नागरिकों की मौत हुई है और कई घायल हुए हैं।

अयातुल्ला अली खामेनेई के मौत के बाद ईरान की सर्वोच्च परिषद ने नए सुप्रीम लीडर के तौर पर मोजतबा खामेनेई को नियुक्त किया है। उन्हें अपने पिता के नक्शे-कदम पर चलने वाला शख्स माना जा रहा है। ऐसे में ईरान की नीति में बदलाव आने की बहुत कम संभावना ही है।

मोजतबा खामेनेई कौन हैं?

मोजतबा खामेनेई ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के दूसरे बड़े बेटे हैं। उन्हें ईरान की सबसे बड़ी सैन्य शक्ति आईआरजीसी का करीबी माना जाता है।

मोजतबा ने अब तक पर्दे के पीछे से ही काम किया है। उन्होंने ईरान-इराक युद्ध में भी कुछ समय तक हिस्सा लिया है। मोजतबा धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलते हैं।

विधानसभा में रिक्त पदों को लेकर विपक्ष ने घेरा

रांची, 9 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के नौवें दिन राज्य में रिक्त पदों और आउटसोर्सिंग के जरिए हो रही नियुक्तियों का मुद्दा जोरदार तरीके से गूंजा। इस दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिली।

भाजपा विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी ने राज्य के विभिन्न विभागों में बड़ी संख्या में खाली पड़े पदों का मुद्दा उठाते हुए सरकार की मंशा पर सवाल खड़े किए।

उन्होंने कहा कि विभागों द्वारा नई नियुक्तियों के लिए अधियाचना भेजने में देरी क्यों की जा रही है। इसका असर प्रशासनिक कामकाज पर पड़ रहा है। इस पर मंत्री दीपक बिरुवा ने जवाब देते हुए कहा कि जैसे-जैसे विभागों से रिक्त पदों की जानकारी मिलती है, सरकार तुरंत जेपीएससी और जेएसएससी को अधियाचना भेज देती है।

उन्होंने कहा कि नियुक्ति की प्रक्रिया निरंतर चल रही है। सरकार इसे पारदर्शी तरीके से आगे बढ़ा रही है। सदन में भाजपा विधायक सीपी सिंह ने आउटसोर्सिंग व्यवस्था को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 2019 से सत्ता में होने के बावजूद सरकार अब तक नियुक्तियों के लिए कोई ठोस व्यवस्था नहीं बना पाई है। उनका आरोप था कि लगभग सभी विभाग आउटसोर्सिंग के भरोसे चल रहे हैं और सरकार आर्थिक तंगी का हवाला देकर स्थाई नियुक्तियों से बच रही है।

उन्होंने मांग की कि सरकार बहाली प्रक्रिया के लिए एक स्पष्ट समय सीमा तय करे। इस पर वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने पलटवार करते हुए कहा कि राज्य में आउटसोर्सिंग व्यवस्था की शुरुआत पिछली भाजपा सरकार के कार्यकाल में हुई थी।

उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार इस व्यवस्था को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की दिशा में काम कर रही है। अब तक 20 से 30 हजार से अधिक पदों पर स्थाई नियुक्तियां की जा चुकी हैं।

महाराष्ट्र में गोरक्षकों ने ट्रक हेल्पर को गोबर खिलाया

ड्राइवर पर हमला किया, दो गिरफ्तार, मुंबई-बेंगलुरु हाईवे पर भैंसों से भरी गाड़ी को रोका था

पुणे, 9 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे में मुंबई बेंगलुरु हाइवे पर एक ट्रक के समुदाय विशेष हेल्पर को गो रक्षकों ने गोबर खाने के लिए मजबूर किया। साथ ही गोरक्षकों ने ट्रक के ड्राइवर पर भी हमला किया।

पुलिस ने सोमवार को बताया कि मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक घटना पिछले हफ्ते 6 मार्च की है। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि तीन आरोपियों ने कथित तौर पर ट्रक ड्राइवर और उसके हेल्पर पर हमला किया, यह आरोप लगाते हुए कि वे नकली कागजों पर भैंसों को ले जा रहे थे। पुलिस ने कहा कि तीन गोरक्षकों बिपाशा उर्फ आकाश मणिकम, हेमंत गायकवाड़, और विराज सोले ने 6 मार्च की सुबह मुंबई-बेंगलुरु हाईवे पर अंबेगांव के पास भैंसों से भरे एक ट्रक को रोका।

उन्होंने कहा कि तीनों ने आरोप लगाया कि वे नकली कागजो पर भैंसों को ले जा रहे थे। इसके बाद ट्रक ड्राइवर और हेल्पर के साथ मारपीट की।

पुणे जिले के अंबेगांव पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने कहा, हमने शुरू में तीन गौरक्षकों के खिलाफ एक नॉन-कॉग्निजेबल (NC) अपराध दर्ज किया था। उन्होंने बताया कि ड्राइवर ने दावा

किया कि उसके और उसके असिस्टेंट के साथ मारपीट की गई थी। बाद में, एक वीडियो ऑनलाइन सामने आया जिसमें तीनों आरोपी असिस्टेंट को गाय का गोबर खाने के लिए मजबूर करते और उसके और उसके धर्म के खिलाफ अपमानजनक बातें करते हुए देखे गए।

अधिकारी ने कहा, जब हमने ट्रक हेल्पर से पूछा कि जब NC दर्ज किया गया था तो उसने पुलिस को इस घटना के बारे में क्यों नहीं बताया। पुलिस के मुताबिक हेल्पर ने कहा कि वह डर गया था।

बाद में, वीडियो और हेल्पर के बयान के आधार पर, पुलिस ने मणिकम, सोले और गायकवाड़ के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) के तहत एफआईआर दर्ज की गई। अधिकारी ने कहा कि हमने अब तक मणिकम और गायकवाड़ को गिरफ्तार कर लिया है, और आगे की जांच चल रही है।

लापता महिला का शव कुएं में मिला

जामताड़ा, 9 मार्च (एजेंसियां)। जामताड़ा जिले के कर्माटांड़ थाना क्षेत्र में चार दिन से लापता 26 वर्षीय महिला प्रीति देवी का शव घर से लगभग 200 मीटर दूर एक कुएं से बरामद किया गया है। महिला के मायके पक्ष ने दहेज के लिए हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रीति देवी के पति का नाम सुबोध कुमार रवानी है। वह 4 दिन पहले लापता हो गई थीं, जिसके बाद परिजनों ने 6 मार्च को कर्माटांड़ थाना में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। सोमवार को ग्रामीणों ने घर के पास स्थित एक कुएं में शव तैरता हुआ देखा, जिसके बाद मायके वालों को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी चंदन कुमार तिवारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

सीएम हेमंत सोरेन ने पत्नी कल्पना और अन्य महिला विधायकों को दिया गिफ्ट

रांची, 9 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड सरकार ने मंईयां सम्मान योजना समेत अन्य योजनाओं के माध्यम से महिला सशक्तीकरण को लेकर कई कदम उठाये हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के बाद 9 मार्च को विधानसभा स्थित सीएम में सभी महिला विधायकों से मुलाकात की ओर उनसे महिलाओं के विकास के मुद्दे पर चर्चा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पत्नी कल्पना और अन्य महिला विधायकों की तस्वीरें खींची और उन्हें गिफ्ट भी दिया।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से झारखंड विधानसभा की महिला सदस्यों को महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उपस्थित सभी महिला सदस्यों को सम्मानित किया और राज्य के सर्वांगीण विकास में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को आवश्यक बताया।

मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि झारखंड सरकार महिला सशक्तीकरण के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। इस दौरान विधानसभा की महिला सदस्यों ने भी मुख्यमंत्री को शुभकामनाएं दीं। महिला विधायकों ने राज्य में महिलाओं के उत्थान, सुरक्षा और सशक्तीकरण से संबंधित विषयों पर अपने सुझाव साझा किए।

सीएम हेमंत सोरेन ने इस मौके पर सभी महिला विधायकों को एक-एक कर अपने हाथों के गिफ्ट दिया। आकर्षक तरीके से पैक गिफ्ट को लेने के बाद सभी महिला विधायकों के चेहरे पर मुस्कान नजर आईं।

मुख्यमंत्री ने गांडेय की जेएमएम विधायक और धर्मपत्नी कल्पना सोरेन को भी गिफ्ट दिया। इससे पहले कल्पना सोरेन खुद महिला विधायकों को गिफ्ट सौंपने के लिए सीएम के हाथों में बैग पकड़ा रही थी। अंत में कल्पना सोरेन ने हेमंत सोरेन को गिफ्ट देने के लिए पकड़ाया तो सभी सदस्यों को गिफ्ट पैक मिल गया देख सीएम ने कल्पना सोरेन को ही गिफ्ट सौंप दिया।

बच्चा चोरी के शक में विक्षिप्त महिला की पीटकर हत्या

गुमला, 9 मार्च (एजेंसियां)। गुमला जिले के बिशुनपुर प्रखंड के लबगा लापु गुड़ियाडार गांव में बच्चा चोरी की अफवाह के बाद भीड़ ने एक विक्षिप्त महिला की पीट-पीटकर हत्या कर दी। यह घटना रविवार देर रात हुई। महिला को निर्वस्त्र कर रस्सी से बांधकर पीटने की बात सामने आई है।

पुलिस के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से इलाके में बच्चा चोरी की अफवाहें फैल रही थीं। इसी दौरान रविवार रात करीब 12 से 1 बजे के बीच एक मानसिक रूप से अस्वस्थ महिला गांव में घूमती हुई दिखाई दी।

ग्रामीणों ने उसे संदिग्ध मानकर शोर मचाया, जिसके बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई।

भीड़ ने महिला से कोई पूछताछ नहीं की और उसकी बेरहमी से पिटाई शुरू कर दी। महिला लगातार खुद को निर्दोष बताती रही, लेकिन भीड़ ने उसकी बात नहीं सुनी।

घटना की सूचना मिलने पर बिशुनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल महिला को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। हालांकि, सोमवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव ने बताया कि शव को सोमवार को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

पुलिस मामले की गहन छानबीन कर रही है और महिला के परिजनों की तलाश की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि इस घटना में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मेवाड़ यूनिवर्सिटी फिर चर्चा में, कश्मीरी छात्र ने सुसाइड की कोशिश की

डिग्री की मान्यता को लेकर बवाल

चित्तौड़गढ़, 9 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले की गंगरार क्षेत्र में स्थित मेवाड़ यूनिवर्सिटी एक बार फिर विवादों में है। ताजा मामला कश्मीरी छात्रों से जुड़ा है।

दरअसल, 9 मार्च यानी आज यहां कश्मीरी स्टूडेंट्स ने डिग्री की मान्यता को लेकर यूनिवर्सिटी की ओर से भ्रामक विज्ञापन को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। छात्रों का आरोप है कि यूनिवर्सिटी ने गलत जानकारी देकर एडमिशन लिए और अब इसके चलते उनके भविष्य अधर में लटक गया है।

स्टूडेंट्स का कहना है कि उन्होंने विज्ञापनों के आधार पर मेवाड़ यूनिवर्सिटी में बीएससी नर्सिंग कोर्स में प्रवेश लिया था। विज्ञापन में दावा किया गया था कि कोर्स मान्यता प्राप्त है, लेकिन बाद में पता चला कि यूनिवर्सिटी ने राजस्थान नर्सिंग काउंसिल और इंडियन नर्सिंग काउंसिल से मान्यता नहीं ली है।

छात्रों ने मांग की है कि यूनिवर्सिटी जल्द मान्यता दिलाए या उन्हें उचित मुआवजा दिया जाए।

इसी क्रम में आज स्टूडेंट्स ने कैंपस में नारेबाजी करते हुए प्रशासन के खिलाफ विरोध जताया।

इस दौरान यहां एक स्टूडेंट्स ने आत्मदाह के जरिए सुसाइड का प्रयास भी किया, हंगामे के बीच एक छात्र ने खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आत्मदाह करने की कोशिश की।हालांकि समय रहते पुलिस ने उन्हें बचा लिया।

बीएससी नर्सिंग कोर्स की मान्यता नहीं होने के मद्देनजर हुए प्रदर्शन के दौरान कई छात्र-छात्राएं भावुक हो गए। रोते हुए छात्रों ने कहा कि अगर उनकी डिग्री की कोई वैल्यू नहीं रहेगी तो उनका भविष्य क्या होगा।

उन्होंने कहा कि उनके माता-पिता भी इस स्थिति से परेशान हैं। छात्रों ने सवाल उठाया कि अगर यही हाल किसी और के बच्चों के साथ होता तो वे क्या करते।

उनका आरोप है कि यूनिवर्सिटी प्रशासन लगातार बहाने बना रहा है और उनके भविष्य से खिलवाड़ कर रहा है।

राजस्थान में कमर्शियल सिलेंडर की रोक से बढ़ी गैस की किल्लत

जयपुर, 9 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध का असर अब भारत के बाजारों तक भी दिखने लगा है। इसमें अब खास तौर पर अब तेल कंपनियों पर दिखने लगा है। इसी क्रम में बड़ी अपडेट यह है कि तेल कंपनियों ने रसोई गैस के सीमित होते स्टॉक को देखते हुए कमर्शियल गैस सिलेंडरों की डिलीवरी पर अघोषित रोक लगाने के निर्देश दिए है। डीलरों का कहना है कि होटल और रेस्टोरेंट में इस्तेमाल होने वाले कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई पूरी तरह से रुक गई है। ऐसे में माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में रेस्टोरेंट्स के खाना महंगा हो सकता है। राजस्थान में भी कमर्शियल गैस सिलेंडरों की सप्लाई रुकने से बड़ी परेशानी आने वाले दिनों में खड़ी हो सकती है। दरअसल, बताया जा रहा है कि कंपनियों की ओर से गैस एजेंसियों को मैसेज भेजकर फिलहाल कमर्शियल सिलेंडर के नए ऑर्डर नहीं लेने के निर्देश दिए गए हैं। कंपनियों ने डीलर्स से कहा है कि वे फिलहाल घरेलू उपयोग के एलपीजी सिलेंडरों की

सप्लाई को प्राथमिकता दें। ऐसे में रेस्टोरेंट, होटल, कैटरिंग व्यवसाय और कई औद्योगिक इकाइयों के सामने बड़ी समस्या खड़ी हो सकती है। उल्लेखनीय है कि इन क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर कमर्शियल सिलेंडरों की खपत होती है।

'सस्ते माल' का टैग हटाएगा चीन

बना लिया तरक्की का प्लान, भारत की क्या स्थिति?

नई दिल्ली,9 मार्च(एजेंसियां)। चले तो चांद तक, ना चले तो रात तक... यह वो लाइन है जो चीन में बने सामान के लिए भारत में कही जाती है। दरअसल, चीन भारत के मुकाबले काफी सस्ते सामान बनाता है। इस कारण भारत समेत कई देशों में इनकी खपत ज्यादा होती है। लेकिन कोई गारंटी नहीं होती कि वे कितने दिनों तक सही काम करेंगे। यही कारण है कि चीन में बने ज्यादातार सामान पर दुकानदार कोई गारंटी नहीं देते हैं। ऐसे में चीन पर सस्ता माल बनाकर बेचने का टैग लगा हुआ है। लेकिन चीन अब इसे बदलना चाहता है।

चीन की संसद के वार्षिक सत्र में दो अहम आर्थिक योजनाओं को पेश किया गया है। इन प्लान में यह साफ कर दिया है कि देश आने वाले वर्षों में टेक्नोलॉजी आधारित अर्थव्यवस्था बनाने और अमेरिका से तकनीकी प्रतिस्पर्धा में बढ़त हासिल करने पर बड़ा दांव लगाने जा रहा है। चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए दो मोर्चों पर प्लान बनाया है।

क्या है चीन का प्लान?

साल 2026 के लिए सरकार की आर्थिक योजना में सबसे पहली प्राथमिकता मजबूत घरेलू बाजार का निर्माण बताया गया है। वहीं दूसरे स्थान पर तकनीकी प्रगति को तेज करना रखा गया है।

अगले पांच वर्षों का प्लान है कि टेक्नोलॉजी में बड़ी उपलब्धियां हासिल की जाएं।

टेक्नोलॉजी बनेगी चीन की ताकत

चीन को दुनियाभर में सस्ते सामान बनाने के लिए जाना जाता है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग अब इस टैग को हटाना चाहते हैं। उनकी योजना है कि चीन को कम लागत वाले मैन्युफैक्चरिंग मॉडल से निकालकर हाई-टेक इकनॉमी में बदला जाए। नेशनल पीपुल्स कांग्रेस में बोलते हुए शी जिनपिंग ने साइंस एंड टेक्नोलॉजी में इनोवेशन और रणनीतिक बढ़त हासिल करने पर जोर दिया।

बड़ा निवेश कर रहा चीन

अमेरिका ने चीनी कंपनियों के लिए हाई क्वालिटी सेमीकंडक्टर और टेक्नोलॉजी तक पहुंच सीमित कर दी है। इसके बाद चीन ने आत्मनिर्भरता की रणनीति तेज कर दी है। चीन सेमीकंडक्टर, बैटरी, बायोमेडिसिन और नई तकनीकों में बड़े निवेश कर रहा है। चीन अपने घरेलू यात्री विमान सी919 के उत्पादन को बढ़ाने और स्वदेशी जेट इंजन विकसित करने की दिशा में भी तेजी ला रहा है।

2 करोड़ बैरल तेल के रास्ते में ब्रेकर

1973 के बाद सबसे बड़े संकट की दहलीज पर दुनिया, भारत में बढ़ सकती है महंगाई

नई दिल्ली,9 मार्च(एजेंसियां)। हॉर्मुज स्ट्रेट ईरान-इजरायल-अमेरिका युद्ध के साये में है। इसने दुनिया की सांसें थाम दी हैं। ब्रेंट क्रूड एक बार फिर दबाव में है। यह 120 डॉलर प्रति बैरल की ओर बढ़ रहा है। ट्रेडर होर्मुज स्ट्रेट से सप्लाई में संभावित रुकावटों के असर का अंदाजा लगाने में जुटे हैं। दुनिया भर में तेल की डिमांड लगभग 10 करोड़ बैरल प्रति दिन है। इस संकरे पानी के रास्ते में लंबे समय तक रुकावट अच्छी नहीं है। इसका असर 1970 के दशक के ऑयल शॉक जितना या उससे भी ज्यादा हो सकता है।

2 करोड़ बैरल तेल का रास्ता

यूएस एनर्जी इन्फॉर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, हर दिन लगभग 2 करोड़ बैरल तेल और पेट्रोलियम लिक्विड होर्मुज से गुजरता है। यह दुनिया भर में तेल खपत का लगभग 20 फीसदी है। दुनिया के समुद्री तेल कारोबार का यह एक चौथाई से ज्यादा है। इनमें से ज्यादातर शिपमेंट एशिया जाते हैं।

इसमें चीन, भारत, जापान और दक्षिण कोरिया की बड़ी हिस्सेदारी है। ये मिलकर स्ट्रेट से गुजरने वाला आधे से ज्यादा क्रूड ऑयल लेते हैं। किसी भी लंबे समय तक रुकावट का इन अर्थव्यवस्थाओं पर बहुत ज्यादा असर पड़ेगा। मार्केट न्यूजलेटर द कोबेसी लेटर के एक वायरल चार्ट में चेतावनी दी गई थी। इसमें कहा गया था कि पूरी रुकावट से इतिहास का सबसे बड़ा ऑयल शॉक लग सकता है। एनडीटीवी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस अनुमान से दुनिया भर के ट्रेडिंग डेस्क में हलचल मच गई है।

1973 से भी बड़ा हो सकता है संकट

पैमाने को सही नजरिए से देखें तो 1973 के योम किप्पुर युद्ध ने दुनिया भर के बाजारों को हिला दिया था। इसके कारण हर दिन लगभग 40 लाख -55 लाख बैरल बाहर हो गए थे। 1978–79 की ईरानी क्रांति ने 50 लाख–60 लाख बैरल की रुकावट डाली थी। 1980 के दशक में ईरान-इराक युद्ध ने

हर दिन लगभग 40 लाख बैरल कम कर दिए थे। इसकी तुलना में होर्मुज के पूरी तरह बंद होने से थ्योरी के हिसाब से हर दिन 2 करोड़ बैरल का खतरा हो सकता है। यह किसी भी पुरानी रुकावट से कहीं ज्यादा है। हालांकि, 2 करोड़ बैरल का आंकड़ा सबसे बुरी हालत दिखाता है। कुछ शिपमेंट शायद जारी रहेंगे। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे रीजनल प्रोड्यूसर स्टेट को बायपास करके पाइपलाइन के जरिए सीमित मात्रा में सामान भेज सकते हैं। स्ट्रैटेजिक रिजर्व भी इस झटके को कम कर सकते हैं।

भारत के लिए क्या है मतलब?

भारत अपनी क्रूड ऑयल की जरूरत का लगभग 85 फीसदी इंपोर्ट करता है। इसके चलते उसकी अर्थव्यवस्था ग्लोबल प्राइस स्विंग के प्रति खास तौर पर सेंसिटिव है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, तेल की कीमतों में 10 फीसदी की बढ़ोतरी से महंगाई बढ़ सकती है। शॉर्ट-टर्म ग्रोथ धीमी होने का डर है।

थोड़ी सी रुकावट भी कीमतों को तेजी से बढ़ा सकती है। इससे फिस्कल बैलेंस और फाइनेंशियल मार्केट दोनों पर असर पड़ सकता है।

स्ट्रक्चरल कमजोरी साफ है। कारण है कि दुनिया की तेल सप्लाई का पांचवां हिस्सा एक ही पतले कॉरिडोर से होकर बहता है। इसमें बहुत कम रिडंडेंसी है। ट्रेडर्स को अब न सिर्फ रिस्क के होने को लेकर अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है, बल्कि इस बात को लेकर भी कि होर्मुज स्ट्रेट कब तक खुला रहेगा। तेल की कीमतों की आखिरी लिमिट कहां हो सकती है।

31 मार्च 2026 की डेडलाइन: क्या आपने पीपीएफ

एनपीएस और सुकन्या खाते में डाले पैसे? नहीं, तो खाता बंद होने का खतरा

नई दिल्ली, 9 मार्च (एजेंसियां)। वित्त वर्ष 2025-26 खत्म होने में अब बस कुछ ही दिन बचे हैं। अगर आपने पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ), सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाई) या नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) जैसी टैक्स-सेविंग स्कीमों में निवेश किया हुआ है, तो आपके लिए 31 मार्च 2026 एक बेहद अहम तारीख है। अगर आपने इस तारीख तक एक जरूरी काम नहीं निपटाया, तो आपका खाता बंद (इनएक्टिव) हो सकता है और आपको भारी नुकसान के साथ-साथ पेनाल्टी (जुर्माना) भी भरनी पड़ सकती है। आइए आसान भाषा में सवाल-जवाब के जरिए समझते हैं कि आपको 31 मार्च से पहले क्या करना है और अगर आप चूक गए तो क्या नुकसान उठाना पड़ सकता है?जवाब: निवेशकों को 31 मार्च 2026 तक अपने पीपीएफ, एसएसवाई और एनपीएस खातों में इस वित्त वर्ष की 'न्यूनतम जमा राशि' डालनी होगी। इन योजनाओं में टैक्स छूट का फायदा मिलता है, इसलिए इन्हें एक्टिव रखने के लिए हर साल एक तय रकम जमा करना अनिवार्य होता है।जवाब: पीपीएफ खाते को चालू रखने के लिए हर वित्त वर्ष में कम से कम 500 रुपये जमा करना जरूरी है। अगर आप यह रकम जमा नहीं करते हैं, तो आपका खाता निष्क्रिय हो जाएगा। खाता

बंद होने का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि आप इस पर लोन लेने या पैसे निकालने की सुविधा का लाभ नहीं उठा पाएंगे। बंद खाते को दोबारा चालू कराने के लिए आपको हर डिफ़ॉल्ट साल के हिसाब से 500 रुपये का बकाया और 50 रुपये की पेनाल्टी देनी होगी (यानी कुल 550 रुपये प्रति वर्ष)। जवाब: बेटियों के भविष्य के लिए लोकप्रिय इस पुरानी टैक्स व्यवस्था वाली योजना में हर वित्त वर्ष न्यूनतम 250 रुपये जमा करना अनिवार्य है। अगर 31 मार्च तक यह पैसा खाते में नहीं गया, तो अकाउंट को 'डिफ़ॉल्ट' मान लिया जाएगा। इस खाते को फिर से एक्टिव कराने के लिए आपको हर डिफ़ॉल्ट वर्ष के 250 रुपये के साथ-साथ 50 रुपये प्रति वर्ष का जुर्माना अलग से भरना होगा।जवाब: पुरानी और नई दोनों टैक्स व्यवस्थाओं में टैक्स बचाने के लिए एनपीएस एक बेहतरीन विकल्प है। एनपीएस नियमों के मुताबिक, खाताधारकों को एक वित्त वर्ष में कम से कम 1,000 रुपये जमा करने होते हैं।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सुर्य	कुंभ	मे	कुंभ....	05-08 बजे
चंद्र	वृश्चिक	मे	मीन....	06-47 बजे
मंगल	कुंभ	मे	मेष.....	08-23 बजे
बुध	कुंभ	मे	वृष....	10-07 बजे
गुरु	मिथुन	मे	मिथुन..	12-09 बजे
शुक्र	मीन	मे	कर्क...	14-20 बजे
शनि	मीन	मे	सिंह---	16-32 बजे
राहु	कुंभ	मे	कन्या--	18-39 बजे
केतु	सिंह	मे	तुला----	20-44 बजे
			वृश्चिक..	22-55 बजे
			धनु.....	01-08 बजे
			मकर...	03-14 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक सवत्सर-विक्रम सवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे /दक्षिण , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426874
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885126
सूर्योदय 06-38
सूर्यास्त. 18 -19
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - चैत्र कृष्ण पक्ष मंगलवार 10 March 2026
तिथि - सप्तमी 01-54 रात्रि तक उपरान्त अष्टमी
नक्षत्र - अनुराधा 19-05 तक उप ज्येष्ठा
योग - हर्षण 08-21 तक उप वज्र
करण - विष्टी (भद्रा) 12-40 तक उप बव

शीतला सप्तमी बासोडा

भद्रा काल 12-41 तक

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल
15-25 से
16-54 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	06-38 - 07-59	अशुभ	काल	18-21 - 19-54	अशुभ
उत्पात	07-59 - 09-28	अशुभ	लाभ	19-54 - 21-25	शुभ
चंचल	09-28 - 10-57	शुभ	उत्पात	21-25 - 22-56	अशुभ
लाभ	10-57 - 12-27	शुभ	शुभ	22-56 - 00-26	शुभ
अमृत	12-27 - 13-56	शुभ	अमृत	00-26 - 01-57	शुभ
काल	13-56 - 15-25	अशुभ	चंचल	01-57 - 03-27	शुभ
शुभ	15-25 - 16-54	शुभ	रोग	03-27 - 04-58	अशुभ
रोग	16-54 - 18-19	अशुभ	काल	04-58 - 06-31	अशुभ

लग्जरी लाइफ पर इनकम टैक्स की नजर, सीए ने दी चेतावनी

नई दिल्ली,9 मार्च(एजेंसियां)। अगर आप महंगे कपड़े पहनते हैं, विदेश घूमने जाते हैं, क्रेडिट कार्ड के भारी-भरकम बिल भरते हैं तो सावधान हो जाएं। बेशक आपकी इनकम टैक्स बल ना हो, लेकिन इनकम टैक्स विभाग की नजर आपके ऊपर हो सकती है। इस बारे में चार्टर्ड अकाउंटेंट नितिन कौशिक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए चेतावनी दी है।

नितिन कौशिक ने अपनी पोस्ट में कहा है कि इनकम टैक्स विभाग अब केवल इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) ही नहीं, बल्कि लोगों की लाइफस्टाइल और बड़े वित्तीय लेन-देन पर भी नजर रख रहा है। उनके अनुसार, आजकल कई

लोग बिना सोचे-समझे बड़े लेन-देन कर रहे हैं, जबकि ऐसे ट्रांजेक्शन सीधे इनकम टैक्स विभाग के सिस्टम में रिकॉर्ड हो जाते हैं।

एसएफटी रिपोर्ट में आ जाता है सबकुछ

नितिन कौशिक ने अपनी पोस्ट में कुछ चौंकाने वाली बात भी कही है। दरअसल, हमारे सारे डिजिटल लेन-देन पैन कार्ड से जुड़े होते हैं। बड़े ट्रांजैक्शन होने पर उनकी एसएफटी रिपोर्ट बन जाती है। इसमें से ट्रांजैक्शन शामिल होते हैं: सेविंग्स अकाउंट में 10 लाख रुपये या उससे अधिक का ट्रांजैक्शन होने पर। 1 लाख रुपये से ज्यादा क्रेडिट कार्ड बिल का नकद पेमेंट करने पर। 30 लाख से अधिक की प्रॉपर्टी खरीदने पर।

ये ट्रांजैक्शन भी किए जाते हैं ट्रैक

नितिन कौशिक ने बताया कि इनकम टैक्स विभाग की डेटा-मैचिंग प्रणाली अन्य बड़े लेन-देन को भी ट्रैक करती है। ये इस प्रकार हैं: म्यूचुअल फंड या फिक्स्ड डिपॉजिट में 10 लाख रुपये से ज्यादा का निवेश।

एक साल में 20 लाख रुपये तक की नकद निकासी।

हो सकती है जांच

नितिन कौशिक के अनुसार अगर किसी व्यक्ति की घोषित आय और वास्तविक खर्च में बड़ा अंतर दिखाई देता है, तो यही अंतर इनकम टैक्स विभाग के लिए ऑडिट या जांच का सबसे आसान आधार बन जाता है। ऐसे में बेहतर है कि बड़े ट्रांजैक्शन करते समय अपनी इनकम और टैक्स रिटर्न के बीच बैलेंस बनाए रखें। नहीं तो आपकी लग्जरी लाइफ देखकर इनकम टैक्स विभाग आपको नोटिस भेज सकता है।

हाईवे पर बिना टोल भरे फर्राटा भरने का परमिट

एनएचएआई का एनुअल पास होने वाला है महंगा

नई दिल्ली,9 मार्च(एजेंसियां)। आप अक्सर सड़कों पर मोटर गाड़ी लेकर निकल पड़ते हैं। राजमार्गों या एक्सप्रेसवे पर हर कुछ किलोमीटर पर बने टोल प्लाजा पर फीस भरते-भरते आप परेशान हैं। तो आपके लिए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने एनुअल पास जारी कर दिया है। अब यही पास महंगा होने वाला है। जी हां, एनएचएआई का एनुअल पास अगले एक अप्रैल से महंगा होने वाला है।

कितना महंगा होगा

एनएचएआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नवभारत टाइम्स को बताया कि एनएचएआई का एनुअल पास आगामी वित्त वर्ष 2026-27 के पहले दिन मतलब कि एक अप्रैल से महंगा होने वाला है। जब पूछा गया कि कितना महंगा होगा तो उन्होंने बताया कि इसमें 75 रुपये से 100 रुपये के बीच बढ़ोतरी हो सकती है। यह पास अभी 3,000 रुपये में मिलता है। एनएचएआई का टोल जिस तरह से हर साल एक अप्रैल से बढ़ता है, उसी तरह से एनुअल पास में भी यही व्यवस्था है। टोल के दर में या एनुअल पास के रेट में बढ़ोतरी मुद्रास्फीति के थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित है। साल भर में डब्ल्यूपीआई इंडेक्स में जितनी बढ़ोतरी होती है, उसी हिसाब से एनएच के टोल भी बढ़ जाते हैं। उसी तरह से इस साल एनुअल पास का रेट करीब 100 रुपये बढ़ जाएगा। जो व्यक्ति एनएच पर बराबर यात्रा करते हैं, उनकी सहूलियत के लिए पिछले साल 15 अगस्त से एनुअल पास की स्कीम लाई गई है। इसके तहत अभी 3,000 रुपये में एक पास जारी किया जाता है जो कि देश के राष्ट्रीय राजमार्ग या राष्ट्रीय एक्सप्रेसवे के टोल प्लाजा पर वैलिड है। इस पास को खरीद लेने के बाद मोटर वाहन के मालिक एक साल या 200 टोल प्लाजा बिना शुल्क दिए पास कर सकते हैं। यदि आपने एक साल पूरा होने से पहले ही 200 टोल प्लाजा पार कर लिए तो उससे पहले ही पास खत्म हो जाएगा।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के आगे बेबस बाजार

सेंसेक्स 1353 अंक टूटा, रुपया भी 35 पैसे गिरा

मुंबई,9 मार्च(एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के के कारण कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया है। ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत 120 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचने से वैश्विक बाजारों में गिरावट का माहौल देखने को मिल रहा है। इसके चलते सोमवार को घरेलू शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में करीब दो प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा, विदेशी निधियों की निरंतर निकासी और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी ने निवेशकों की भावना पर भारी असर डाला। रुपया 53 पैसे गिरकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अब तक के सबसे निचले स्तर 92.35 पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,352.74 अंक या 1.71 प्रतिशत गिरकर 77,566.16 पर बंद हुआ, लगातार दूसरे दिन गिरावट दर्ज की गई। दिन भर में, यह सूचकांक 2,494.35 अंक या 3.16 प्रतिशत गिरकर 76,424.55 पर पहुंच गया। इसी क्रम में, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 422.40 अंक या 1.73 प्रतिशत गिरकर 24,028.05 पर बंद हुआ। दिन के दौरान इसमें 752.65 अंक या 3.07 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 23,697.80 पर पहुंच गया। सेंसेक्स पैक में अल्ट्राटेक सीमेंट को

सबसे ज्यादा नुकसान हुआ, इसके शेयरों में 5.23 प्रतिशत की गिरावट आई, इसके बाद मारुति, महिंद्रा एंड महिंद्रा, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, इंटरग्लोब एविएशन और अदानी पोर्ट्स प्रमुख रूप से पिछड़ने वाले शेयरों में शामिल थे। इसके विपरीत, रिलायंस इंडस्ट्रीज, सन फार्मा, इंफोसिस, टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक को लाभ हुआ।ऑनलाइन ट्रेडिंग और वेल्थ टेक फर्म एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा कि कमजोर वैश्विक संकेतों और पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण निवेशकों की भावना पर भारी नकारात्मक प्रभाव पड़ा, जिसके चलते भारतीय शेयर बाजार लगभग 3 प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ खुले और सत्र के अंत में तेजी से नीचे बंद हुए। उन्होंने कहा कि भू-राजनीतिक जोखिमों में वृद्धि ने कच्चे तेल की कीमतों को 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के निशान से ऊपर धकेल दिया और भारतीय रुपये को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचा दिया, जिससे मुद्रास्फीति और बाहरी संतुलन को लेकर चिंताएं बढ़ गईं। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक 5.96 प्रतिशत और जापान का निक्केई 225 सूचकांक 5.20 प्रतिशत गिर गया। शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक भी नकारात्मक दायरे में बंद हुए। यूरोप के बाजारों में सत्र के मध्य में काफी गिरावट देखी गई। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड में 12.34 प्रतिशत की उछाल आई और यह 104.1 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। बाजार विनिमय आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 6,030.38 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने पिछले कारोबार में 6,971.51 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। शुक्रवार को सेंसेक्स 1,097 अंक या 1.37 प्रतिशत गिरकर 78,918.90 पर बंद हुआ।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज का दिन कार्यस्थल पर कुछ हद तक उबाऊ होगा , लेकिन आपको अपने जरुरी कार्य की अपेक्षा नहीं करनी है । अपनी कागजी कार्रवाई को पूरा करने और सभी सरकारी आवश्यकताओं को पूरा करने में सावधान रहें। आज आप एक छोटी लेकिन महत्वपूर्ण गलती अपनी लापरवाही के कारण कर सकते है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आपकी रचनात्मक ऊर्जा मजबूत है, जो आपको काम और पढ़ाई में चमकने में मदद करती है। कलात्मक प्रतिभाएँ उजागर होती हैं, जिससे यह दृश्यात्मक रूप से आकर्षक कार्यों के लिए एक अच्छा समय है। दूसरों के साथ अप्रत्याशित तनाव के लिए तैयार रहें, लेकिन शांत रहें - जल्दी सफलता मिल सकती है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आपका आत्मविश्वास और आकर्षण कार्यस्थल की गतिशीलता को बढ़ाता है, जबकि अनुशासन आपको उत्पादक बनाए रखता है। भावनात्मक तीव्रता उत्पन्न हो सकती है, इसलिए बातचीत में संतुलन बनाए रखने का प्रयास करें। व्यवहारिक संचार सहकर्मियों के साथ सामंजस्य को बढ़ावा देता है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आप ऊर्जावान हैं और चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हैं। रचनात्मक विचार आसानी से प्रवाहित होते हैं, जो आपकी प्रगति को बढ़ावा देते हैं। ईमानदारी से चिंतन करने से आपकी रणनीतियाँ और भी बेहतर होती हैं। दृढ़ता की भावना से आप जल्दी निर्णय ले सकते हैं, इसलिए बातचीत में विचारशील रहें।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
सिंह राशि में सूर्य आज कार्यस्थल पर आपके आत्मविश्वास और रचनात्मकता को बढ़ाएगा और आपको साहसिक कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। मेष राशि में चंद्रमा के साथ, पढ़ाई और कार्यों के प्रति आपकी प्रेरणा उच्च रहेगी, जिससे आपको तेज़ी से प्रगति मिलेगी।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आपकी ऊर्जा और दृढ़ संकल्प मजबूत है, जो आपको अपने काम या पढ़ाई में आगे बढ़ने में मदद कर रहा है। आप अवसरों का पीछा करने और स्पष्ट रूप से सोचने के लिए प्रेरित हैं। यह तीव्र ध्यान आपको बेहतरीन परिणाम दे सकता है, लेकिन सावधान रहें कि बहुत जल्दी काम न करें या बहुत स्पष्ट रूप से न बोलें। सफलता के लिए केंद्रित और सावधान रहें।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आपका करियर सार्थक बदलावों से गुजर सकता है, जो दयालुता के कार्यों और प्रेरक महिलाओं के मार्गदर्शन द्वारा समर्थित है। एक पोषण करने वाला माहौल आपको आत्मविश्वास और रचनात्मक ऊर्जा बढ़ाने के साथ-साथ जमीन पर टिके रहने में मदद करता है। अपनी प्रवृत्ति पर भरोसा करें क्योंकि वे नई अंतर्दृष्टि की ओर ले जाएंगे और आपको भावनात्मक और पेशेवर चुनौतियों को शालीनता से संभालने में मदद करेंगे।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
साहसी ऊर्जा आपको अपने करियर में आगे बढ़ने में मदद करती है, जबकि नए विचार नए दृष्टिकोणों को जन्म देते हैं। स्पष्ट सोच और निरंतर प्रयास प्रगति की ओर ले जाते हैं। हालाँकि कभी-कभी आपको लय में कुछ कमी महसूस हो सकती है, लेकिन आपके सामाजिक संबंध आपको सहारा देते हैं।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आप भावनात्मक रूप से उन ठोस परिस्थितियों की ओर आकर्षित हो सकते हैं जो ध्यान केंद्रित करने की मांग करती हैं। जब आप ऐसे कार्यों का सामना करते हैं जिनमें अनुशासन और आवेगों पर नियंत्रण की आवश्यकता होती है, तो विनम्रता की भावना आवश्यक है। यह दिन आपके अहंकार को सफलतापूर्वक नियंत्रित करने की आपकी क्षमता को भी उजागर करता है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आप भावनात्मक रूप से जुड़े हुए महसूस करेंगे, जिससे आपके काम में गहराई और संवेदनशीलता आएगी। नए, रचनात्मक विचार आसानी से आ सकते हैं, जिससे आपको चीजों को व्यापक दृष्टिकोण से देखने में मदद मिलेगी। आपका तेज दिमाग और बढ़ी हुई जागरूकता आपको जल्दी सीखने वाला बनाती है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आपको इस बात का आभास नहीं है की आपके सहकर्मियों को कितनी चिन्ताओ और तनाव से गुजरना पड़ रहा है । अपने समय को बचाने की बजाय उनकी चिंता को समझना आपके लिए आज ज्यादा जरुरी होगा । अगर आप फिर भी बिना सोचे समझे आगे बढ़ते जायेंगे तो आपको कड़ाई से सबक मिल सकता है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज आप अपने करियर को नए सिरे से शुरू करेंगे । आप एक नियोक्ता से दूसरे की तरफ अपना रुख कर सकते है , क्योंकि ये नया अवसर आपको आगे बढ़ने के मौके दे सकता है , लेकिन धोखाधड़ी के प्रस्तावों से सावधान रहे क्यों की कोई आपकी क्षमता और चतुराई का अनुचित लाभ लेने के लिए लंबे समय से प्रयासरत है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

चीनियों से आगे हैं पाकिस्तानी, लेकिन सबसे आगे हिंदुस्तानी

नई दिल्ली,9 मार्च(एजेंसियां)। दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश अमेरिका को प्रवासियों की भूमि कहा जाता है। दुनिया भर से लोग इस देश में बसे हुए हैं। एक अनुमान के मुताबिक भारतीय मूल के 50 लाख से अधिक लोग अमेरिका में रहते हैं। अमेरिका की कई बड़ी कंपनियों की कमान भारतीय मूल के लोगों के हाथ में है। हर क्षेत्र में भारतवंशियों ने अपना झंडा गाड़ा है। यही वजह है कि मीडियन हाउसहोल्ड इनकम के मामले में भारतीय सबसे आगे हैं। अमेरिका में भारतीयों की मीडियन हाउसहोल्ड इनकम 152,341 डॉलर है। यूएस सेंसस ब्यूरो के मुताबिक इस लिस्ट में भारतीयों के बाद ताइवान के प्रवासियों का नंबर है। उनकी मीडियन हाउसहोल्ड इनकम 122,951 डॉलर है। इसके बाद ऑस्ट्रेलियन (116,649 डॉलर), फिलीपींस मूल के लोगों (109,090 डॉलर) और साउथ अफ्रीकन (107,595 डॉलर) का नंबर है। इस लिस्ट में पाकिस्तानी पांचवें नंबर पर हैं। उनकी मीडियन हाउसहोल्ड इनकम 106,281 डॉलर है। उसके बाद ईरान (104,993 डॉलर) और लात्विया (104,240 डॉलर) मूल के लोगों का नंबर है।अमेरिका में रहे चीनियों की मीडियन हाउसहोल्ड इनकम 101,728 डॉलर है। अमेरिका में चीनी मूल के लोगों की आबादी भी करीब 50 लाख है। ऑस्ट्रियन की मीडियन हाउसहोल्ड इनकम 101,561 डॉलर, सर्बियन की 101,546 डॉलर, रूसी मूल के लोगों की 100,458 डॉलर, लेबनॉन के लोगों की 100,406 डॉलर, रोमानिया के लोगों की 99,485 डॉलर, स्पेनिश लोगों की 98,879 डॉलर, ग्रीक की 97,457 डॉलर, श्रीलंकाई मूल के लोगों की 96,641 डॉलर, स्विस की 96,472 डॉलर, लिथुआनिया मूल के लोगों की 96,471 डॉलर और क्रोएशियन की 96,070 डॉलर है।

आरबीआई : केंद्रीय बैंक ने ओएमओ के जरिए बैंकिंग सिस्टम में डाले 50000 करोड़ रुपये; नए बॉन्ड भी किए जारी

नई दिल्ली, 9 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक ने सोमवार को ओपन मार्केट ऑपरेशन के तहत सरकारी प्रतिभूतियां खरीदकर बैंकिंग सिस्टम में 50,000 करोड़ रुपये की तरलता डाली। केंद्रीय बैंक ने एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी। आरबीआई ने ओएमओ खरीद के तहत विभिन्न अवधि के सरकारी बॉन्ड खरीदे, जिनमें 6.33% जीएस 2035 के 13,507 करोड़ रुपये, 6.01% जीएस 2030 के 13,494 करोड़ रुपये, 6.10% जीएस 2031 के 8,157 करोड़ रुपये, 7.30% जीएस 2053 के 6,955 करोड़ रुपये, 7.18% जीएस 2033 के 4,479 करोड़ रुपये, 6.92% जीएस 2039 के 2,304 करोड़ रुपये और 6.19% जीएस 2034 के 1,104 करोड़ रुपये के बॉन्ड शामिल हैं।केंद्रीय बैंक के अनुसार, फिलहाल बैंकिंग सिस्टम में तरलता करीब 2.41 लाख करोड़ रुपये के अधिशेष में है। इस महीने अग्रिम कर और जीएसटी भुगतान के कारण बैंकिंग सिस्टम से बड़ी राशि निकलने की आशंका को देखते हुए यह ओएमओ नीलामी पहले ही घोषित की गई थी। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, चालू कैलेंडर वर्ष की शुरुआत से अब तक केंद्रीय बैंक सरकारी प्रतिभूतियों की ओएमओ खरीद के जरिए लगभग 2.50 लाख करोड़ रुपये की तरलता सिस्टम में डाल चुका है।

मंत्री मदन दिलावर बोले 'कांग्रेस ने भांग खाकर खोले स्कूल', बयान पर जमकर हंगामा

जयपुर, 9 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा के बजट सत्र के दौरान सोमवार को उस समय माहौल गरमा गया जब शिक्षा मंत्री मदन दिलावर और पूर्व शिक्षा मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा के बीच सीधी जुबानी जंग शुरू हो गई। सदन में महात्मा गांधी अंग्रेजी स्कूलों पर चर्चा चल रही थी, तभी मदन दिलावर ने डोटासरा पर व्यक्तिगत और विवादित टिप्पणी कर दी, जिसके बाद विपक्ष ने सदन में जमकर नारेबाजी और हंगामा किया।

मदन दिलावर का विवादित बयान : 'डोटासरा जी ने भांग खाई हुई थी'

सदन में चर्चा के दौरान वर्तमान शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने पिछली कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू किए गए अंग्रेजी माध्यम स्कूलों की गुणवत्ता पर सवाल उठाए। दिलावर ने कड़े शब्दों में कहा, 'पिछले राज में बिना किसी तैयारी के, भांग खाकर अंग्रेजी स्कूल खोल दिए गए। डोटासरा जी ने उस समय भांग खाई हुई थी, तभी ऐसे फैसले लिए गए जिनसे प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था पटरी से उतर गई।'

डोटासरा और टीकाराम जूली का पलटवार: 'आप खुद भांग खाकर जवाब दे रहे हैं'

मदन दिलावर की इस टिप्पणी पर गोविंद सिंह डोटासरा तुरंत अपनी सीट से खड़े हो गए और कड़ा एतराज जताया। उन्होंने इसे सदन की मर्यादा के खिलाफ बताया। वहीं, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी डोटासरा के समर्थन में उतरे और मंत्री दिलावर पर हमला बोलते हुए कहा, 'मंत्री जी, आपके शब्द अमर्यादित हैं। लगता है आप खुद भांग खाकर सदन में जवाब दे रहे हैं। आप एक जिम्मेदार मंत्री हैं, कम से कम जवाब तो सही तरीके से दीजिए।'

स्पीकर वासुदेव देवनानी का हस्तक्षेप

सदन में दोनों पक्षों के बीच बढ़ती तल्खी और हंगामे को देखते हुए विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) वासुदेव देवनानी को बीच-बचाव करना पड़ा। उन्होंने दोनों पक्षों से शांत रहने की अपील की और अमर्यादित शब्दों को सदन की कार्यवाही से हटाने के संकेत दिए। उन्होंने कहा कि सदन की एक गरिमा है और सभी सदस्यों को भाषा की मर्यादा का ध्यान रखना चाहिए।

अंग्रेजी स्कूलों पर नीतिगत मतभेद या व्यक्तिगत रंजिश?

गौरतलब है कि भाजपा सरकार आने के बाद से ही मदन दिलावर पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कई फैसलों, विशेषकर 'महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों' की समीक्षा कर रहे हैं। दिलावर का तर्क है कि बिना पर्याप्त शिक्षकों और इंफ्रास्ट्रक्चर के ये स्कूल केवल वाहवाही लूटने के लिए खोले गए थे। वहीं, कांग्रेस का कहना है कि ये स्कूल गरीब बच्चों को अंग्रेजी शिक्षा देने का एक क्रांतिकारी कदम थे।

सोशल मीडिया पर वायरल हुई 'भांग' वाली जंग

विधानसभा के भीतर हुई इस बहस के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। राजस्थान की राजनीति में मदन दिलावर अपने बेबाक और कई बार विवादित बयानों के लिए जाने जाते हैं, जबकि डोटासरा अपने आक्रामक तेवरों के लिए। आज की इस घटना ने बजट सत्र की गंभीरता को राजनीतिक अखाड़े में तब्दील कर दिया है।

नागौर, मेड़ता और बाड़मेर कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, मचा हड़कंप; खाली कराए परिसर

नागौर, 9 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के नागौर, मेड़ता सिटी और बाड़मेर जिला मुख्यालय कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी भरा ई-मेल मिलते ही कोर्ट परिसरों में हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत मौके पर पहुंची और सुरक्षा की दृष्टि से सभी कोर्ट रूम खाली करवाए। इसके बाद गहन तलाशी अभियान शुरू किया।

बाड़मेर में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब जिला न्यायाधीश के आधिकारिक ईमेल पर धमकी भरा संदेश मिला। मेल में कोर्ट परिसर को बम से उड़ाने का जिक्र था। सूचना मिलते ही एसपी नरेंद्र सिंह मीना भारी पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बिना देरी किए पूरे कोर्ट परिसर को खाली करवाया। डॉग स्क्वायड और बम निरोधक दस्तों ने चप्पे-चप्पे की तलाशी ली। हालांकि, कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने पर प्रशासन ने राहत की सांस ली।

नागौर में 'सौरव बिश्वास' के नाम से ई मेल

नागौर जिला न्यायालय को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिलने से सोमवार सुबह प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। यह धमकी भरा ई मेल 'सौरव बिश्वास' नाम के व्यक्ति के आईडी से जिला जज के आधिकारिक ई-मेल पर भेजा गया बताया जा रहा है। ई-मेल बजे भेजा गया, जिसमें कोर्ट परिसर पर हमले और बम गिराए जाने जैसी बातें लिखी गई हैं।

बेगुनाह लोगों को इंसाफ नहीं दिला पा रहा कोर्ट

नागौर जिला न्यायालय को मिले ई-मेल में लिखा गया कि कोर्ट बेगुनाह लोगों को इंसाफ नहीं दिला पा रहा है और विभिन्न राजनीतिक व अंतरराष्ट्रीय साजिशों का हवाला देते हुए अदालतों और कानूनी कार्यालयों पर हमले की बात कही गई। साथ ही इसमें दोपहर एक बजे से पहले विस्फोट होने की आशंका जताते हुए लोगों को सतर्क रहने की चेतावनी दी गई है। ई-मेल में यह भी दावा किया गया कि कुछ बम ड्रोन के जरिए गिराए गए हैं और छतों की जांच करने की बात कही गई है।

सूचना मिलने के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो गईं। एहतियात के तौर पर कोर्ट परिसर की सुरक्षा बढ़ा दी गई और आसपास के क्षेत्र में भी सतर्कता बरती गई। पुलिस ने साइबर सेल की मदद से ई-मेल के स्रोत का पता लगाने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

गौरतलब है कि इससे पहले भी 5 मार्च को इसी प्रकार का एक धमकी भरा ई-मेल भेजा गया था, जिसके बाद नागौर कोर्ट परिसर में तलाशी अभियान चलाया गया था। उस समय भी कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली थी, लेकिन सुरक्षा को लेकर पुलिस लगातार सतर्क है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है और ई-मेल भेजने वाले की पहचान करने के लिए तकनीकी जांच की जा रही है। साथ ही न्यायालय परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है ताकि किसी भी संभावित खतरे से निपटा जा सके।

3 राज्यसभा सीटें हो रहीं खाली, बीजेपी-कांग्रेस खेमे से आई ये बड़ी और लेटेस्ट अपडेट

जयपुर, 9 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति का अगला बड़ा पड़ाव राज्यसभा चुनाव होने जा रहा है। 21 जून 2026 को प्रदेश से राज्यसभा के तीन दिग्गज सांसदों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। विधानसभा की 200 सीटों के वर्तमान समीकरणों के आधार पर भाजपा इन तीन में से दो सीटों पर अपनी जीत सुनिश्चित मान रही है, जबकि एक सीट कांग्रेस के खाते में जाने की उम्मीद है। हालांकि, उम्मीदवारों के चयन को लेकर दोनों ही खेमों में भारी उठापटक और गुणा-भाग शुरू हो गया है।

इन दिग्गजों का कार्यकाल हो रहा है समाप्त

जून में रिटायर होने वाले चेहरों में दिल्ली से लेकर राजस्थान तक की राजनीति को प्रभावित करने वाले नाम शामिल हैं।

रवनीत सिंह बिट्टू (भाजपा): उपचुनाव के जरिए राजस्थान से राज्यसभा पहुँचे केंद्रीय मंत्री बिट्टू का कार्यकाल समाप्त हो रहा है।

नीरज डांगी | राजेंद्र गहलोत | रवनीत सिंह बिट्टू

केंद्र में मंत्री होने के नाते उनके दोबारा नामांकन की प्रबल संभावना है।

राजेंद्र गहलोत (भाजपा): मारवाड़ के कद्दावर नेता और भाजपा के अनुभवी स्तंभ।

नीरज डांगी (कांग्रेस): कांग्रेस के दलित चेहरे के रूप में राज्यसभा में राजस्थान का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

विधानसभा का अंकगणित: भाजपा को बढ़त, कांग्रेस की राह कठिन

राजस्थान विधानसभा की 200 सीटों के मौजूदा गणित के अनुसार, एक राज्यसभा सीट जीतने के लिए लगभग 51 प्रथम वरीयता के मतों की आवश्यकता होती है।

भाजपा का समीकरण: भाजपा के पास 118 विधायक हैं। इस लिहाज से भाजपा 2 सीटें आसानी से जीत सकती है और उसके पास तीसरी सीट के लिए भी कुछ अतिरिक्त मत बचेंगे।

कांग्रेस का समीकरण: कांग्रेस के पास 67 विधायक हैं। कांग्रेस 1 सीट आसानी से निकाल सकती है, लेकिन वर्तमान हालात में दूसरी सीट के लिए निर्दलीयों का साथ मिलना चुनौतीपूर्ण होगा।

भाजपा की रणनीति: बिट्टू के साथ 'जातीय' संतुलन का तड़का

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि रवनीत सिंह बिट्टू को पार्टी फिर से मौका दे सकती है। वहीं, दूसरी सीट के लिए भाजपा 2023 विधानसभा चुनाव में हार चुके लेकिन बड़े जनाधार वाले नेताओं पर दांव खेल सकती है।

राजेंद्र राठौड़: पूर्व नेता प्रतिपक्ष, जिनका शेखावाटी और राजपूत समाज में बड़ा प्रभाव है।

सतीश पूनिया: पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, जो जाट समुदाय और युवाओं के बीच खासी पकड़ रखते हैं। वहीं भाजपा खेमे का एक वर्ग पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी के नाम का भी समर्थन कर रहा है। भाजपा इन नामों के जरिए आगामी स्थानीय निकाय और पंचायत चुनावों के लिए सोशल इंजीनियरिंग साधने की कोशिश करेगी।

कांग्रेस की उलझन: अल्पसंख्यक चेहरे की मांग तेज

पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने स्पष्ट किया है कि उम्मीदवार का अंतिम फैसला हाईकमान करेगा। हालांकि, पार्टी के भीतर एक बड़ा धड़ा अल्पसंख्यक उम्मीदवार उतारने का दबाव बना रहा है।

कारण: वर्तमान में राजस्थान के 35 सांसदों (25 लोकसभा और 10 राज्यसभा) में से एक भी अल्पसंख्यक समुदाय से नहीं है।

साख का सवाल: कांग्रेस अपने दलित और अल्पसंख्यक वोट बैंक को साधे रखने के लिए किसी नए चेहरे को मौका दे सकती है।

राजस्थान के 'राज्यसभा कोटे' की जंग

भाजपा की कोशिश है कि वह राजस्थान की अधिकतम सीटों पर कब्जा कर उच्च सदन में एनडीए की स्थिति और मजबूत करे। वहीं, कांग्रेस अपनी इकलौती सीट बचाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है।

मिडिल ईस्ट संकट: अशोक गहलोत ने मोदी सरकार को याद दिलाया अपना 'एविएशन'

जयपुर, 9 मार्च (एजेंसियां)। खाड़ी देशों में युद्ध की स्थिति के कारण अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के किरायों में 3 से 4 गुना तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। राजस्थान, जहाँ के लाखों लोग खाड़ी देशों (दुबई, कुवैत, कतर, सऊदी अरब) में काम करते हैं, वहां इस खबर ने प्रवासियों के परिवारों में हड़कंप मचा दिया है। इस गंभीर मुद्दे पर राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया के माध्यम से भारत सरकार और नागरिक उड्डयन मंत्रालय से तुरंत हस्तक्षेप करने की अपील की है।

40 साल पुराना अनुभव और मोदी सरकार को सलाह

अशोक गहलोत ने अपनी अपील में विशेष रूप से नागरिक उड्डयन मंत्रालय में अपने पुराने कार्यकाल का जिक्र किया। उन्होंने लिखा, 'नागरिक उड्डयन मंत्रालय में अपने पुराने अनुभवों के आधार पर मेरा मानना है कि संकट के समय में आम जन को राहत देना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए।'

गहलोत का 'एविएशन अनुभव'

बता दें कि गहलोत के पास विमानन क्षेत्र का गहरा अनुभव है:

1982-83: वे केंद्र सरकार में नागरिक उड्डयन उप मंत्री रहे।

1984-85: वे केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। अपने इसी अनुभव के आधार पर उन्होंने कहा कि आपदा के समय एयरलाइंस को मुनाफाखोरी की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

राजस्थान के प्रवासियों और छात्रों पर 'किराया बम' की मार

पूर्व सीएम ने कहा राजस्थान के शेखावाटी (सीकर, झुंझुनूं, चूरू) और मारवाड़ क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोग मिडिल ईस्ट में नौकरी करते हैं। उन्होंने कहा कि किराये में यह बढ़ोतरी बेहद चिंताजनक है, जिससे प्रवासियों की अपने काम और शिक्षण संस्थानों तक वापसी मुश्किल हो गई है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से मांग की है कि वह एयरलाइंस के साथ मिलकर तुरंत ' अधिकतम किराया सीमा निर्धारित करे। उन्होंने तर्क दिया कि संकट के समय में आम जन को राहत देना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आपदा के समय एयरलाइंस द्वारा अतिरिक्त मुनाफा कमाना जनहित में नहीं है।

राजस्थान की इकोनॉमी पर भी पड़ेगा असर

राजस्थान की अर्थव्यवस्था में 'रेमिटेंस' (विदेशों से आने वाला पैसा) का बड़ा योगदान है। यदि हवाई किरायों के कारण प्रवासियों का आना-जाना बाधित होता है, तो इसका सीधा असर प्रदेश के व्यापार और स्थानीय परिवारों की आर्थिक स्थिति पर पड़ेगा। गहलोत की यह अपील इसी बड़े सामाजिक और आर्थिक संकट की ओर इशारा करती है।

गैर कृषि भूमि पर भी पेड़ों की कटाई पर लगेगी सख्त रोक, कानून लाने की तैयारी

जयपुर, 9 मार्च (एजेंसियां)। राज्य सरकार प्रदेश की संस्कृति, पर्यावरण और जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए खेजड़ी सहित अन्य महत्वपूर्ण वृक्ष प्रजातियों के संरक्षण के लिए सख्त कानून लाने की तैयारी कर रही है। इस दिशा में 'वृक्ष संरक्षण विधेयक' का प्रारूप तैयार करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है। समिति की पहली बैठक सोमवार सुबह संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल की अध्यक्षता में उनके निवास पर आयोजित की गई।

बैठक में राजस्व एवं उपनिवेशन मंत्री हेमंत मीणा, वन मंत्री संजय शर्मा, विधि विभाग के प्रमुख शासन सचिव, राजस्व विभाग के शासन सचिव तथा विधि विशेषज्ञ भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान वृक्षों के संरक्षण और अवैध कटाई पर रोक लगाने के लिए मजबूत और प्रभावी कानून बनाने पर विस्तृत चर्चा की गई। समिति ने अन्य राज्यों में लागू वृक्ष संरक्षण कानूनों का तुलनात्मक अध्ययन कर उनके प्रावधानों पर विचार-विमर्श किया। साथ ही यह तय किया गया कि प्रस्तावित विधेयक को अंतिम रूप देने से पहले संबंधित विभागों, विधि विशेषज्ञों और अन्य स्टेकहोल्डर्स के सुझाव भी लिए जाएंगे, ताकि कानून व्यावहारिक और प्रभावी बन सके। समिति की अगली बैठक 11 मार्च को आयोजित की जाएगी।

गौरतलब है कि वर्तमान में कृषि भूमि पर पेड़ों की कटाई की अनुमति और अवैध कटाई पर दंड का प्रावधान काश्तकारी कानून के अंतर्गत है। हालांकि अब राज्य सरकार नया कानून लाकर आवंटित, रूपांतरित, अधिग्रहित और आबादी सहित सभी प्रकार की गैर कृषि उपयोग वाली भूमियों पर भी वृक्ष संरक्षण के लिए सख्त प्रावधान लागू करने की योजना बना रही है।

नए कानून के तहत ऐसी भूमियों पर बिना अनुमति पेड़ों की कटाई पर रोक होगी और केवल अधिकृत अधिकारी की अनुमति के बाद ही न्यूनतम आवश्यक पेड़ों को हटाया जा सकेगा। सरकार का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को मजबूत करना और प्रदेश की पारंपरिक वृक्ष संपदा को सुरक्षित रखना है।

21 साल का युवक, अकाउंट में 9.20 करोड़ रुपए का ट्रांजेक्शन

पुलिस ने 19 सिम और 9 डेबिट-क्रेडिट कार्ड के साथ पकड़ा

जोधपुर, 9 मार्च (एजेंसियां)। पुलिस और समाज के लिए यह चिंताजनक और चौंकाने वाली खबर है। महज 21 साल का एक युवक साइबर गिरोह का एजेंट बन गया। साइबर ठगी के कारोबार में उसने अब तक करोड़ों का ट्रांजेक्शन कर दिया।

पुलिस ने पावटा स्थित मानजी का हत्था पर साइबर ठगी के इस बड़े कमिशन एजेंट को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी के कब्जे से 19 सिम, 9 डेबिट-क्रेडिट कार्ड और 2 मोबाइल मिले हैं। महज 21 साल के युवक के खातों से 9.20 करोड़ का अवैध रूप से ट्रांजेक्शन हुआ था। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

पुलिस के अनुसार रामपुरा भाटियान निवासी सुनील पुत्र धन्नाराम को पकड़ा है। सुनील साइबर ठगों के लिए कमिशन एजेंट के रूप में लंबे समय से काम कर रहा था। आरोपी के पास से अलग-अलग कंपनियों की 19 सिम, दो मोबाइल, 9 डेबिट-क्रेडिट कार्ड, एक कोरियर किट और 5 पर्चियां मिली है। पुलिस की पड़ताल में सामने आया कि आरोपी ऑनलाइन ठगी के पैसे को किराए के बैंक खातों के जरिए व्हाइट मनी में बदलने के काम में लिप्त था। गिरोह से जुड़े नेटवर्क के खातों में अब तक वह करीब 9.2 करोड़ रुपए का ट्रांजेक्शन कर चुका है। आरोपी ने पूछताछ में खुलासा कि वह साइबर ठगी करने वाले गिरोह के लिए कमीशन एजेंट के रूप में काम करता था।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा

शकुन ग्रुप के एमडी वल्लभ माहेश्वरी का निधन

तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू बनी जानलेवा

जयपुर, 9 मार्च (एजेंसियां)। औद्योगिक जगत से एक दुखद खबर सामने आई है। शकुन ग्रुप के प्रबंध निदेशक (एमडी) और प्रसिद्ध उद्योगपति वल्लभ माहेश्वरी का राजस्थान के अलवर के पास दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर हुए भीषण सड़क हादसे में निधन हो गया। वह 62 वर्ष के थे। बताया जा रहा है कि माहेश्वरी अपनी लग्जरी बीएमडब्ल्यू कार से जयपुर से मथुरा जा रहे थे।

पुलिस के अनुसार यह दुर्घटना अलवर जिले के रेणी थाना क्षेत्र में हुई। कार उनके ड्राइवर द्वारा चलाई जा रही थी। इसी दौरान तेज रफ्तार में कार अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे लगे बैरिकेड्स तोड़ते हुए डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार आगे बढ़कर पुलिया की दीवार से टकरा गई और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

हादसे के बाद माहेश्वरी और उनके ड्राइवर को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने वल्लभ माहेश्वरी को मृत घोषित कर दिया। इस दुर्घटना में ड्राइवर को गंभीर चोट नहीं आई है। पुलिस की शुरुआती जांच में हादसे की वजह तेज रफ्तार या कार में तकनीकी खराबी मानी जा रही है।

इस घटना पर राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि अलवर के रेणी थाना क्षेत्र में एक्सप्रेसवे पर हुई सड़क दुर्घटना में उद्योगपति वल्लभ माहेश्वरी के निधन की खबर बेहद दुखद है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और परिजनों को इस दुख को सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

घर आने से रोकता था प्रेमिका का बच्चा

सिरफिरे आशिक ने मासूम को दी दर्दनाक मौत

पाली, 9 मार्च (एजेंसियां)। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। एक कलयुगी प्रेमी ने अपनी प्रेमिका के 11 वर्षीय मासूम बेटे की पत्थर से वार कर निर्मम हत्या कर दी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी को हिरासत में ले लिया है। जानकारी के अनुसार घोसी कॉलोनी निवासी शेहनवाज (42), पत्नी मोहम्मद रफीक, जिसके पति की कुछ साल पहले मौत हो गई थी। वह अपने दो पुत्र और एक पुत्री के साथ किराए के मकान में रह रही है। वह पिछले दो साल से उत्तर प्रदेश निवासी मोहम्मद फारूक (22) के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी। शेहनवाज का 11 वर्षीय बेटा तोफिस, जो मदरसे में पढ़ता था, रमजान के चलते घर आया हुआ था। बच्चों को फारूक का घर आना पसंद नहीं था और वे अक्सर उसे टोकते थे। इसी रंजिश में फारूक ने हत्या की साजिश रची। सुबह करीब 11 बजे वह तोफिस को तरबूज खिलाने के बहाने अपनी बाइक पर बैठाकर ले गया।

बाणगंगा नदी में डूबने से भाई-बहन समेत तीन बच्चों की मौत

बचाने के लिए कूदा था भाई

दौसा, 9 मार्च (एजेंसियां)। दौसा जिले के बाणगंगा नदी में डूबने से भाई-बहन समेत तीन बच्चों की मौत हो गई। चारों बच्चे मवेशी चराने के लिए नदी किनारे गए थे। बरसाती पानी से भरी नदी में पैर फिसलने से एक बच्ची गहरे गड्ढे में गिर गई। उसे बचाने के लिए दो अन्य बच्चे भी पानी में कूद पड़े, लेकिन तीनों ही डूब गए। घटना बापी गांव के पास सैंथल थाना क्षेत्र में हुई। पुलिस ने करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद गड्ढे से तीनों के शव बाहर निकाले और अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सड़कों पर उतरा जनसैलाब: 87 कॉलोनियों के हजारों लोगों का शांति मार्च, हाईकोर्ट आदेश के बाद बढ़ी चिंता

जयपुर, 9 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर के सांगानेर-बगरू क्षेत्र में 87 कॉलोनियों के हजारों लोग अपने घरों पर बुलडोजर की आशंका के विरोध में सड़कों पर उतर आए। श्योपुर चौराहे से पिंजरापोल गौशाला तक शांति मार्च निकालकर सरकार से कॉलोनियों को नियमित करने की मांग की गई।

जयपुर शहर के सांगानेर और बगरू क्षेत्र में बुलडोजर कार्रवाई की आशंका के खिलाफ लोगों का बड़ा जनसैलाब सड़कों पर उतर आया। 87 कॉलोनियों के हजारों लोग अपने घरों को बचाने की मांग को लेकर श्योपुर चौराहे से पिंजरापोल गौशाला तक शांतिपूर्ण पैदल मार्च निकालते हुए सरकार से राहत की गुहार लगाते नजर आए।

सुबह से ही श्योपुर चौराहे पर लोगों की भीड़ जुटने लगी थी। किसी के हाथ में तख्तियां थीं, तो किसी के चेहरे पर अपने आशियाने को बचाने की चिंता साफ दिखाई दे रही थी। प्रदर्शनकारियों की तख्तियों पर "अवैध कहना बंद करो, नियमन का प्रबंध करो", "हमारे घर बचाओ" और "जनता को न्याय दो" जैसे नारे लिखे हुए थे। महिलाओं, बुजुर्गों, युवाओं और बच्चों की बड़ी संख्या इस मार्च में शामिल हुई। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर आयोजित इस प्रदर्शन में महिलाओं की उल्लेखनीय भागीदारी भी देखने को मिली।

डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर रिटायर्ड अफसर से 1.06 करोड़ की ठगी

जयपुर, 9 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर में साइबर ठगों ने ट्राई अधिकारी बनकर आरएफसी के रिटायर्ड अफसर को डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाया और गलत वीडियो के फर्जी केस में फंसाने की धमकी दी। घबराकर दंपती ने एफडी तुड़वाकर चार खातों में 1.06 करोड़ रुपए ट्रांसफर कर दिए। पुलिस जांच जारी है।

जयपुर में साइबर ठगों ने एक और बड़ी वारदात को अंजाम देते हुए आरएफसी के एक रिटायर्ड अधिकारी से 1 करोड़ 6 लाख 30 हजार रुपए की ठगी कर ली। ठगों ने खुद को टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया का अधिकारी बताकर बुजुर्ग दंपती को डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाया और गलत वीडियो से जुड़े फर्जी केस में फंसाने की धमकी दी।

झोटवाड़ा निवासी पीड़ित के अनुसार 18 जनवरी को सुबह करीब 10 बजे उन्हें व्हाट्सएप कॉल आया। इसके बाद ठगों ने वीडियो कॉल के जरिए खुद को जांच एजेंसी से जुड़ा अधिकारी बताया और सुप्रीम कोर्ट का फर्जी अरेस्ट वारंट तथा फंड फ्रीजिंग नोटिस दिखाया।

नियमों के अनुसार ई-फाइलिंग की प्रक्रिया भी शुरू की जाए : संतोष

आदिवासी कल्याण विभाग के नए निदेशक ने पदभार ग्रहण किया

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के मासब टैंक स्थित आदिवासी कल्याण विभाग कार्यालय में आज संतोष बी.एम. ने आदिवासी कल्याण विभाग के निदेशक के रूप में अपनी जिम्मेदारियां संभालीं। इस अवसर पर संतोष बी.एम. ने विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ उनकी भूमिकाओं और कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि उन्हें प्रत्येक विभाग के कार्यों की जानकारी उपलब्ध कराई जाए और सरकारी नियमों के अनुसार ई-फाइलिंग की प्रक्रिया भी शुरू की जाए। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे अपनी जिम्मेदारियों और कर्तव्यों के बारे में उन्हें विस्तार से जानकारी दें, ताकि उसी के अनुसार कार्य किए जा सकें। उन्होंने यह भी कहा कि आदिवासी कल्याण योजनाएं जंगलों में सबसे दूरस्थ आदिवासी तक पहुंचें, इसके लिए विशेष योजना बनाई जाए। विशेष रूप से आदिवासियों के स्वास्थ्य और शिक्षा के अवसरों पर ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि आदिवासी कल्याण के सभी पहलुओं की पूरी समझ बनाकर, वे आगामी सात दिनों में आदिवासी क्षेत्रों का भ्रमण करेंगे, समस्याओं और कल्याण आवश्यकताओं का अवलोकन करेंगे और उसके अनुसार आवश्यक कार्रवाई करेंगे। इस अवसर पर आदिवासी कल्याण विभाग के अतिरिक्त निदेशक विट्टा सर्वेश्वर रेड्डी, मुख्य अभियंता बॉलू, आदिवासी अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ.वी. समुज्वल, जीसीसी जीएम प्रताप रेड्डी, संयुक्त निदेशक पोचम, श्रीमती संध्यारनी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे और उन्होंने संतोष बी.एम. का देकर स्वागत किया। निदेशक के रूप में पदभार ग्रहण करने के बाद, संतोष बी.एम. सचिवालय पहुंचे और कल्याण विभाग के विशेष मुख्य सचिव सब्यसाची घोष से भेंट की।

हिट एंड रन में बाइक सवार घायल

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार रात मैलार्देवपल्ली इलाके में हुई हिट एंड रन की घटना में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद इलाके में कुछ समय के लिए हड़कंप मच गया। यह दुर्घटना पल्ले चेरुवु के पास हुई, जब तेज रफ्तार कार ने एक मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक कार के आगे वाले हिस्से में फंस गई। बताया जा रहा है कि शादनगर के चार युवक खरीदारी के लिए मोटरसाइकिलों से चारमीनार जा रहे थे। इसी दौरान एक किशोर द्वारा तेज रफ्तार में चलाई जा रही कार ने पीछे से एक बाइक को टक्कर मार दी। बाइक कार में फंसने के बावजूद चालक वाहन चलाता रहा और मोटरसाइकिल को करीब 200 मीटर तक घसीटता ले गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने कार का पीछा किया, चालक को रोक लिया और कथित तौर पर उसकी पिटाई करने के बाद उसे मैलार्देवपल्ली पुलिस के हवाले कर दिया।

हॉकी इंडिया और एडॉप्ट्रीज़ ने हैदराबाद में पर्यावरण अभियान की शुरूआत की

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। महिलाओं की हॉकी वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स 2026 के दौरान हॉकी इंडिया ने अपनी पर्यावरणीय स्थिरता पहल के तहत एडॉप्ट्रीज़ के साथ सहयोग किया। इस पहल के तहत खेल के प्रत्येक प्रमुख मौके पर पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव डाला जाएगा। हर पेनल्टी कॉर्नर पर 50 पेड़ और हर गोल पर 100 पेड़ लगाए जाएंगे। इस अभियान के तहत वृक्षारोपण अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड और तेलंगाना में किया जाएगा। परियोजना तीन चरणों में कार्यान्वित होगी:

चरण 1- नागालैंड : वृक्षारोपण पहले ही शुरू हो चुका है।

चरण 2- अरुणाचल प्रदेश : अगला चरण इसी राज्य में किया जाएगा।

चरण 3- तेलंगाना : जल निकासी और स्थान तय करने जैसे तैयारियों के बाद वृक्षारोपण कार्य शुरू होगा।

टूर्नामेंट के पहले दिन चार मैचों के दौरान 3,250 पेड़ लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। पूरे टूर्नामेंट (8 मार्च से 14 मार्च) के दौरान वृक्षारोपण जारी रहेगा।

यह पहल एफआईएच की 'गिविंग बैक टू फॉरेस्ट' योजना के साथ भी जुड़ी है और खेलों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और स्थायी विकास को बढ़ावा देने का संदेश देती है। अभियान में एक से दो साल के तैयार पौधे लगाए जाएंगे ताकि जीवित रहने की दर अधिक हो और पर्यावरणीय प्रभाव मजबूत हो। हॉकी इंडिया और एडॉप्ट्रीज़ का उद्देश्य यह दिखाना है कि खेलों के माध्यम से कैसे पर्यावरणीय बदलाव लाया जा सकता है और हर खेल का पल हरित और सतत भविष्य के निर्माण में योगदान दे सकता है।

निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर में 415 लोगों ने लाभ उठाया

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा रोशनलाल अग्रवाल फाउंडेशन ट्रस्ट एवं डॉ.बी.आर.अम्बेडकर एजुकेशन इंस्टीट्यशन्स के सहयोग से 162वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर बागलिंगमपल्ली स्थित डॉ.बी.आर.अम्बेडकर एजुकेशन इंस्टीट्यशन्स में आयोजित किया गया।

अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अवसर पर किम्स सनशाइन हॉस्पिटल बेगमपेट द्वारा जनरल फिजिशियन, कार्डियोलॉजी, ऑर्थोपेडिक, ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी, रक्तचाप जांच, आरबीएस की सेवा दी गई जिसमें आर्थो डॉ. गायित्री, डॉ. मबरूर सहित नर्सिंग स्टाफ रानी, संगीता, मल्लेश्वरी, अनुषा, बीएमडी टेकनिशिनय अनिल 2डी इको टेकनिशियन अक्षिता एवं मार्केटिंग के उदय कुमार ने अपना सहयोग प्रदान किया।

शिविर में लायंस क्लब ऑफ़ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल दोमलगुडा द्वारा 226 रोगियों के नेत्रों की स्क्रीनिंग की जिसमें से 114 लोगों को निशुल्क चश्मे तथा 20 लोगों के मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की गई। अवसर पर अजीत कश्यप, एच. भगवान, प्रतीक्षा, के. नर्सिंग राव एवं के. भास्कर ने अपनी सेवा प्रदान की। अवसर पर डॉ. अखिल क्लिनिक (पूरनदास रणछोड़दास) के जनरल फिजिशियन डॉ. अखिल सुगंधी, डॉ. मीनल सुगंधी ने अपनी सेवा दी, वहीं पर फिजियोथेरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज ने दी। दांतों की जांच सीनियर डेंटिस्ट डॉ.एस. नवनीत राज एवं डॉ.एस. निखिल राज ने की। श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा 1 विकलांग रोगी को सेवा प्रदान की।

शिविर में 415 से ज़्यादा रोगियों ने सेवा का लाभ लिया। मुख्य अतिथि श्रम एवं रोजगार मंत्री जी.विवेक वेंकटस्वामी, कृषि आयोग चेयरमैन एन.कोडनाल रेड्डी का स्वागत ट्रस्ट द्वारा किया गया।

शिविर में बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल के सलाहकार शरद बी.पित्ती, संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंदर गोयल, निखिल रानासारिया, दीपक गुप्ता, उर्मिला अग्रवाल सहित स्थानीय पार्टनर रोशन लाल अग्रवाल फाउंडेशन ट्रस्ट और डॉ.बी.आर. अंबेडकर एजुकेशनल इंस्टिट्यशंस, टीपीसीसी भाषाई अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के चेयरमैन राजेश अग्रवाल, बी लक्ष्मण वर्मा, अंजी यादव, नव्वा राजू, के. रघुवीर, वी. नागभूषणम, नरसिंह राव, अनिल कुमार, तरकारी श्रीनिवास, बलराज, पी. बलराज गौड़, पी. गंगाधर, रामुलु मुदिराज चौधरी, पेली साई स्वयंसेवी अजय तुलस्यान, पवन भुवानिया, योगेश अग्रवाल, सुमन भुवानिया, अरुणा तुलशन, सुनयना नरसरिया, बि शांता देवी, एम मोहिनी देवी, अग्र महिला मंच की दीपा गर्ग, सरला अग्रवाल, वंदना अग्रवाल, समाज सेवी गोपाल सिंह, शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव, पित्ती लैमिनेशन के सदस्यों ने सहयोग प्रदान कर शिविर को भव्य रूप से संपन्न बनाया।

जीएचएमसी कमिश्नर ने इंदिरा पार्क का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार की 'प्रजा पालन-प्रगति प्राणालीका' योजना के तहत, जीएचएमसी कमिश्नर आर.वी. कर्णन ने सोमवार को इंदिरा पार्क का अचानक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पार्क में जमा निर्माण एवं खनन कचरे को तुरंत हटाने का निर्देश दिया। साथ ही बच्चों के खेल क्षेत्र की मरम्मत कर इसे शीघ्र कार्यशील बनाने का आदेश दिया। कमिश्नर कर्णन ने पार्क के रखरखाव और साफ-सफाई पर जोर देते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि इंदिरा पार्क को स्वच्छ और आगंतुक-अनुकूल बनाए रखा जाए। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त आयुक्त रवि किरण, क्षेत्रीय आयुक्त मंगथायारू, कावडीगुडा के उप आयुक्त पुष्पलता, और शहरी जैव विविधता तथा ठोस कचरा प्रबंधन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

मोटरसाइकिल डिवाइडर से टकराई, दो लोगों की मौत

निर्मल, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार तड़के कस्बे में गोल्डन फंक्शन हॉल के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार यह दुर्घटना सुबह करीब 6 बजे हुई, जब एक मोटरसाइकिल चालक ने नियंत्रण खो दिया और वाहन सड़क के डिवाइडर से जा टकराया। हादसे में मोटरसाइकिल सवार दोनों लोगों को गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान मंजुलपुर निवासी सृजन (33) और नटराजनगर निवासी प्रपुल (34) के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी जनरल अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के संबंध में आगे की जानकारी जुटाई जा रही है।

शिक्षिका की फांसी, परिवार ने पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई

कोत्तागुडेम, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कोत्तागुडेम कस्बे में एक सरकारी शिक्षिका कविता (37) अपने घर में फांसी पर लटकी हुई पाई गई। यह घटना रविवार रात बी-पावर हाउस इलाके में हुई। कविता के पति मलोथ नागेश्वर राव ने उन्हें एम्बुलेंस से सरकारी जनरल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित किया।

कविता के परिवार ने आरोप लगाया कि पति नागेश्वर राव के कारण उनकी मौत हुई और उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मामा श्रीनिवास ने बताया कि अस्पताल पहुंचने पर पति और उनके परिवार के सदस्य वहां मौजूद नहीं थे, जिससे परिवार को शक हुआ कि मृत्यु में पति की भूमिका हो सकती है।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज का हैदराबाद में आध्यात्मिक सत्संग का कार्यक्रम

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आध्यात्मिक गुरु और सावन कृपाल रूहानी मिशन के प्रमुख संत राजिन्दर सिंह महाराज 13 मार्च को सत्संग और आध्यात्मिक दीक्षा कार्यक्रम के लिए हैदराबाद में पधार रहे हैं। उनकी इस शहर में यह सातवीं यात्रा है, इससे पहले वे 2019 में यहां आए थे।

'मोतियों का शहर' हैदराबाद तब आध्यात्मिक मस्ती से भर जाएगा, जब संत राजिन्दर सिंह जी महाराज 13 मार्च की शाम को 7 बजे यहां अपना आध्यात्मिक प्रवचन देंगे, जिसमें वे प्रेम, खुशी और मन की शांति से भरी जिंदगी जीने के पहलुओं को खोल-खोलकर समझाएंगे। उसके बाद रात 9 बजे नए भाई-बहनों के लिए नामदान (आध्यात्मिक दीक्षा) का कार्यक्रम इसी स्थान पर आयोजित किया जाएगा, जिसमें संत राजिन्दर सिंह महाराज जिज्ञासुओं को प्रभु की ज्योति व श्रुति का निजानुभव प्रदान करेंगे।

यह कार्यक्रम हैदराबाद के नामपल्ली में एम.जे. रोड़ पर अजंता गेट नंबर 2 पर स्थित एग्जिबिशन ग्राउंड्स में किया जाएगा। सावन कृपाल रूहानी मिशन के हैदराबाद सेंटर द्वारा आयोजित इस आध्यात्मिक कार्यक्रम में सिर्फ हैदराबाद से ही नहीं बल्कि भारत के विभिन्न राज्यों के हजारों लोगों के अलावा विदेशों से आए भाई-बहन भी भाग ले रहे हैं।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज एक लाभ न कमाने वाली संस्था सावन कृपाल रूहानी मिशन के अध्यक्ष हैं, जिसे पश्चिमी देशों में साइंस ऑफ स्पिरिचुएलिटी के नाम से भी जाना जाता है। संत राजिन्दर सिंह महाराज के जीवन और उनके आध्यात्मिक कार्य को प्रेम और निस्वार्थ सेवा की कभी न खत्म होने वाली यात्रा के रूप में देखा जा सकता है। उनका उद्देश्य विश्वभर के लाखों लोगों को मनुष्य जीवन के मुख्य ध्येय जोकि अपने आपको जानना और पिता-परमेश्वर को पाना है, को खोजने में मदद करना है। वे पिछले 35 वर्षों से जीवन के सभी क्षेत्रों के लाखों लोगों को ध्यान-अभ्यास की विधि सिखाकर उन्हें अपने अंदर ही प्रभु की ज्योति और श्रुति का अनुभव करा रहे हैं।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज को विश्वभर में ध्यान-अभ्यास पर आधारित सेमिनारों, आध्यात्मिक पुस्तकों, डीवीडी, ऑडियो बुक, लेख, टीवी, रेडियो, इंटरनेट प्रसारणों तथा सोशल मीडिया के माध्यम से लाखों भाई-बहनों को ध्यान-अभ्यास की विधि सिखाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है। संत राजिन्दर सिंह जी महाराज की पुस्तकें विश्व की 56 भाषाओं में उपलब्ध हैं, जिनमें 'मन का शुद्धिकरण,' 'मेडिटेशन ऐज़ मेडिकेशन फॉर द सोल' और 'ध्यान-अभ्यास द्वारा आंतरिक और बाहरी शांति' आदि शामिल हैं। सावन कृपाल रूहानी मिशन के संपूर्ण विश्वभर में 3400 से अधिक केन्द्र स्थापित हैं।

इसका मुख्यालय विजय नगर, दिल्ली में है तथा अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय नेपरविले, शिकागो, अमेरिका में स्थित है।

पूर्व कॉर्पोरेटर जामबाग राकेश जायसवाल ने तेलंगाना सरस्वती परिषद हॉल बोगुलकुंटा में इंटरनेशनल महिला दिवस में शामिल हुए। श्रीमती राधिका प्रेसिडेंट श्री शक्ति मंडल ने प्रोग्राम ऑर्गनाइज़ किया, अवसर पर शैलेंद्र यादव, सम्मिया, रेणुका, बुचम्मा, अनुषा, और अन्य महिलाएं।

असामान्य

भाग-॥-खण्ड 3-उप-खण्ड (॥)

रेल मंत्रालय

(दक्षिण मध्य रेलवे)

अधिसूचना

सिकंदराबाद, 5 मार्च, 2026

एस.ओ.117 (इ)-जबकि भारत सरकार (रेल बोर्ड), सं.एस.ओ.363 (इ), दि.23 जनवरी, 2026 को, गजट आफ इण्डिया, असामान्य, भाग ॥, खण्ड 3, उप-खण्ड (॥), दि. 23 जनवरी,2026 नुसार अधिसूचना प्रकाशित की है तथा खण्ड 20ए की उप-खण्ड (1) की रेल अधिनियम, 1989 (24 वर्ष1989) के तहत (इसे इसके पश्चात् उक्त अधिनयम संबोधित किया जायेगा) यह जारी कर, केंद्र सरकार ने यह घोषणा की है कि, उपरोक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्देशित भूमि को अधिग्रहण या अर्जित करने का इरादा रखती है एवम् तत्संबंधित भूमि अधिग्रहण का उध्देश्य विशेष रेल परियोजना जैसे तेलंगाना राज्य के वरंगल जिले के गांव व मंडल नेक्कोंडा के काजीपेट —डोर्नकल सेक्शन में-नेक्कोंडा टीएसएस निर्माण कार्य में, इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सिस्टम 1X25 से 2X25 केवी ट्रैक्शन सिस्टम के उन्नयन कार्य के प्रति 3000 एमटी लदान लक्ष्य को पूरा करने एवं तत्संबंधित कार्य का निष्पादन, रखरखाव, प्रबंधन तथा संचालनार्थ उक्त भूमि का अधिग्रहण करने का इरादा रखती है।

जबकि, उपरोक्त अधिसूचना के आशय को, प्रख्यात दैनिक समाचारपत्रों जैसे साक्षी (वरंगल मेन) (तेलुगु) वेलुगू (तेलुगु) द हिन्दू (अंग्रेजी) तथा वार्ता (हिन्दी) में दि. 29 जनवरी, 2026 को, मुख्य अभियंता, निर्माण- IV, सुनील कुमार वर्मा- दक्षिण मध्य रेलवे, सिंकदराबाद के अनुमोदन सहित प्रकाशित किया जा चुका है।

जबकि, तत्संबंधित आपत्तियों को प्राप्त किया गया तथा इसपर गंभीर विचार किया गया एवं इस मामले में जांच पूरी होने के बाद, काम्पीटन्ट अथारिटी या सक्षम प्राधिकरण ने तत्संबंधित आपत्तियों को निराधार बताकर अमान्य किया तथा तदनुसार उक्त अधिनियम की उप खण्ड (1) की धारा 20इ में सक्षम प्राधिकरण ने केंद्र सरकार को तत्संबंधित रिपोर्ट प्रस्तुत की।

अब, अतः चूंकि सक्षम प्राधिकरण की उक्त रिपोर्ट की प्राप्ति पर तथा उक्त अधिनियम की उप खण्ड (1) की धारा 20इ का प्रयोग करते हुए, केंद्र सरकार ने एतद्वारा यह घोषणा की है कि, तत्संबंधित अनुसूची में संलग्न विनिर्देशित भूमि को, उपरोक्त उध्देश हेतु अधिग्रहित या अर्जित किया जाये।

एवं इससे आगे, उक्त अधिनियम की उप खण्ड (2) की धारा 20इ के अनुरूप, इसके द्वारा केन्द्र सरकार यह भी घोषणा की है कि, आफिशियल गजट की अधिसूचना के प्रकाशित होने के उपरांत तत्संबंधित अनुसूची में संलग्न विनिर्देशित भूमि बिल्कुल केन्द्र सरकार में किसी भी बंधन से मुक्त है।

अनुसूची

अधिग्रहण की जानेवाली भूमि का विवरणः तेलंगाना राज्य के वरंगल जिले के गांव व मंडल नेक्कोण्डा के काजीपेट-डोर्नकल सेक्शन में निर्माण कार्य-3000 एमटी लदान लक्ष्य को पूरा करने के लिए 1X25केवी से 2X25 केवी ट्रैक्शन सिस्टम तक उन्नयन कार्य।

क्रम संख्या	मण्डल व गांव का नाम	सर्वे नंबर	विस्तार	भूमि का प्रकार	भूमि का स्वभाव	उपभोगकर्ता या एन्जायर का नाम	विस्तार या एक्सेन्ट	संचरना/रिमार्क्स
1	नेक्कोण्डा	25	0.23	पट्टा	सूखा	वाकिटी गौरम्मा धर्मपत्नी (स्व.) सामय्या	0.0625 गुन्टा	इलेक्ट्रिकल हाय टेन्शन पोल
						वाकिटी रजिता धर्मपत्नी (स्व.) सुनील वाकिटी यमुना धर्मपत्नी (स्व.) सुनील	0.10 गुन्टा	
						वाकिटी सारय्या सुपुत्र (स्व.) सामय्या	0.0475 गुन्टा	
						वाकिटी गौरम्मा (डोन्का) धर्मपत्नी (स्व.) सामय्या वाकिटी सारय्या (डोन्का) सुपुत्र (स्व.) सामय्या	0.02 गुन्टा	प्रस्तावित डोन्का दारी (रास्ता)
						उप योग	0.23 गुन्टा	
2	नेक्कोण्डा	13	0.39	पट्टा	सूखा	गोसुला भद्रय्या सुपुत्र वीरय्या	0.15 गुन्टा	
						गोसुला मधुकर व देवेन्दर सुपुत्र वीरय्या	0.24 गुन्टा	
						उप योग	0.39 गुन्टा	
3	नेक्कोण्डा	32/1	0.16	सरकारी	सूखा	वाकिटी गौरम्मा धर्मपत्नी (स्व.) सामय्या	0.06 गुन्टा	
						गोसुला भद्रय्या सुपुत्र वीरय्या	0.01 गुन्टा	
						गोसुला मधुकर व देवेंदर सुपुत्र वीरय्या	0.09 गुन्टा	
						उप योग	0.16 गुन्टा	
						कुल योग	एकड 1.38 गुन्टा	

A2632

(एफ.नं. डब्ल्यू.निर्माण/182/एसआरपी/टीएसएस/एनकेडी/20इ)
हस्ता./-सुनील कुमार वर्मा मुख्य अभियंता/निर्माण -IV

अनन्या रिजॉर्ट के निरीक्षण में मिली अव्यवस्था, मंत्री ने जताई नाराजगी

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वन मंत्री कोंडा सुरेखा ने वनस्थलीपुरम, हैदराबाद स्थित महावीर हरिणा वनस्थली राष्ट्रीय उद्यान में स्थित अनन्या रिजॉर्ट का अचानक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने रिजॉर्ट के रखरखाव और आवश्यक सुविधाओं की कमी पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि पिछले दस वर्षों से रिजॉर्ट का प्रबंधन निजी कंपनी द्वारा किया जा रहा है, लेकिन अब वन विभाग अगले दो महीनों में निजी संस्था से जमीन का नियंत्रण लेगा और इसे विकास के लिए तैयार करेगा। मंत्री सुरेखा ने यह भी बताया कि दस वर्षों में सरकार को केवल एक बार ही कर भुगतान किया गया है और रिजॉर्ट कर्मचारियों के वेतन का भुगतान नहीं किया गया। इसके अलावा, उन्होंने रेस्टरूम, स्विमिंग पूल, कॉटेज और रसोई जैसी सुविधाओं की खराब स्थिति पर गहरी चिंता जताई।

चलती बस में धुआं, यात्रियों को दूसरी बस में स्थानांतरित किया गया

करीमनगर, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार सुबह थिम्मापुर मंडल के अलुगुनूर में एक टीजीएसआरटीसी बस से धुआं निकलते देखा गया। यह बस करीमनगर से हुस्नाबाद जा रही थी। चापाला कॉलोनी पहुंचते ही वाहन से धुआं निकलने लगा, जिसे देखकर यात्रियों ने तुरंत ड्राइवर को सूचना दी। ड्राइवर ने बस रोक दी और बाद में सभी यात्रियों को दूसरी बस में सुरक्षित रूप से स्थानांतरित किया गया। ड्राइवर का अनुमान है कि ब्रेक जाम होने के कारण दो टायरों के बीच घर्षण से यह धुआं निकला होगा।

प्रदीप कुमार को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में रजत पदक

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के खेल एवं युवा सेवा मंत्री वकिटी श्रीहरि ने राज्य के खिलाड़ी पेरुमल्ला प्रदीप कुमार को अंतरराष्ट्रीय शक्ति-उत्थापन प्रतियोगिता में रजत पदक जीतने पर बधाई दी है। पिछले महीने मिस्र की राजधानी काहिरा में आयोजित प्रतियोगिता के वरिष्ठ वर्ग में प्रदीप कुमार ने 82.5 किलोग्राम भार वर्ग में कुल 400 किलोग्राम भार उठाकर दूसरा स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने रजत पदक जीतकर तेलंगाना राज्य का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया। पेरुमल्ला प्रदीप कुमार तेलंगाना राज्य के सेवानिवृत्त राजपत्रित अधिकारी हैं। उन्होंने मल्काजगिरि आयुक्तालय में लेखा अधिकारी के रूप में सेवा देने के बाद सेवानिवृत्ति ली थी। इस अवसर पर मंत्री वकिटी श्रीहरि ने कहा कि यह उपलब्धि पूरे राज्य और देश के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खिलाड़ियों को हर संभव सहयोग प्रदान करेगी और आशा व्यक्त की कि प्रदीप कुमार भविष्य में भी इसी प्रकार सफलता प्राप्त कर तेलंगाना और भारत का नाम ऊंचा करेंगे।

शराब पीकर गाड़ी चलाने पर कार्रवाई, 321 चालक पकड़े गए

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरि ट्रैफिक पुलिस ने सप्ताहांत में शराब पीकर गाड़ी चलाने के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। इस दौरान कुल 321 वाहन चालकों को नशे की हालत में गाड़ी चलाते हुए पकड़ा गया। ट्रैफिक अधिकारियों के अनुसार सबसे अधिक मामले दोपहिया वाहनों के थे। कुल 249 दोपहिया चालक पकड़े गए। इसके अलावा 59 चार पहिया वाहन चालक, 11 तिपहिया चालक और दो भारी वाहन चालक भी कार्रवाई में पकड़े गए। पुलिस ने चालकों को उनके रक्त में अल्कोहल की मात्रा के आधार पर वर्गीकृत किया।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

बीएस. विवेक कुमार
माता : रेणुका
पिता : राजेश

नजरें ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतने पर है : कप्तान सूर्यकुमार यादव

खेल डेस्क, 9 मार्च (एजेंसियां)। कप्तान सूर्यकुमार यादव का नाम अब उस खास लिस्ट में शामिल हो गया है, जिन्होंने भारत को आईसीसी टूर्नामेंट जिताया है. सूर्या की कप्तानी में टीम इंडिया का प्रदर्शन काफी दमदार रहा और अहमदाबाद में न्यूजीलैंड को हराकर टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब अपने नाम किया. हालांकि, टूर्नामेंट की शुरुआत से ही अटकलें लगाई जा रही थीं कि 35 साल के सूर्यकुमार यादव इस टूर्नामेंट के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे. अब उन्होंने खुद इस राज से पर्दा उठा दिया है.

संन्यास पर सूर्यकुमार यादव का बड़ा बयान

टी20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल जीतने के बाद भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में रिटायरमेंट को लेकर उठ रहे सवालों का मजाकिया अंदाज में जवाब दिया. मैच के तुरंत बाद हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में हेड कोच गौतम गंभीर के साथ मौजूद सूर्या ने कहा, 'जब सब कुछ इतना अच्छा चल रहा है तो रिटायरमेंट के बारे में सोचने की क्या जरूरत है.' यानी उन्होंने साफ किया कि वह कहीं नहीं जा रहे हैं और अभी काफी क्रिकेट बाकी है.

सूर्यकुमार यादव ने बताया अगला टारगेट

सूर्यकुमार यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अपने आगे के प्लान के बारे में भी बताया. सूर्या ने बताया कि अब उनकी नजरें ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतने पर हैं. साथ ही टी20 वर्ल्ड कप 2028 के ऊपर भी उनकी निगाहें हैं. ऐसे में कहा जा सकता है कि सूर्या अभी कम से कम 2 साल और इंटरनेशनल क्रिकेट खेलना चाहते हैं. क्योंकि टी20 वर्ल्ड कप का अगला एडिशन 2028 में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की मेजबानी में खेला जाएगा.

फाइनल में नहीं चला बल्ला

सूर्यकुमार यादव के लिए फाइनल मैच बतौर बल्लेबाज कुछ खास नहीं रहा. वह बिना खाता खोले आउट हो गए. हालांकि, इस टूर्नामेंट में उन्होंने 9 मैच खेलते हुए कुल 242 रन बनाए. वह 2026 टी20 वर्ल्ड कप में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज रहे. जिसमें एक अर्धशतक भी शामिल रहा, जो टूर्नामेंट के पहले ही मैच में आया था. उस मुकाबले में उन्होंने दबाव में एक मैच विनिंग पारी खेली थी.

भारत को मिली रिकॉर्डतोड़ प्राइज मनी

इससे पहले किसी टीम को नहीं मिला था इतना पैसा

अहमदाबाद, 9 मार्च (एजेंसियां)। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए रोमांचक फाइनल में भारतीय क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड को हराकर आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब अपने नाम किया. इसी के साथ भारतीय टीम इस टूर्नामेंट को तीन बार जीतने वाली पहली टीम बन गई. वहीं, टीम इंडिया ने अपने घर पर टी20 वर्ल्ड कप जीतने का कारनामा भी कर दिखाया, जो इससे पहले कोई नहीं कर सका था. इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद टीम इंडिया को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की ओर से रिकॉर्डतोड़ प्राइज मनी भी मिली.

टीम इंडिया पर बरसा पैसा

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने इस टूर्नामेंट के लिए प्राइज मनी का पूल लगभग 120 करोड़ रुपए रखा, जिसमें से चैंपियन टीम को सबसे बड़ा हिस्सा मिला. भारतीय टीम ने विजेता के रूप में 3 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 27.48 करोड़ रुपए) की प्राइज मनी हासिल की. यह प्राइज मनी पिछले एडिशन्स की तुलना में काफी ज्यादा है, पिछली बार भारतीय टीम को चैंपियन बनने पर 2340000 अमेरिकी डॉलर मिले थे.

दूसरी ओर, फाइनल हारने के बावजूद न्यूजीलैंड की टीम भी मालामाल हुई. न्यूजीलैंड को रनर-अप के तौर पर 1.6 मिलियन डॉलर (करीब 14.65 करोड़ रुपए) मिले. सेमीफाइनल में हारने वाली टीमें साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड को 790,000 डॉलर (लगभग 7.24 करोड़ रुपए) दिए गए. इनके अलावा सुपर 8 स्टेज तक पहुंचकर सेमीफाइनल में जगह न बना पाने वाली हर एक टीम को 380,000 डॉलर (करीब 3.48 करोड़ रुपए) का इनाम मिला. ग्रुप स्टेज में हिस्सा लेने वाली सभी टीमों को भी 250,000 डॉलर (लगभग 2.29 करोड़ रुपए) की गारंटीड प्राइज मिली.

एकतरफा रहा फाइनल मैच

फाइनल मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शानदार प्रदर्शन किया. संजू सैमसन ने 46 गेंदों में 89 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसकी बदौलत टीम ने 5 विकेट पर 255 रन बनाए. जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 159 रनों पर सिमट गई. इस दौरान जसप्रीत बुमराह ने 15 रन देकर 4 विकेट चटकाए. वहीं, अक्षर पटेल ने 3 विकेट अपने नाम किए. इसी के साथ भारतीय टीम टी20 वर्ल्ड कप के टाइटल को डिफेंड करने वाली पहली टीम भी बन गई.

धोनी बोले- कोच साहब, आप पर मुस्कुराहट अच्छी लगती है

इनक्रेडिबल वर्क, टीम इंडिया- सचिन; कोहली ने कहा- अहमदाबाद में भारत की अद्भुत जीत

खेल डेस्क, 9 मार्च (एजेंसियां)। भारत की टी-20 वर्ल्ड कप जीत ने एमएस धोनी को भी सोशल मीडिया पोस्ट करने पर मजबूर कर दिया। पूर्व कप्तान धोनी ने चैंपियन टीम की फोटो इंस्टाग्राम पर शेयर की और लिखा, अहमदाबाद में इतिहास रचा गया। कोच साहब (गौतम गंभीर), आपके चेहरे पर मुस्कुराहट अच्छी लगती है।

वहीं सचिन तेंदुलकर पूरे मैच के दौरान एक्स पर एक्टिव नजर आए। जीत के बाद उन्होंने कहा, टीम इंडिया ने इनक्रेडिबल वर्क किया। वहीं विराट कोहली बोले, अहमदाबाद में भारत ने अद्भुद जीत हासिल की।

भारत ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल जीता। टीम ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराया और लगातार तीसरा आईसीसी टाइटल अपने नाम किया। भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप भी तीसरी बार ही जीता।

एमएस धोनी ने 21 महीने बाद अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कोई फोटो शेयर की। उन्होंने लिखा, अहमदाबाद में इतिहास रचा गया। टीम इंडिया, सपोर्ट स्टाफ और सभी फैंस को बधाइयां। आप सभी को खेलते हुए देखकर बहुत खुशी हुई। कोच साहब (गौतम गंभीर) आपके चेहरे पर मुस्कुराहट अच्छी लगती है। मैच इंटेंसिटी के साथ आपकी स्माइल एक किलर कॉम्बिनेशन है। बेहतरीन प्रदर्शन, मजे कीजिए। बुमराह के बारे में कुछ न लिखूं तो ही अच्छा है। चैंपियन बॉलर।

धोनी ने इससे पहले 2024 में टीम इंडिया को टी-20 वर्ल्ड कप जीतने पर ही सोशल मीडिया पर बधाई दी थी। इस बार तो वे सेमीफाइनल और फाइनल के दौरान स्टेडियम में भी मौजूद रहे। सचिन तेंदुलकर फाइनल के दौरान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक्टिव नजर आए। उन्होंने संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, शिवम दुबे, अक्षर पटेल और जसप्रीत की तारीफ की। संजू पर उन्होंने कहा, 'सैमसन बड़ी स्मार्ट बैटिंग कर रहे हैं, वे जानते हैं कि कहां अटैक करना है और कहां डिफेंड करना है। ईशान किशन ने भी बेहतरीन शॉट्स खेले।'

मैच के बाद तेंदुलकर बोले, ₹भारत और न्यूजीलैंड के बॉलर्स में यही अंतर रहा कि इंडिया ने स्लोअर गेंदें बहुत ज्यादा इस्तेमाल कीं। अहमदाबाद में शॉर्ट पिच गेंदें और वैरिएशन ही कारगर रहे। टी-20 वर्ल्ड कप लगातार 2 बार जीतना एक खास अहसास है। भारत इस ट्रॉफी को जीतना डिजर्व करता है।

टीम इंडिया में 'बॉलिंग का डॉन ब्रैडमैन' कौन?

टी20 वर्ल्ड कप की जीत के बाद सामने आया बुमराह

नई दिल्ली, 9 मार्च (एजेंसियां)। भारत के पूर्व टेस्ट ओपनर और मौजूदा कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में मैच विनिंग स्पेल के लिए जसप्रीत बुमराह की तारीफ की है. उन्होंने कहा कि ये अनोखा सीमर गेंद से उतने ही कंसिस्टेंट हैं जितने ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज सर डॉन ब्रैडमैन बल्ले से थे.

भारत ने अहमदाबाद में के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में न्यूजीलैंड को 256 रन का टारगेट दिया. इसके बाद बुमराह ने 4 ओवर में 4/15 के आंकड़े दर्ज किए, जिससे 'मेन इन ब्लू' ने कीवी टीम को 159 रन पर आउट कर दिया, और 96 रन से बड़ी जीत पक्की कर ली.

अपने यू-ट्यूब चैनलपर शेयर किए गए एक वीडियो में आकाश चोपड़ा ने गेंद से बेहतरीन प्रदर्शन के लिए बुमराह की तारीफ की, उन्होंने कहा, 'मैं जसप्रीत बुमराह से शुरू करना जा रहा हूं, क्योंकि वो बॉलिंग के ब्रैडमैन हैं. कोई इतना कंसिस्टेंट कैसे हो सकता है? कोई इतना वेदाग कैसे हो सकता है? आप उन्हें जीनियस कहते हैं, और मैं सिर्फ बुमराह सुनता हूं. उस आदमी का कभी कोई खराब दिन नहीं होता.' आकाश चोपड़ा ने बताया कि इस टॉप सीमर ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 फाइनल में वैट्समैन को आउट करने के लिए अपनी सटीक यॉर्कर के बजाय धीमी गेंदों पर फोकस दिया. पूर्व क्रिकेटर ने कहा, 'उन्होंने इस गेम में 4 विकेट लिए. आम तौर पर, ब्रम्मोस तेज गति से जाती है और वेस को उड़ा देती है, लेकिन उन्होंने कहा कि वो इस बार कुछ अलग करेंगे. उन्होंने कहा कि वो तेज बॉलिंग करते-करते बोर हो गए थे.

ऑल इंग्लैंड के फाइनल में हारे लक्ष्य सेन

खिताब से चूके; लिन चुन-यी ने दी मात

बर्मिंघम, 9 मार्च (एजेंसियां)। भारत के अनुभवी शटलर लक्ष्य सेन ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में हार गए हैं। पुरुष एकल वर्ग के खिताबी मुकाबले में लक्ष्य को चीनी ताइपे के लिन चुन-यी के खिलाफ 15-21, 20-22 से हार का सामना करना पड़ा। दोनों खिलाड़ियों के बीच यह मुकाबला बर्मिंघम में खेला गया। लक्ष्य सेन के पास न केवल खिताब जीतने बल्कि जनवरी में लिन चुन-यी से मिली हार का बदला लेने का भी सुनहरा मौका था, लेकिन वह इससे चूक गए। इससे पहले सेन को इंडिया ओपन के क्वार्टरफाइनल में लिन चुन-यी के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

सेमीफाइनल में दिखाया जबरदस्त जज्बा

लक्ष्य सेन ने सेमीफाइनल में कनाडा के विक्टर लाई को 1 घंटे 37 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 21-16, 18-21, 21-15 से हराया था। मैच के बाद लक्ष्य सेन ने कहा था कि उन्होंने सिर्फ हर पॉइंट पर ध्यान दिया। तीसरे गेम की शुरुआत में उनके पैरों में ऐंठन भी महसूस हुई, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और लगातार संघर्ष करते रहे।

दूसरी बार ऑल इंग्लैंड के फाइनल में पहुंचे थे लक्ष्य

यह लक्ष्य सेन का दूसरा ऑल इंग्लैंड ओपन फाइनल था, जिसमें वह हार गए। इससे पहले 2022 में वह फाइनल तक पहुंचे थे, जहां उन्हें विक्टर एक्सलसेन से हार का सामना करना पड़ा था।

भारत के लिए था खास मौका

भारत की ओर से इससे पहले प्रकाश पादुकोड़ ने

कुछ टीम का असर दूसरों से ज्यादा है, ईरान और इजराइल-अमेरिका युद्ध के बीच आईसीसी पर भड़के क्विंटन डिकॉक-डेविड मिलर

मुंबई, 9 मार्च (एजेंसियां)। क्विंटन डिकॉक और डेविड मिलर ने इंटरनेशनल क्रिकेट परिषद की आलोचना की है कि उसने कथित तौर पर साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज के बजाय इंग्लैंड के यात्रा कार्यक्रम को प्राथमिकता दी, जबकि दोनों टीम अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष के कारण हुई दिक्कतों के बीच अब तक स्वदेश लौटने का इंतजार कर रही हैं. इंग्लैंड के जाने के बाद साउथ अफ्रीका के क्विंटन डिकॉक और डेविड मिलर ने आईसीसी पर भड़ास निकाली है. आइए जानते हैं कि उन्होंने क्या कहा है.

क्विंटन डिकॉक ने इंस्टाग्राम पर लिखा, ₹मजेदार है कि आईसीसी ने हमें कुछ नहीं बताया. इस बीच इंग्लैंड किसी तरह से हमारे से पहले कैसे जा रहा है? वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका तो बस अंधेरे में हैं. अजीब है कि अलग-अलग टीम का दूसरों से अधिक असर होता है.₹

मिलर ने ईएसपीएनक्रिकइंफो की एक पोस्ट के कमेंट सेक्शन में लिखा, मजेदार बात ये है कि वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका के बाद इंग्लैंड बाहर हुआ और आज रात चार्टर्ड उड़ान से स्वदेश वापस लौट गया, जबकि वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका अब भी कोलकाता में जवाब का इंतजार कर रहे हैं.₹ दो बार विश्व कप जीतने वाली वेस्टइंडीज टीम के पूर्व कप्तान और मौजूदा मुख्य कोच डेरेन सैमी ने भी इस मामले पर अपनी राय दी. सैमी ने लिखा, डेविड मिलर पीछे बैठे लोगों को सुनाने के लिए थोड़ा जोर से बोलो.

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका से पहले इंग्लैंड को स्वदेश भेजने के आईसीसी के फैसले पर सवाल उठाया. वॉन ने एक्स पर लिखा, ₹तो इंग्लैंड ग्रुप्स को बाहर हो गया. आज चार्टड उड़ान से स्वदेश रवाना. वेस्टइंडीज पिछले रविवार को बाहर हो गया और अब भी कोलकाता में है. अफ्रीका की भी यही स्थिति है. यहीं पर ताकत पूरी तरह से गलत है. इस स्थिति में सभी टीम के साथ एक जैसा व्यवहार किया जाना चाहिए. सिर्फ इसलिए कि आप आईसीसी में अधिक ताकतवर हैं. इसका फायदा नहीं मिलना चाहिए

क्रिकेट से संन्यास के बाद डब्ल्यूडब्ल्यूई में अंडरटेकर से भिड़ने वाले थे एंड्रयू फ्लिंटॉफ, आखिरी वक्त पर क्यों छोड़ दिया ऑफर?

लंदन, 9 मार्च (एजेंसियां)। डब्ल्यूडब्ल्यूई में काम करने का सपना हर कोई देखता है. सभी को ये मौका नहीं मिल पाता है. कुछ ही कंपनी में जाकर नाम कमा पाते हैं. आपने देखा होगा कि डब्ल्यूडब्ल्यूई में एंट्री के लिए रेसलर्स को बहुत मेहनत करनी पड़ती है. कुछ सौभाग्यशाली होते हैं जिन्हें डब्ल्यूडब्ल्यूई द्वारा खुद ऑफर दिया जाता है. इनमें से एक इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी एंड्रयू फ्लिंटॉफ भी थे. उन्हें डब्ल्यूडब्ल्यूई ने तीन साल का कॉन्ट्रैक्ट मेल किया था. फ्लिंटॉफ ने ये ऑफर एक मजबूरी के कारण ठुकरा दिया. फ्लिंटॉफ ने खुद इस बात का खुलासा किया.

एंड्रयू फ्लिंटॉफ का क्रिकेट की दुनिया में बहुत बड़ा नाम है. उन्होंने 2010 में क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लिया था. पिछले साल ओवरलैप स्टिक टू क्रिकेट पॉडकास्ट पर फ्लिंटॉफ ने डब्ल्यूडब्ल्यूई में एंट्री को लेकर खुलासा किया था. उन्होंने कहा, "मैं रिटायरमेंट के बाद कुछ समय के लिए छुप गया था. मैं सोच रहा था कि अब क्या करूंगा. टीवी से कुछ ऑफर आए, लेकिन वो मेरे प्लान में नहीं था. मैंने लगभग WWE में एंट्री कर ली थी. दुबई में मेरी हालत खराब हो गई थी. मैं अनफिट हो गया था. मेरा वजन काफी बढ़ गया था. मैं फिट होना चाहता था, लेकिन मुझे प्रेरणा की जरूरत थी."

उन्होंने आगे कहा, "बचपन से मैंने डब्ल्यूडब्ल्यूई बहुत पसंद किया. मेरे दिमाग में वहां जाने का आइडिया आया. मैं स्काई नेटवर्क के साथ 'लीग ऑफ़ देयर ओन' भी कर रहा था. मैनचेस्टर में अंडरटेकर से मुकाबला पहला कदम था. मैंने चैनल को इसका आइडिया दिया. इस आइडिया को डब्ल्यूडब्ल्यूई को दे दिया गया. इसके बाद मैं विंस मैकमैहन के संपर्क में आ गया था. डब्ल्यूडब्ल्यूई ने मुझे अपनी एकेडमी में भेजा. मैंने वहां पर दो हफ्ते ट्रेनिंग की. इसके बाद डब्ल्यूडब्ल्यूई की तरफ से मुझे तीन साल के कॉन्ट्रैक्ट का मेल आया. डब्ल्यूडब्ल्यूई ने मुझे रॉयल रंबल और रेसलमेनिया में लड़ने का ऑफर दिया. मुझे ये ऑफर ठुकराना पड़ा क्योंकि मेरे बच्चे अमेरिका नहीं जाना चाहते था. वो क्रिकेट ही खेलना चाहते थे".

एंड्रयू फ्लिंटॉफ को इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट लिए हुए 15 साल से अधिक समय बीत चुका है. उन्होंने 2010 में इंग्लैंड के लिए 79 टेस्ट, 141 वनडे और 7 टी20 मैच खेलने के बाद संन्यास ले लिया था. उनकी कुछ ऐतिहासिक पारियों को आज भी याद किया जाता है. क्रिकेट से रिटायर होने के बाद फ्लिंटॉफ ने बॉक्सिंग में भी किस्मत आजमाई. इसके बाद ही उन्होंने डब्ल्यूडब्ल्यूई में काम करने के बारे में सोचा था. फ्लिंटॉफ ने अगर ऑफर स्वीकार कर लिया होता तो शायद वो आज डब्ल्यूडब्ल्यूई के भी बड़े रेसलर होते.

जयपुर की मॉडल के साथ दिखे ईशान किशन

टी20 वर्ल्ड कप जीत के जश्न में शामिल हुई अदिति हुंडिया, दादा ने किया था अफेयर का खुलासा

जयपुर, 9 मार्च (एजेंसियां)। भारत क्रिकेट टीम ने तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप जीता। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टीम इंडिया के खिलाड़ी जीत के जश्न में डूबे हुए थे। इस दौरान पहली बार बल्लेबाज ईशान किशन अपनी गर्लफ्रेंड अदिति हुंडिया के साथ सार्वजनिक रूप से दिखाई दिए। दोनों की तस्वीरें और वीडियो भी सामने आई हैं।

अदिति जयपुर के सिविल लाइंस की रहने वाली हैं। वो एक मॉडल और एंटरप्रेन्योर हैं, जयपुर में उनका अपना फैशन ब्रांड है। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में अदिति ने ईशान के साथ हार्दिक पांड्या, सूर्य कुमार यादव और अन्य खिलाड़ियों के साथ खूब मस्ती की। फाइनल मैच से पहले उन्हें भारतीय टीम के खिलाड़ियों के साथ एक रेस्तरां में डिनर पर भी देखा गया था।

पिछले कुछ साल से ईशान किशन और अदिति हुंडिया के रिश्ते को लेकर चर्चाएं चल रही थीं। इसी महीने ईशान की गर्लफ्रेंड का नाम उनके दादा राम अनुग्रह पांडेय ने बताया था।

एक इंटरव्यू में पांडेय ने कहा था- ईशान जिससे भी शादी करेगा हमें स्वीकार है। उसके बड़े भाई ने कहा था कि पल्लवी से शादी करेंगे, तो हमने करवा दी थी। अब इसकी भी करवा देंगे। अदिति उसकी गर्लफ्रेंड है। वो जयपुर में रहता है। मॉडल है, मिस इंडिया कंटेस्ट में दूसरे नंबर पर आई थी।

बताया जा रहा है कि जल्दी ही ईशान शादी के बंधन में बंध सकते हैं। हालांकि, इस बारे में अभी दोनों परिवारों की तरफ से कुछ नहीं कहा गया है।

अदिति हुंडिया के पिता जयपुर में घी कारोबारी हैं। वे मिस डीवा 2018 की विनर रह चुकी हैं। यहीं से उन्हें मॉडलिंग की दुनिया में अलग पहचान मिलनी शुरू हुई थी। वे फेमिना मिस इंडिया की फाइनलिस्ट भी रह चुकी हैं। नेशनल ब्यूटी क्वीन कॉन्सटेस्ट तक पहुंची हैं। फैशन क्रेडिबिलिटी के साथ सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं।

ईशान किशन और अदिति हुंडिया के अफेयर की चर्चा 2019 IPL के दौरान ही होने लगी थी। स्टैंड में अदिति की मौजूदगी 'मिस्ट्री फैनगर्ल' के रूप में चर्चा का विषय बनने लगी थी।

ओलंपिक खेलों के आयोजन के लिए राज्य को तैयार किया जाए : रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री ने खेल विभाग की समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने खेल विभाग की समीक्षा बैठक की। इस बैठक में वकिटी श्रीहरी, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेन्द्र रेड्डी, एसएटी चेयरमैन शिवसेना रेड्डी, सरकारी मुख्य सचिव रामकृष्णाराव, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्रीनिवास राजू और शेषाद्रि, एसएटी प्रबंध निदेशक सोनी बालदेवी, यंग इंडिया स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ.जी. किशोर और अन्य उच्च अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में यंग इंडिया स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी में अंतरराष्ट्रीय स्तर के सुविधाओं की व्यवस्था और सभी प्रकार के खेलों के लिए मैदानों के निर्माण पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि ओलंपिक लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए राज्य में सभी सुविधाओं के साथ स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी और प्रशिक्षण केंद्र बनाए जाएं ताकि खिलाड़ी बेहतर प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने गच्चीबावली आउटडोर स्टेडियम के पुनर्विकास, स्टेडियम परिसर में इंडोर स्टेडियम, विश्वविद्यालय परिसर, छात्रावास भवन, सभी प्रकार के खेल मैदान और प्रशिक्षण के लिए आवश्यक अन्य सुविधाओं की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। निर्माण से संबंधित विभिन्न डिज़ाइनों की समीक्षा भी मुख्यमंत्री ने की और अधिकारियों को आवश्यक सुझाव दिए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि ओलंपिक और कॉमनवेल्थ खेलों के आयोजन के लिए राज्य को तैयार किया जाए और ओलंपिक में तेलंगाना के खिलाड़ियों की प्रतिभा को प्रदर्शित करने के लिए योजना बनाई जाए। नगर के करोड़ विजयभास्कर रेड्डी स्टेडियम, एलबी स्टेडियम और सरूरनगर स्टेडियम को भविष्य की आवश्यकताओं, प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं के अनुसार आधुनिक बनाने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए।

शहर में बढ़ी उमस, सुबह से ही गर्मी का एहसास

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को शहर में असामान्य और उमस भरा मौसम देखने को मिला। सुबह सूरज निकलने से पहले ही हवा में भारीपन और उमस महसूस होने लगी, जिससे लोगों को परेशानी हुई। आमतौर पर मार्च का महीना शुष्क गर्मी के लिए जाना जाता है, लेकिन इन दिनों सुबह के समय उमस में अचानक बढ़ोतरी देखी जा रही है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) हैदराबाद के अनुसार, सोमवार को सुबह 8:30 बजे तक शहर में आर्द्रता करीब 76 प्रतिशत दर्ज की गई। सुबह के समय ठंडक के कारण सापेक्ष आर्द्रता अधिक रहती है। निजी मौसम एप्लिकेशन के अनुसार भी सोमवार को सुबह 5 बजे से 8 बजे के बीच आर्द्रता लगभग 74 प्रतिशत रही, जिसके कारण लोगों को पसीने और उमस का अनुभव हुआ। मौसम विभाग के अनुसार शाम तक आर्द्रता घटकर लगभग 41 प्रतिशत रह सकती है, जबकि तापमान 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। मौसम विभाग का कहना है कि सुबह के समय अधिक आर्द्रता और दिन में इसके कम होने का यही पैटर्न 15 मार्च तक जारी रहने की संभावना है।

देशभर में बीजेपी की वृद्धि करोड़ों कार्यकर्ताओं के त्याग के कारण : राव

पंडित दीनदयाल शिक्षक प्रशिक्षण अभियान

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीजेपी तेलंगाना राज्य कार्यालय में आयोजित पंडित दीनदयाल शिक्षक प्रशिक्षण अभियान कार्यक्रम में बीजेपी तेलंगाना राज्य अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने पार्टी कार्यकर्ताओं को दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की वृद्धि का मुख्य कारण देशभर में कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए त्याग और विचारधारात्मक संघर्ष हैं। उन्होंने याद दिलाया कि एक समय में उत्तर-पूर्व भारत के सात राज्यों (सेवन सिस्टर्स स्टेट्स) में बीजेपी, आरएसएस और छात्र परिषद के कार्यकर्ताओं पर अपहरण और हत्याओं जैसी घटनाएं होती थीं। ऐसे कठिन परिस्थितियों में भी कार्यकर्ताओं ने पीछे हटे बिना संघर्ष किया, जिसके कारण आज उन सात राज्यों में भी पार्टी मजबूत हुई है।

उन्होंने बताया कि उन क्षेत्रों में कुछ राज्य पूरी तरह बौद्ध बहुल हैं, कुछ में ईसाई आबादी अधिक है, कुछ आदिवासी क्षेत्रों में हैं और एक राज्य में कम्युनिस्ट प्रभाव अधिक था। बहुत से लोगों का मानना था कि ऐसे क्षेत्रों में बीजेपी का कोई स्थान नहीं होगा, लेकिन कार्यकर्ताओं की निष्ठा और संघर्ष के कारण आज वहां पार्टी मजबूत है।

एन. रामचंदर राव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी पहले उत्तर भारत तक ही सीमित मानी जाती थी, लेकिन आज पार्टी देशभर में फैल चुकी है और पूर्व, पश्चिम तथा दक्षिण भारत में भी उसका मजबूत स्थान है। उन्होंने कर्नाटक में पार्टी के सत्ता में आने और केरल में पहली बार बीजेपी सांसद के जीतने को पार्टी विस्तार का उदाहरण बताया। उन्होंने कर्नाटक और केरल में कम्युनिस्ट हिंसा का उल्लेख करते हुए कहा कि बीजेपी और आरएसएस कार्यकर्ताओं पर कई हमले हुए।

स्कूल में शिक्षक के रूप में कार्यरत कार्यकर्ता को छात्रों के सामने ही मारा गया और कई कार्यकर्ताओं को उनके परिवार के सामने ही मार डाला गया। इसके बावजूद कार्यकर्ताओं ने पीछे नहीं हटे और पार्टी को मजबूत किया। केरल में त्रिवेन्द्रम समेत कई स्थानीय संस्थानों में बीजेपी की मजबूती पार्टी की वृद्धि का उदाहरण है।

रामचंदर राव ने कहा कि देशभर में बीजेपी की वृद्धि किसी एक व्यक्ति के कारण नहीं, बल्कि करोड़ों कार्यकर्ताओं के त्याग के कारण हुई है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक अनेक राज्यों में कार्यकर्ताओं ने कठिनाइयों का सामना किया। गुजरात में सत्ता में आने से पहले कांग्रेस सरकार ने टाडा कानून का उपयोग करके बीजेपी कार्यकर्ताओं को परेशान किया, वहीं बिहार में भी कई दबाव और उत्पीड़न हुए। उन्होंने यह भी कहा कि देश में आपातकाल के दौरान छात्र परिषद, बीजेपी और आरएसएस के कई नेता और कार्यकर्ता जेलों में बंद किए गए थे, फिर भी आंदोलन रुके नहीं। उनके त्याग पर ही आज बीजेपी केंद्र में सत्ता में है और अनेक राज्यों में भी सत्ता प्राप्त की है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि उसी त्याग और प्रतिबद्धता के साथ काम किया जाए, तो तेलंगाना में भी भारतीय जनता पार्टी सत्ता में आ सकती है।

भूमि अधिग्रहण को लेकर राज्य सरकार के खिलाफ बढ़ रहा विरोध

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद विभिन्न परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण को लेकर कई विवाद सामने आए हैं। किसान, छात्र, स्थानीय निवासी और भूस्वामी सरकार की योजनाओं के खिलाफ अलग-अलग स्थानों पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

पिछले दो वर्षों में लागाचेरला से लेकर मधु पार्क रिज अपार्टमेंट तक कई मामलों में सरकार को विरोध का सामना करना पड़ा है। कई लोगों ने पर्यावरण पर असर की चिंता जताई है, जबकि किसानों का कहना है कि उन्हें जमीन के बदले पर्याप्त मुआवजा नहीं मिल रहा और उनकी आजीविका खतरे में पड़ रही है।

अक्टूबर 2024 में सरकार द्वारा फार्मा विलेज स्थापित करने के लिए लागाचेरला, पोलेपल्ली और हकीमपेट क्षेत्रों में किसानों की जमीन अधिग्रहित करने की कोशिश के बाद बड़ा विवाद खड़ा हो गया था।

इसके बाद मार्च 2025 में कांचा गचीबौली क्षेत्र में लगभग 400 एकड़ में फैली जैव विविधता वाले इलाके में सूचना प्रौद्योगिकी पार्क बनाने की अनुमति दिए जाने पर भी विरोध हुआ।

हैदराबाद विश्वविद्यालय के छात्रों और कई संगठनों ने इसके खिलाफ प्रदर्शन किया। बाद में सर्वोच्च न्यायालय ने मामले में हस्तक्षेप करते हुए प्रक्रिया पर रोक लगाने का निर्देश दिया। सितंबर 2025 में नलगोंडा और संगारेड्डी सहित कई क्षेत्रों के किसानों ने क्षेत्रीय रिंग रोड के दक्षिणी हिस्से के लिए जमीन अधिग्रहण के खिलाफ सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया। किसानों ने आरोप लगाया कि सरकार ने प्रभावशाली लोगों की जमीन बचाने के लिए सड़क का मार्ग बदला है और उपजाऊ जमीन के लिए कम मुआवजा दिया जा रहा है। इसी तरह मकथल के किसानों ने नारायणपेट-कोडंगल लिफ्ट सिंचाई परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण का विरोध किया, जबकि रामन्नापेट क्षेत्र के किसानों ने एक सीमेंट कारखाने के लिए जमीन लेने पर आपत्ति जताई। हाल ही में गांधी सरोवर परियोजना के लिए मधु पार्क रिज अपार्टमेंट की सात एकड़ जमीन अधिग्रहण को लेकर नया विवाद सामने आया है, जिससे विरोध और तेज हो गया है। विपक्षी दलों का आरोप है कि सरकार ने भूमि अधिग्रहण से पहले जनता को विश्वास में नहीं लिया। विपक्षी नेताओं का कहना है कि विस्थापित लोगों की पीड़ा पर आधारित विकास स्वीकार्य नहीं है और भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया कानून के अनुसार तथा उचित मुआवजे के साथ ही होनी चाहिए।

तेलंगाना से राज्यसभा के लिए सिंघवी और नरेंद्र रेड्डी सर्वसम्मति से निर्वाचित

दिल्ली में तेलंगाना की आवाज़ को मजबूती से उठाऊंगा - रेड्डी

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी और राज्य सरकार के सलाहकार वेनम नरेंद्र रेड्डी को सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी की ओर से तेलंगाना से राज्यसभा के सदस्य के रूप में सर्वसम्मति से चुना गया। नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद रिटर्निंग ऑफिसर ने दोनों नेताओं को चुनाव प्रमाण पत्र सौंप दिए।मीडिया से बात करते हुए नरेंद्र रेड्डी ने कांग्रेस नेतृत्व एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे , विपक्ष के नेता राहुल गांधी और मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी का धन्यवाद किया, जिन्होंने उन्हें राज्यसभा में राज्य का प्रतिनिधित्व करने का अवसर दिया। उन्होंने कहा कि वे राष्ट्रीय राजधानी में तेलंगाना के मुद्दों को मजबूती से उठाएंगे और लंबित मामलों के समाधान के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा, मैं दिल्ली में तेलंगाना की आवाज़ को मजबूती से उठाऊंगा और केंद्र सरकार पर राज्य को मिलने वाले बकाया फंड जारी करने और लंबित परियोजनाओं को पूरा करने के लिए दबाव डालूंगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे कांग्रेस नेतृत्व में राज्य के विकास के लिए प्रयासरत रहेंगे। नरेंद्र रेड्डी ने उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क , मंत्री डी श्रीधर बाबू और तेलंगाना पीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ का भी समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि 2004 से 2009 के बीच विधायक के रूप में उनके पिछले अनुभव से उन्हें संसद में जनता के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने में मदद मिलेगी। इस बीच, वरिष्ठ अधिवक्ता और कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी के तेलंगाना से राज्यसभा के लिए चुने जाने से पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राज्यसभा में सिंघवी की मौजूदगी से तेलंगाना के मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर अधिक ध्यान मिलेगा।कांग्रेस हाईकमान ने तेलंगाना से राज्यसभा की दो रिक्त सीटों के लिए दोनों नेताओं को नामित किया था। अन्य किसी पार्टी के उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल नहीं किया, इसलिए दोनों नेता सर्वसम्मति से निर्वाचित हो गए। नव-निर्वाचित सदस्यों ने कहा कि वे संसद में तेलंगाना के हितों का मजबूती से प्रतिनिधित्व करेंगे और राज्य के विकास के लिए लगातार काम करेंगे।

अपराधियों ने सेवानिवृत्त जज से 1 करोड़ रुपये की ठगी की

'डिजिटल अरेस्ट' साइबर ठगी का चौंकाने वाला मामला

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर अपराधियों ने 'डिजिटल अरेस्ट' का डर दिखाकर एक सेवानिवृत्त जिला जज से एक करोड़ रुपये से अधिक की ठगी कर ली। घटना शहर के मलकाजगिरी इलाके की बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, 69 वर्षीय पीड़ित को कुछ दिनों पहले अज्ञात लोगों के फोन आए।

कॉल करने वालों ने खुद को कानून प्रवर्तन एजेंसियों का अधिकारी बताते हुए दावा किया कि उनका मोबाइल नंबर महिलाओं की तस्करी जैसे गंभीर अपराधों से जुड़ा हुआ है। ठगों ने पीड़ित को गिरफ्तारी और कानूनी कार्रवाई की धमकी दी। आरोपों और गिरफ्तारी के डर से घबराए जज ने ठगों द्वारा बताए गए अलग-अलग बैंक खातों में किस्तों में एक करोड़ रुपये से अधिक की रकम ट्रांसफर कर दी। कुछ समय बाद उन्हें ठगी का एहसास हुआ, जिसके बाद उन्होंने तीन दिन पहले पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

मामला दर्ज होने के बाद पुलिस जांच में जुट गई है। साइबर क्राइम अधिकारियों ने लोगों को आगाह करते हुए कहा है कि ऐसे मामलों में ठग अक्सर खुद को पुलिस या सरकारी एजेंसियों का अधिकारी बताकर लोगों को डराते हैं और उनसे पैसे ट्रांसफर करवाते हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि ऐसे कॉल आने पर घबराने के बजाय तुरंत पुलिस या साइबर हेल्पलाइन से संपर्क करें।

पेट्रोल पंप पर बिजली का झटका, दो मजदूरों की मौत

मंचेरियल, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को दांडेपल्ली मंडल के मेदारीपेट गांव में एक पेट्रोल पंप पर खड़े दो दिहाड़ी मजदूर गलती से बिजली के तार के संपर्क में आ गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। एक अन्य व्यक्ति इस दुर्घटना में बाल-बाल बच गया। दांडेपल्ली के सब-इंस्पेक्टर तहसीनुद्दीन के अनुसार मृतकों की पहचान मेदारीपेट निवासी सल्ला लक्ष्मीनारायण उर्फ एडन्ना और वेलगनूर गांव के चंदनागरी नागराजू के रूप में हुई है। दोनों उस लोहे के स्टैंड को ले जा रहे थे, जो पेट्रोल पंप पर 11 किलोवाट की बिजली की लाइन से छू गया। झुलसने के कारण दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, ये मजदूर एक व्यक्ति के लिए घर के निर्माण का लोहे का स्टैंड स्थानांतरित कर रहे थे और पीड़ित मेदारीपेट में एक सीमेंट व्यापारी के लिए काम करते थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए लक्सेट्टीपेट के सरकारी अस्पताल भेज दिया। पीड़ितों के परिवार के एक सदस्य द्वारा शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

मुख्यमंत्री के कुकटपल्ली आगमन से पहले भारत राष्ट्र समिति के नेता हिरासत में

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के कुकटपल्ली आगमन से पहले सोमवार को क्षेत्र में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। पुलिस ने संभावित विरोध को देखते हुए भारत राष्ट्र समिति के नेता पी. जगमोहन राव सहित कई समर्थकों को हिरासत में ले लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री कुकटपल्ली स्थित नल्लाचेरुवु क्षेत्र में विकास कार्यों के उद्घाटन के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान पुलिस ने एहतियात के तौर पर अनेक स्थानीय नेताओं तथा नागरिक संगठनों से जुड़े लोगों को भी हिरासत में ले लिया। भारत राष्ट्र समिति के नेताओं का आरोप है कि जगनमोहन राव और उनके समर्थकों को उनके निवास से हिरासत में लेकर कुकटपल्ली थाना ले जाया गया, जब वे कार्यक्रम स्थल की ओर जाने का प्रयास कर रहे थे। दल का यह भी कहना है कि स्थानीय निवासियों, विशेषकर विस्थापित परिवारों को कार्यक्रम में सम्मिलित होने से रोका गया। बीआरएस के नेताओं के अनुसार, नल्लाचेरुवु के निकट ग्रामीणों की भूमि विकास कार्यों के लिए बिना समुचित सूचना और उचित मुआवजा दिए अधिग्रहित कर ली गई थी। प्रभावित परिवार लगभग एक वर्ष से मुआवजे की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

भारत राष्ट्र समिति का आरोप है कि मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान संभावित विरोध को रोकने के उद्देश्य से यह कार्रवाई की गई। दूसरी ओर, पुलिस ने क्षेत्र में किसी भी प्रकार के जमावड़े को रोकने के लिए दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 लागू कर दी थी, जबकि शासन की ओर से उसी क्षेत्र में जनसभा आयोजित की गई।

रेल डिब्बा कारखाना और विस्थापित परिवारों के लिए रोजगार की मांग

पूर्व सांसद बी. विनोद के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल जीएम से मिला

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के नेताओं ने काज़ीपेट में प्रस्तावित रेल डिब्बा निर्माण कारखाने को लेकर स्पष्ट जानकारी देने और इस परियोजना के लिए अपनी भूमि देने वाले किसानों के परिवारों को रोजगार देने की मांग की है। इस संबंध में पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में बी. विनोद कुमार व ए. रमेश तथा अन्य वरिष्ठ नेता शामिल थे। यह बैठक सिकंदराबाद में रेलवे मुख्यालय में हुई।

बैठक में नेताओं ने काज़ीपेट में प्रस्तावित रेल निर्माण इकाई में स्थानीय लोगों को रोजगार देने की आवश्यकता और कारखाने की उत्पादन क्षमता के बारे में पूछा। उन्होंने काज़ीपेट में अलग रेल मंडल बनाने की भी मांग रखी। विनोद कुमार ने बताया कि काज़ीपेट में रेल डिब्बा कारखाने की मांग लगभग चालीस वर्षों से की जा रही है। पहले यहां माल डिब्बा कारखाना स्थापित करने की योजना थी, लेकिन बाद में किसानों से उनकी भूमि प्राप्त करने के बाद इसे रेल निर्माण इकाई में बदल दिया गया। उन्होंने कहा कि उस समय क्षेत्र के विकास के लिए अधिकांश किसानों ने अपनी भूमि दी थी। रेलवे के महाप्रबंधक ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि इस परियोजना का कार्य एक निजी संस्था द्वारा किया जा रहा है। पूर्व विधायक अरूरी रमेश ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल ने आयोध्यापुरम के उन परिवारों के लिए रोजगार की मांग की है, जिन्होंने परियोजना के लिए अपनी भूमि दी थी। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों को रोजगार में प्राथमिकता मिलनी चाहिए, जैसा कि अन्य रेल परियोजनाओं में किया गया है। भारत राष्ट्र समिति के नेताओं ने काज़ीपेट के लिए अलग रेल मंडल बनाने की भी मांग की। रेलवे के महाप्रबंधक ने आश्वासन दिया कि इन सभी मांगों को उचित कार्रवाई के लिए रेलवे बोर्ड तक पहुँचाया जाएगा।

ध्वस्तीकरण के विरोध में प्रदर्शन के दौरान कविता गिरफ्तार

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष के . कविता को सोमवार को खम्मम जिला पुलिस ने वेलुगुमटला पीड़ितों के समर्थन में ज़ेडपी सेंटर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार कर लिया। कविता और कई महिला नेताओं के साथ प्रदर्शन में शामिल थीं। जगरुति नेताओं ने आरोप लगाया कि गिरफ्तारी के समय महिला पुलिसकर्मी मौजूद नहीं थीं और महिलाओं को हिरासत में लेते समय पुलिस ने नियमों का उल्लंघन किया। पुलिस कार्रवाई के दौरान कथित रूप से धक्का-मुक्की भी हुई, जिसमें कई लोग घायल हो गए और कुछ बेहोश हो गए।

कविता ने मांग की कि घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया जाए और आरोप लगाया कि पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ अत्यधिक बल प्रयोग किया। इससे पहले दिन में कविता ने वेलुगुमटला में प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और बाद में पीड़ितों के साथ जिला कलेक्टरेट तक रैली का नेतृत्व किया। प्रदर्शनकारियों ने ज़ेडपी सेंटर स्थित अंबेडकर प्रतिमा के पास धरना दिया और मांग की कि जिला प्रशासन विस्थापित परिवारों को इंदिरम्मा आवास योजना के तहत मकान और घर के पट्टे प्रदान करे।खम्मम के राजस्व मंडल अधिकारी के साथ चर्चा के बावजूद, अधिकारियों की ओर से स्पष्ट आश्वासन नहीं मिलने के कारण विरोध जारी रहा। बाद में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। कविता ने वेलुगुमटला में घरों को गिराए जाने की कड़ी आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि रातों-रात बुलडोज़र से मकानों को ढहा दिया गया, जिससे परिवारों को भारी परेशानी हुई। उन्होंने कहा कि परीक्षा के मौसम में बच्चों की किताबें और सामान भी नष्ट हो गए।उन्होंने सरकार से मांग की कि प्रभावित परिवारों के लिए उसी स्थान पर नए मकान बनाए जाएं और सवाल उठाया कि जिले के मंत्री इस मुद्दे पर चुप क्यों हैं। कविता ने यह भी कहा कि एससी, एसटी और बीसी जेएसी सहित कई संगठन पीड़ितों का समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने विस्थापित परिवारों को आश्वासन दिया कि न्याय मिलने तक वह उनके लिए संघर्ष जारी रखेंगी।

साइबर ठग नकली नोटिस भेजकर कर रहे है धन की मांग

पुलिस ने नागरिकों को सतर्क किया

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस ने नागरिकों और संस्थाओं को चेतावनी दी है कि साइबर ठग अब 'भारतीय साइबर अपराध समन्वय केन्द्र' के नाम से नकली नोटिस भेजकर धन की मांग कर रहे हैं।

पुलिस के अनुसार, ठग ऐसे नोटिस भेजते हैं जिसमें व्यक्ति पर अवैध विदेशी मुद्रा लेन-देन या ऑनलाइन बाल अश्लील सामग्री तक पहुँच जैसी गतिविधियों में संलिप्त होने का आरोप लगाया जाता है और बताया जाता है कि उनके खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। तेलंगाना साइबर सुरक्षा विभाग के अधिकारी ने कहा, ठग पीड़ित को गिरफ्तारी वारंट और कानूनी कार्रवाई की धमकी देते हैं और आरोप वापस लेने के लिए धन देने की मांग करते हैं । कुछ मामलों में ठग संदेश भेजकर 24 घंटे के भीतर जवाब देने के लिए कहते हैं और विफल होने पर कानूनी कार्रवाई की धमकी देते हैं।

पुलिस ने जनता से अनुरोध किया है कि कोई भी संदिग्ध लिंक न खोलें और अज्ञात व्यक्ति के साथ अपने बैंक विवरण साझा न करें। ऐसे संदेश प्राप्त होने पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर रिपोर्ट करें या राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से जानकारी दें। यदि किसी को ठगी का शिकार होना पड़ता है, तो पुलिस ने सलाह दी है कि पहली दो घंटे के भीतर साइबर अपराध की रिपोर्ट दर्ज कराई जाए ताकि खोए हुए धन की वापसी की संभावना बढ़ सके।

यादाद्री मंदिर में 12 वर्षीय कुचीपुड़ी नृत्यांगना का प्रदर्शन

तीन किमी 'गिरि प्रदक्षिणा' मार्ग पर किया नृत्य

हैदराबाद, 9 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कला, संस्कृति और आध्यात्म का अनूठा संगम देखने को मिला जब 12 वर्षीय कुचिपुड़ी नृत्यांगना पी. श्री वैष्णो देवी ने स्वाति नक्षत्र के पावन अवसर पर यादाद्री स्थित श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी देवस्थानम में विशेष नृत्य प्रस्तुति दी।

स्वाति नक्षत्र भगवान लक्ष्मी नरसिंह की आराधना के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। इस दिन हजारों श्रद्धालु मंदिर में दर्शन करने और पवित्र 'गिरि प्रदक्षिणा' करने पहुंचते हैं, ताकि शांति, समृद्धि और सुरक्षा का आशीर्वाद प्राप्त कर सकें।

इसी अवसर पर हैदराबाद की 12 वर्षीय नृत्यांगना श्री वैष्णो देवी ने पूरे 3 किलोमीटर लंबे गिरि प्रदक्षिणा मार्ग पर लगातार कुचिपुड़ी नृत्य प्रस्तुत किया। यह अनोखी प्रस्तुति श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बन गई, जो पवित्र पहाड़ी की परिक्रमा करते हुए नृत्य का आनंद लेते रहे। इस धार्मिक आयोजन में वैष्णो देवी की 86 वर्षीय परदादी भी परिवार के साथ गिरि प्रदक्षिणा में शामिल हुईं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.